संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com
Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 19,अंक -295 रविवार , 27 अगस्त 2023, पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

चांद पर जवाहर प्वाइंट को लेकर छिड़ा सियासी घमासान

» क्या है चंद्रयान-1 से कनेक्शन?

» 23 अगस्त को राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के रूप में मनाने की घोषणा

» चंद्रयान-3 की लैंडिंग साइट को शिव शक्ति प्वाइंट दिया गया नाम

» चंद्रयान-2 की क्रैश लैंडिंग साइट को तिरंगा प्वाइंट के नाम से जाना जाएगा

नई दिल्ली,26अगस्त2023(ए)। चंद्रयान-3 की सफलता पर आज पूरी दुनिया भारतीय वैज्ञानिकों की तारीफ कर रही है। इस उपलब्धि पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने खुद इसरो के बेंगलुरु कार्यालय जाकर वैज्ञानिकों को बधाई दी और अगले मिशन के लिए हौसला बढ़ाया।

क्या है शिव शक्ति प्वाइंट?

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में चंद्रयान-3 की लैंडिंग साइट का नामकरण किया। पीएम ने कहा कि जहां चंद्रयान-3 के विक्रम लैंडर की सफल लैंडिंग हुई है, उस जगह को शिव शक्ति प्वाइंट के नाम से जाना जाएगा।

चंद्रयान-2 से जुड़ा है तिरंगा प्वाइंट

इसके साथ ही पीएम मोदी ने उस जगह का भी नामकरण किया, जहां चंद्रयान-2 की क्रैश लैंडिंग हुई थी। चंद्रयान-2 ने जहां पर चंद्रमा की सतह को छुआ था, उसे तिरंगा प्वाइंट नाम दिया गया। इसके अलावा उन्होंने 23 अगस्त को राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की।

चंद्रमा पर क्या है जवाहर प्वाइंट?

ऐसा नहीं है कि पहली बार किसी लैंडिंग साइट का नामकरण किया गया है। इससे पहले चंद्रयान-1 की लैंडिंग साइट का नामकरण किया गया था। भारत के पहले चंद्रमा मिशन चंद्रयान-1 को 22 अक्टूबर 2008 को पीएसएलवी रॉकेट की मदद से लॉन्च किया गया था। चंद्रयान-1 ने 14 नवंबर 2008 को चांद की सतह पर क्रैश लैंडिंग की थी। जिस जगह पर चंद्रयान-1 की क्रैश लैंडिंग हुई थी, उसे जवाहर प्वाइंट नाम दिया गया।

जवाहर प्वाइंट क्यों दिया गया नाम?

चंद्रयान-1 की क्रैश लैंडिंग साइट को जवाहर प्वाइंट इसलिए नाम दिया गया, क्योंकि जिस दिन चंद्रयान-1 ने चांद की सतह को छुआ था वह दिन 14 नवंबर था और इसी दिन पूर्व प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू का जन्मदिन है। इसलिए, उस जगह को जवाहर प्वाइंट कहा गया। उस समय के तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की सरकार ने ये फैसला लिया था। इसके बाद उस जगह को जवाहर प्वाइंट के नाम से जाना गया।

चंद्रयान-1 ने जुटाई थी अहम जानकारी

चंद्रयान-1 की मदद से ही भारत ने चंद्रमा पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई थी। इस मिशन से भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी इसरो ने कई तरह की जानकारी जुटाई थी। इस मिशन से इसरो ने चंद्रमा पर पानी का पता लगाया था, जो काफी महत्वपूर्ण है। चंद्रयान-1 ने आठ नवंबर 2008 को चंद्रमा की कक्षा में प्रवेश किया था और इसका 29 अगस्त 2009 को ऑर्बिटर के साथ संपर्क टूटा था।

नामकरण को लेकर सियासी घमासान

बता दें कि जवाहर प्वाइंट नाम को लेकर भाजपा और कांग्रेस के बीच राजनीति शुरू हो गई है। भाजपा नेता शहजाद पूनावाला ने एक्स (पहले ट्विटर) पर इसे लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा। भाजपा नेता ने कहा कि अगर यूपीए की सरकार होती और उन्होंने चंद्रयान-2 और चंद्रयान-3 भेजा होता, तो उसका नाम इंदिरा पॉइंट और राजीव पॉइंट रखा जाता।

दिल्ली सेवा बिल को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देगी दिल्ली सरकार:सीएम केजरीवाल

नई दिल्ली,26अगस्त2023(ए)। दिल्ली सरकार राजधानी में अधिकारियों के स्थानांतरण और तैनाती यानी सेवाओं पर नियंत्रण के मसले पर संसद की ओर से हाल ही में पारित नए कानून को चुनौती देगी। सर्वोच्च न्यायालय ने दिल्ली सरकार को अपनी याचिका में संशोधन कर अधिकारियों के स्थानांतरण और तैनाती यानी सेवाओं पर नियंत्रण से संबंधित अध्यादेश के बजाय हाल ही में संसद की ओर से पारित कानून को चुनौती देने की अनुमति दे दी है। दिल्ली सरकार ने शीर्ष न्यायालय से इस मसले पर केंद्र द्वारा जारी अध्यादेश को चुनौती देने वाली अपनी याचिका में संशोधन करने की अनुमति मांगी थी, ताकि नये कानून के प्रावधानों को चुनौती दे सके. पीठ ने केंद्र सरकार को चार सप्ताह के भीतर जवाब दाखिल करने को कहा है।

ट्रेन के टूरिस्ट कोच में फटा सिलेंडर

9 की मौत,चारधाम यात्रा पर जा रहे थे तीर्थ यात्री

मदुरै,26अगस्त2023(ए)। तमिलनाडु के मुदरै में शनिवार सुबह लखनऊ से रामेश्वरम जा रही ट्रेन के टूरिस्ट कोच (प्राइवेट कोट) में आग लगने से 9 यात्रियों की मौत हो गई। घटना मदुरै रेलवे स्टेशन के पास हुई। ब्लास्ट में 20 यात्री घायल हुए हैं, जिन्हें निजी अस्पतालों में भर्ती करवाया गया है।

घटना की सूचना पर आला अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं। अब तक की जानकारी के मुताबिक, यह प्राइवेट कोच यूपी के सीतापुर से बुक किया गया था। कुल 62 लोगों के लिए कोच बुक किया गया था, जो चार धाम यात्रा पर थे। मुदरै आकर सभी रामेश्वरम दर्शन को जाना चाहते थे।बताया जा रहा है कि इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन (आईआरसीटीसी) टूर पर यात्रियों को लेकर पर्यटक कोच लखनऊ से मदुरै पहुंचा था, जब यह घटना सुबह करीब 5.15 बजे हुई। अधिकारियों ने कहा कि आग तब लगी जब ट्रेन शनिवार सुबह मदुरै यार्ड जंक्शन पर रुकी हुई थी।

गवर्नर ने पंजाब में राष्ट्रपति शासन लगाने की दी चेतावनी

»सीएम भगवंत मान को लिखा था पत्र

चंडीगढ़,26अगस्त2023(ए)। पंजाब में नशा करना चरम अवस्था पर है। जिसे नियंत्रित करने के लिए पंजाब के गवर्नर बीएल पुरोहित ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर जवाब मांगा था। लेकिन जवाब देने का समय समाप्त होने के बाद भी कोई जवाब नहीं आने पर पंजाब के गवर्नर बीएल पुरोहित ने राज्य में राष्ट्रपति शासन की चेतावनी दी है। उन्होंने मुख्यमंत्री भगवंत मान को पत्र लिखकर कहा, राजभवन द्वारा मांगी गई जानकारियां सरकार की ओर से नहीं दी जा रही हैं। ये संवैधानिक कर्तव्य का अपमान है। मुख्यमंत्री के इस आचरण पर उनके पास कानून और संविधान अनुसार कार्रवाई करने के अलावा कोई अन्य विकल्प नहीं बच रहा है। पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार है जिसकी अगुवाई सीएम भगवंत मान कर रहे हैं। गवर्नर ने मुख्यमंत्री से कहा कि यदि उन्होंने गवर्नर हाउस के पत्रों का जवाब नहीं दिया तो उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

धोखाधड़ी मामले में ईडी का बड़ा एक्शन

» गोल्डन बाबा की 1.53 करोड़ रुपए की संपत्ति कुर्क

नई दिल्ली,26अगस्त2023(ए)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शनिवार को कहा कि उन्होंने भुवनेश्वर के ज्योति ट्रेडिंग एंड कंपनी के मालिक ज्योति रंजना बेउरा उर्फ गोल्डन बाबा द्वारा अपराध की आय के रूप में अर्जित 1.53 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की है। ईडी ने ओडिशा में व्यवसायियों को 5.50 करोड़ रुपये का ऋण प्रदान करने में उनके द्वारा की गई धोखाधड़ी के संबंध में गोल्डन बाबा के खिलाफ पीएमएलए जांच शुरू की।

इस संबंध में पहले उनके खिलाफ ईओडब्ल्यू भुवनेश्वर द्वारा एफआईआर दर्ज की गई थी, बाद में उन्होंने आरोप पत्र भी दायर किया। ईडी की जांच से पता चला कि ज्योति रंजन बेउरा ने ज्योति ट्रेडिंग एंड कंपनी के माध्यम से विभिन्न व्यवसायियों को असुरक्षित ऋण, आकर्षक ब्याज दर पर वित्तीय सहायता का लालच देकर धोखा दिया और धोखाधड़ी से उनसे लेटर ऑफ क्रेडिट प्राप्त किया। उन्हें वादा किए गए वित्तीय सहायता/असुरक्षित ऋण प्रदान किए बिना झूठे और मनगढ़ंत बिल बनाकर और पेश करके अपने खाते में बट्टा लगा लिया।

नूंह में बंद की गई इंटरनेट सेवा

» 28 को फिर से निकाली जा रही बृजमंडल यात्रा

नूंह,26अगस्त2023(ए)। हरियाणा के नूंह से बड़ी खबर सामने आ रही है। यहां एक बार फिर से इंटरनेट सेवा बंद कर दी गई है। प्रशासन ने यहां 26 से 28 अगस्त की रात 12 बजे तक इंटरनेट सेवाओं को बंद किया है। इस दौरान यहां मोबाइल इंटरनेट और बल्क एसएमएस सेवा दोनों ही बंद रहेंगी। विश्व हिंदू परिषद द्वारा 28 अगस्त को अपनी बृज मंडल जल अभिषेक यात्रा को आगे बढ़ाने की घोषणा की गई है। विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय संयुक्त महासचिव डॉ. सुरेंद्र कुमार जैन के साथ संयुक्त रूप से पत्रकारों को संबोधित करते हुए 52 पाल के अध्यक्ष अरुण जैलदार ने कहा कि ब्रज मंडल धार्मिक यात्रा एक ऐतिहासिक यात्रा है, जो 31 जुलाई को हुए हिंसक हमलों के कारण अधूरी रह गई थी।

उन्होंने कहा कि अब 28 अगस्त को यह यात्रा मेवात के सर्व हिंदू समाज द्वारा निकाली जाएगी। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि विश्व हिंदू परिषद ने इस यात्रा को एक संगठित स्वरूप प्रदान किया था। वह अभी भी एक सहयोगी संस्था के रूप में हमारे साथ उपस्थित रहेगी।
हालांकि, इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि जी-20 के महत्वपूर्ण आयोजन को देखते हुए और मेवात में दंगाइयों पर पुलिस की सघन कार्रवाई को भी ध्यान में रखते हुए प्रशासन के साथ चर्चा करके इस धार्मिक यात्रा के आकार और इससे जुड़े अन्य महत्वपूर्ण पहलुओं पर फैसला किया जाएगा।
वहीं, विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय संयुक्त महासचिव डॉ. सुरेंद्र कुमार जैन ने कहा कि इस बार की यात्रा का आयोजन मेवात के हिंदू समाज ने ही आग्रह पूर्वक करने का निश्चय किया है। इसलिए विश्व हिंदू परिषद मेवात से बाहर के हिंदू समाज को वहां न बुलाकर संपूर्ण प्रदेश के लिए एक कार्यक्रम की घोषणा कर रही है।
उन्होंने बताया कि उस दिन प्रदेश के हर प्रखंड में एक शिव मंदिर में दोपहर 11 बजे सामूहिक जलाभिषेक का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा और वहां का हिंदू समाज इस कार्यक्रम में भाग लेगा।
पिछले महीने नूंह में बृजमंडल यात्रा के दौरान ही सांप्रदायिक झड़पें हुई थीं। सरकार ने सोमवार को आयोजित होने वाली यात्रा से पहले या इसके दौरान असामाजिक तत्वों द्वारा सोशल मीडिया के माध्यम से अफवाह फैलाए जाने की आशंका के चलते संबंधित आदेश जारी किया। आदेश शनिवार को अतिरिक्त मुख्य सचिव (गृह) टीवीएसएन प्रसाद की ओर से जारी किया गया। हरियाणा सरकार ने पहले भी सांप्रदायिक हिंसा के बाद नूंह में मोबाइल इंटरनेट सेवाओं को बंद कर दिया था।

कुपवाड़ा में लश्कर-ए-तैयबा मॉड्यूल का भंडाफोड़

आतंकियों के तीन सहयोगी गिरफ्तार

श्रीनगर ,26अगस्त2023(ए)। जम्मू कश्मीर में सुरक्षा बलों ने शनिवार को कुपवाड़ा जिले में अलग-अलग अभियान के दौरान लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादियों के तीन सहयोगियों को गिरफ्तार कर हथियार और गोला-बारूद बरामद किया। पुलिस ने कहा कि एक महत्वपूर्ण संयुक्त अभियान में, जम्मू-कश्मीर पुलिस ने 28 राष्ट्रीय राइफल्स (आरआर) के साथ मिलकर कुपवाड़ा में लश्कर से जुड़े दो आतंकवादी सहयोगियों को पकड़ा और संदिग्धों के पास से पाकिस्तान और चीन मूल के पांच हथगोले भी बरामद हुए।

पुलिस ने कहा कि विश्वसनीय सूचना पर कार्रवाई करते हुए, जम्मू-कश्मीर पुलिस और सेना 28 आरआर ने दो आतंकवादी सहयोगियों को रोकने के लिए एक अभियान चलाया, जिन्होंने कुपवाड़ा में एक अज्ञात व्यक्ति से खेप खरीदी थी। उन्होंने बताया कि ये लोग लश्कर कमांडर गुलाम रसूल उर्फ राफिया रसूल से निर्देश लेकर शतमुक्कम गांव की ओर जा रहे थे, रसूल मूल रूप से चंडीगाम लोलाब का निवासी था और अब पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में है।

बंगाल के जलपाईगुड़ी में बाढ़

कोलकाता ,26 अगस्त 2023(ए)। उत्तर बंगाल के जलपाईगुड़ी में मूसला धार बारिश के बाद तीस्ता और कराला नदियों का जलस्तर बढ़ने के बाद बाढ़ जैसी स्थिति का सामना करना पड़ रहा है, जिससे शहर में घरों और अन्य जगहों में पानी भर गया है। स्थानीय लोगों के अनुसार, सबसे ज्यादा प्रभावित वार्ड नंबर 25 के अंतर्गत पारस मित्रा कॉलोनी के निचले इलाके हैं, जहां कई लोग विस्थापित हो गए हैं क्योंकि उनके घरों में नदी का पानी भर गया है।
जलपाईगुड़ी नगर पालिका के अध्यक्ष स्वरूप मंडल के नेतृत्व में एक बचाव दल ने बचाव अभियान शुरू कर दिया है और प्रभावित लोगों को सूखे इलाकों में ले जाया है।उन्होंने कहा कि पिछले कुछ दिनों के दौरान भारी और लगातार बारिश के कारण दोनों नदियों में जल स्तर बढ़ गया है।
वार्ड नंबर 25 की पार्षद पौषाली दास ने पुष्टि की, कि करीब 350 परिवार प्रभावित हुए हैं।

दलीलों में भारी-भरकम रूपरेखा से बचना चाहिए : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली,26अगस्त2023(ए)। सुप्रीम कोर्ट ने इस बात पर जोर दिया है कि शीर्ष अदालत के समक्ष दायर याचिकाओं में भारी सारांश से बचना चाहिए। न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति पंकज मिथल की पीठ ने उपरोक्त टिप्पणी तब की, जब उसने पाया कि हाईकोर्ट आदेश में छह पृष्ठ थे, जबकि सारांश में 60 से अधिक पृष्ठ और 27 पृष्ठ विशेष अनुमति याचिका में थे।
कोर्ट ने याचिका पर विचार करने से इनकार करते हुए कहा, भारत के संविधान के अनुच्छेद 136 के तहत हस्तक्षेप का कोई मामला नहीं बनता है। विशेष अनुमति याचिका खारिज की जाती है। इससे पहले अगस्त में, सुप्रीम कोर्ट ने न्यायिक कार्यवाही में दायर याचिकाओं या लिखित प्रस्तुतियों के संबंध में पृष्ठ सीमा निर्धारित करने के लिए दिशानिर्देशों की मांग करने वाली एक जनहित याचिका का निपटारा कर दिया था।

सीजेआई डी.वाई. चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली पीठ ने याचिकाकर्ता से पूछा था, हम सभी मामलों में कैसे कह सकते हैं कि लिखित प्रस्तुतियों पर शब्द सीमा या पृष्ठ सीमा होनी चाहिए? सीजेआई के नेतृत्व वाली पीठ ने कहा कि हालांकि जनहित याचिका में उठाई गई चिंता प्रशंसनीय है, लेकिन इस तरह की प्रकृति की एक आकार सभी के लिए उपयुक्त दिशा तय करना मुश्किल है।
हालांकि शीर्ष अदालत ने कहा था कि यदि जनहित याचिका वादी के पास कोई ठोस सुझाव है, तो वह सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष अभ्यावेदन देने के लिए स्वतंत्र है।
जनहित याचिका में दावा किया गया था कि अदालत के समक्ष दायर याचिकाओं की पेज सीमा को परिभाषित करने वाले किसी विशिष्ट नियम की कमी के कारण न्याय मिलने में देरी होती है।

पूनिया को नई जिम्मेदारी मिलने से राजस्थान बीजेपी के कुछ दिग्गज नाराज

नई दिल्ली,26अगस्त2023(ए)। भाजपा राजस्थान में आगामी विधानसभा चुनावों के लिए जोर-शोर से तैयारी कर रही है, लेकिन इसकी राज्य इकाई में अंदरूनी कलह पार्टी को परेशान कर रही है। कई दिग्गज नेता शीर्ष नेतृत्व द्वारा पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया को चुनाव अभियान की जिम्मेदारी सौंपने से नाराज दिख रहे हैं।
जब पूनिया राजस्थान भाजपा प्रमुख थे, तब उनकी कार्यशैली की पार्टी के कुछ दिग्गज नेताओं ने कड़ी आलोचना की थी। विधानसभा चुनाव के मद्देनजर राज्य के चार प्रमुख धार्मिक स्थलों से चार 'परिवर्तन यात्राएं' निकालने जा रही भाजपा ने पूनिया को एक यात्रा का नेतृत्व सौंपा है। इससे राजस्थान से लेकर दिल्ली तक पार्टी के कुछ नेता नाराज हो गए हैं।
क्रमशः 2, 3, 4 और 5 सितंबर को शुरू होने वाली यात्राएं 25 सितंबर को जयपुर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक

विशाल सार्वजनिक संबोधन में समाप्त होंगी। चौथी यात्रा को केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी 5 सितंबर को हनुमानगढ़ के गोगामेड़ी से हरी झंडी दिखाएंगे। पार्टी आलाकमान ने इस यात्रा के नेतृत्व की जिम्मेदारी अपने पूर्व प्रदेश अध्यक्ष पूनिया को सौंपी है। जो लोग पूनिया से खुश नहीं हैं, उनमें राजस्थान में पार्टी के कुछ दिग्गज नेता, कुछ वर्तमान और पूर्व केंद्रीय मंत्री और संवैधानिक पदों पर बैठे राजस्थान बीजेपी के एक दिग्गज नेता भी शामिल हैं।
कहा जा रहा है कि कई गुटों में बंटी राजस्थान बीजेपी में सभी गुटों के नेता उनसे नाराज हैं।
पूनिया ने पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष रहते हुए पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के खिलाफ मोर्चा खोला था।
वरिष्ठ नेताओं की बार-बार शिकायत के बाद मार्च में पार्टी आलाकमान ने पूनिया को प्रदेश अध्यक्ष पद से हटा दिया और लोकसभा सांसद सी.पी. जोशी को राजस्थान भाजपा का नया प्रमुख नियुक्त किया। हालांकि, बाद में पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने पूनिया को राज्य विधानसभा में विपक्ष का उपनेता बना दिया।

संपादकीय

राष्ट्रीय गर्व का अवसर

इस सफलता को और बड़ा आयाम देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे मानवता की कामयाबी बताया। उनका यह कथन महत्वपूर्ण है कि यह कामयाबी संकेत देती है कि विकासशील देश भी इसी तरह की बड़ी उपलब्धियां प्राप्त कर सकते हैं।

चंद्रयान-3 अभियान की सफलता हर लिहाज से राष्ट्रीय गर्व का विषय है। सारा देश दम साधे इस मौके का इंतजार कर रहा था, उसकी वजह यही है कि विज्ञान ने चाहे जितनी तरक्की की हो, लेकिन चांद पर लैंडर को सटीक ढंग से उतार देना आज भी आसान नहीं है। आशंकाएं कई वजहों से थीं। एक तो चंद्रयान-2 की विफलता की याद आज भी ताजा है, दूसरे चंद्रयान-3 के चांद पर उतरने से कुछ ही दिन पहले रूस का यान लूना दुर्घटनाग्रस्त हो गया। फिर मंगलवार शाम को अचानक यह खबर तेजी से फैली कि लैंडर की सेहत को देखते हुए यान को चांद की सतह पर उतारने का काम 27 अगस्त तक के लिए टाला जा सकता है। लेकिन तमाम आशंकाएं निर्मूल साबित हुईं और इस तरह चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर अपना यान उतारने वाला भारत दुनिया का पहला देश बन गया। इस सफलता को और बड़ा आयाम देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे मानवता की कामयाबी बताया। उनका यह कथन महत्वपूर्ण है कि यह कामयाबी इस बात का संकेत देती है कि विकासशील देश भी इसी तरह की बड़ी कामयाबियां हासिल कर सकते हैं।

यह हकीकत है कि इस सफलता पर पूरी विकासशील दुनिया में खुशी देखी गई है। इस ओर ध्यान खींचा गया है कि चंद्रमा पर शोध के अभियान में इस समय जो तीन देश प्रमुखता से जुटे हुए हैं, वे सभी भारत, रूस और चीन विकासशील देशों के उभरते मंच ब्रिक्स के सदस्य हैं। यह सचमुच दुनिया के इतिहास में एक नया अध्याय है, जब विकासशील देश दर्शक नहीं, बल्कि बारीक वैज्ञानिक गतिविधियों की धारा बन कर उभरे हैं। भारत ने यह सफलता लंबे प्रयास और स्वतंत्रता के बाद तुरंत सत्ता में आए नेतृत्व की दूरदेशी के बूते हासिल की है। यह सफलता अनेक रुकावटों को पार करते हुए प्राप्त की गई है। यह गौरतलब है कि जब चंद्रयान-1 अभियान सफल हुआ था, तब 1998 के परमाणु परीक्षणों के बाद पश्चिमी देशों की तरफ से भारत पर लगाए गए कई तकनीकी प्रतिबंध अभी भी लागू थे। तब से आज तक भारत काफी आगे बढ़ा है। यह सचमुच गर्व का विषय है।

नए कानून क्या न्याय की गारंटी होंगे?

भारतीय दंड संहिता की जगह अब भारतीय न्याय संहिता लागू की जाएगी। अपराध प्रक्रिया संहिता की जगह अब भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता लागू होगी और साक्ष्य कानून की जगह भारतीय साक्ष्य कानून लागू होगा। केंद्र सरकार ने इसके लिए मॉनसून सत्र में तीन विधेयक पेश किए और तीनों विधेयकों को गृह मामलों की संसदीय समिति के पास विचार के लिए भेज दिया गया है। संसदीय समिति को तीन महीने का समय दिया गया है। इसका मतलब है कि नवंबर में जब संसद का शीतकालीन सत्र शुरू होगा तब तक संसदीय समिति की रिपोर्ट आ चुकी होगी और उसके हिसाब से सुझावों-संशोधनों को इसमें शामिल करके बिल को पास कराने के लिए संसद में रखा जा सकता है। अगर ये तीनों बिल पास हो जाते हैं, जिसकी पूरी संभावना है तो यह देश की न्यायिक व्यवस्था में एक नए दौर की शुरुआत होगी।

ध्यान रहे भारतीय दंड संहिता 1861 में लागू की गई थी, जिसे थोड़े बहुत बदलाव के साथ अभी तक जारी रखा गया है। अपराध प्रक्रिया संहिता को 1973 में लागू किया गया था और साक्ष्य कानून 1872 में अस्तित्व में आया था। इनमें समय समय पर बदलाव किया गया और देश, समाज की बदलती जरूरतों के हिसाब से इन्हें नया रूप देने की कोशिश की गई। लेकिन कभी भी इसे पूरी तरह से बदलने का प्रयास नहीं हुआ या मौजूदा समय की जरूरत के हिसाब से व्यापक बदलाव नहीं किया गया। इस लिहाज से यह कह सकते हैं कि सरकार का प्रयास गंभीर है, जरूरी है और व्यापक भी है। लंबे विचार विमर्श के बाद इन तीनों कानूनों में बदलाव का मसौदा बना है और उसे संसद में रखा गया है।

इन तीनों कानूनों में बदलाव के लिए पेश किए गए मसौदे पर कानूनी जानकारों ने बहुत बारीकी से विचार किया है और इसकी कमियों, खूबियों को उजागर किया है। हालांकि देश के अनेक जाने-माने कानूनी जानकार दलगत निष्ठा से बंधे हुए हैं या वैचारिक आधार पर मुख्तलिफ राय रखते हैं। इसलिए उनकी समीक्षा बुनियादी रूप से एकतरफा है। ऐसा नहीं है कि इन तीनों कानूनों में सब कुछ खराब है। इसमें कुछ अच्छी और जरूरी चीजें भी हैं लेकिन इसकी जो खामी है वह बहुत बड़ी है और उम्मीद करनी चाहिए कि संसदीय समिति उस पर गंभीरता से विचार करेगी और सरकार को उसे बदलने की सिफारिश करेगी। अपराध प्रक्रिया संहिता की जगह सरकार भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता का जो मसौदा लेकर आई है उसमें सबसे बड़ी खामी किसी नागरिक को बिना आरोप लगाए तीन महीने तक पुलिस हिरासत में रखने का प्रावधान है। इसे बदला जाना चाहिए।

मौजूदा अपराध प्रक्रिया संहिता में किसी भी नागरिक को बिना आरोप लगाए 60 दिन तक पुलिस हिरासत में रखा जा सकता है। तभी गिरफ्तारी के 24 घंटे के अंदर पुलिस किसी आरोपी को अदालत में पेश करती है और अदालत उसे दो बार या तीन बार पुलिस हिरासत में भेजती है उसके बाद आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया जाता है। नए कानून में प्रावधान है कि गिरफ्तारी के बाद आरोपी को 60 दिन तक हिरासत में रखा जा सकता है और फिर 90 दिन तक बढ़ाया जा सकता है। यह बहुत कठोर और बर्बर प्रावधान है। किसी भी व्यक्ति को बगैर न्यायिक अभिरक्षा के इतने लंबे समय तक अगर पुलिस की हिरासत में रखा जाता है तो यह उसके साथ बहुत बड़ी ज्यादती होगी। इतनी लंबी अवधि में उसके ऊपर दबाव बनाने और उससे जोर जबरदस्ती गुनाह कबूल कराने की संभावना रहेगी। पुलिस हिरासत की इतनी लंबी अवधि किसी को भी तोड़ सकती है। इसमें गुनाहगार और बेगुनाह दोनों के साथ ज्यादती की संभावना है।

इस तरह का प्रावधान करते समय मसौदा तैयार करने वाले जानकारों को दुनिया की बेस्ट प्रैक्टिस के बारे में जानकारी लेनी चाहिए थी। दुनिया में सबसे बेस्ट प्रैक्टिस स्कॉटलैंड में है, जहां बिना आरोप लगाए किसी भी व्यक्ति को सिर्फ छह घंटे तक पुलिस हिरासत में रखा जा सकता है। अगर छह घंटे की अवधि बहुत कम है तो इसे छह दिन किया जा सकता है लेकिन 90 दिन की पुलिस हिरासत का प्रावधान इस पूरी कवायद पर एक दाग है, जिसे हटाना सबसे जरूरी है। इसी तरह से एक कठोर प्रावधान हथकड़ी लगाने का है। भारत में इसका प्रावधान नहीं है लेकिन नए कानून में पुलिस को अपने विवेक से हथकड़ी लगाने का अधिकार दिया जाएगा। इसी तरह विशेष स्थितियों में रात में महिलाओं की गिरफ्तारी का अधिकार दिया जा रहा है और किसी भी गिरफ्तारी के समय हर तरह के उपायों का इस्तेमाल करने का अधिकार भी पुलिस को दिया जा रहा है। अगर यह कानून बनता है तो गिरफ्तारी के समय हिंसा और यहां तक की इनकाउंटर तक को वैधता मिल जाएगी।

भारतीय न्याय संहिता में सरकार ने देशद्रोह की धारा हटा दी है लेकिन राज्य के प्रति अपराध को शामिल कर लिया है, जो पहले वाले कानून से ही मिलता जुलता है। राज्य के खिलाफ बोलने या किसी भी माध्यम से की जाने वाली अभिव्यक्ति या वित्तीय लेन-देन को लेकर यह कानून लागू किया जा सकता है। इसमें सात साल से उम्रकैद तक की सजा है। इसलिए कुछ ज्यादा बदलाव होते नहीं दिख रहे हैं, बल्कि पुलिस को पहले के मुकाबले स्वविवेक से ज्यादा फैसले करने का अधिकार दिया जा रहा है। इसके अलावा वकीलों से लेकर आम लोगों तक के लिए एक मुश्किल कानून की धाराओं के नंबर बदले जाने से होगी। नए कानून में हत्या के लिए 302 की जगह धारा 101 लगेगी और धोखाधड़ी के लिए धारा 420 की जगह 316 होगी। पिछले 163 साल में लोगों की जुबान पर ये धाराएं हैं। पुराने मामलों में मुकदमे इन्हीं धाराओं में चल रहे हैं और दस्तावेजों में पुरानी धाराएं ही लिखी हुई हैं। सो, एक ही अपराध के लिए दो-दो धाराएं कानूनी प्रक्रिया में इस्तेमाल होंगी, इससे कंफ्यूजन बनेगा।

बहरहाल, इस कानून में कुछ अच्छे प्रावधान हैं, जैसे इसमें कहा गया है कि किसी भी व्यक्ति या संस्था के खिलाफ शिकायत मिलने से लेकर जांच और अदालत में सुनवाई तक का पूरा रिकॉर्ड डिजिटल रखा जाएगा। इसका फायदा यह होगा कि सभी पक्षों के लिए सारी जानकारी को एक्सेस करना बहुत आसान हो जाएगा। इसे लंबे समय तक सुरक्षित रखा जा सकेगा और बहुत आसानी से एक्सेस किया जा सकेगा। एक दूसरा प्रावधान यह है कि पुलिस किसी व्यक्ति के यहां छापा मारती है या उसे गिरफ्तार करने जाती है तो पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी होगी। इससे गिरफ्तारी या छापे के समय होने वाली ज्यादतियों में कमी आएगी और किसी को गलत तरीके से फंसाने के लिए सबूत प्लांट करने की घटनाएं बंद होंगी या कम होंगी।

तीनों नए कानूनों में ढेर सारे प्रावधान हैं, जिन पर बारीकी से विचार करने की जरूरत है। लेकिन इन कानूनों पर विचार के बीच एक बड़ा सवाल यह भी है कि सिर्फ कानून बदलने से क्या होगा? कानून को लागू करने वाला सिस्टम जब वही है तो कानून या उसकी धाराओं में बदलाव कर देने से क्या बदलेगा? देश का पुलिस सिस्टम नहीं बदला जा रहा है। दुनिया के विकसित देशों में लॉ एंड ऑर्डर, इन्वेस्टिगेशन और प्रॉसीक्यूशन के लिए अलग अलग पुलिस होती है। भारत में एक ही पुलिस सारे काम करती है। अगर पुलिस सिस्टम को नहीं बदला जाता है, पुलिस का बेहतर प्रशिक्षण नहीं होता है तब तक कानून बदलने का कोई खास फायदा नहीं होगा। न्यायिक व्यवस्था भी पहले वाली ही रहनी है। बुनियादी ढांचे की कमी की वजह से नीचे से लेकर ऊपर तक जजों की संख्या नहीं बढ़ाई जा रही है, जिसका नतीजा यह है कि मुकदमों का अंबार और बढ़ता जा रहा है। कानून में बदलाव के साथ साथ अगर इसमें भी सुधार किया जाता तो ज्यादा बेहतर होता।

-अजीत द्विवेदी-

योग से जीवन को स्वस्थ व शक्तिशाली बनाएं

निरोगी काया के लिए योग अद्भुत विधा

योग स्वयं के माध्यम से स्वयं की यात्रा है अर्वाचीन भारतीय दर्शन शास्त्र की पाठशाला में एक महत्वपूर्ण एवं अद्भुत पाठशाला योग भी है योग शब्द मूलतः संस्कृत की भाषा से उपजा शब्द है। योग शब्द की उत्पत्ति संस्कृत के शब्द युज,से हुई है इसके दो अर्थ है पहला अर्थ जोड़ना तथा दूसरा बहुत ही वृहद व्यापक शब्द अनुशासन है। योग से उसके अभ्यास के कारण शरीर तथा मस्तिष्क में एक सामंजस्य और संबंध बन जाता है, जिससे मस्तिष्क शांत तथा अनुशासित रहता हैं। यह व्यायाम का ही एक अंग है,जिससे शरीर तथा मन नियंत्रित रह कर जीवन को परिस्थितियों के अनुकूल एवं सफल बनाता है। योग स्वस्थ जीवन जीने का एक विज्ञान है। यह एक प्रकार की यौगिक औषधि है, वह हमारे शरीर के काम करने के तरीकों को धीरे-धीरे बेहतर कर शिथिल अंगों को स्वयं हल्के हल्के ठीक कर देता है।

निरोगी काया श्रेष्ठ जीवन का वरदान होती है। यदि आप निरोगी और स्वस्थ हैं तो आप सफलतम व्यक्ति बन सकते हैं धन लिप्सा आकांक्षा लालच से योग मुक्त कर एक खुशनुमा जीवन जीने की जीजिविषा तथा जुजुस्ता पैदा करता है। योग जीवन की एक कला है जो वर्तमान परिवेश में और भौतिक जगत में अत्यंत प्रासंगिक भी है। योग हमें शारीरिक तथा मानसिक रूप से स्वस्थ रखने का एक सशक्त माध्यम है हम सबको, आपको लगता है कि आज के आधुनिक जीवन में हमें एक बहुत अस्त व्यस्त तथा मानसिक असंतुलन वाली जीवन शैली मिली है। यह सभी अनियमित भोजन की आदतों, अभाव या अनुचित नींद या लंबे समय तक कठोर श्रम करने के कारण प्राप्त हुई है। नई पीढ़ी के बच्चे, युवा स्वस्थ जीवन शक्ति सार्वजनिक लचीलापन ऊर्जा और रोगों के लिए प्रतिरोधात्मक क्षमता की खोज में लगे हुए है,और सही सहीं माना जाए तो इन सब का जवाब योग अभ्यास में ही है।

योग के आसन प्राणायाम और ध्यान से संयमित शरीर और आत्मा के साथ संतुलित जीवन शैली को प्राप्त किया जा सकता है। और इस जीवन में हम अपने को शक्तिवान,ऊर्जावान महसूस करने लगते हैं। योगाभ्यास के जरिए न केवल बीमारियों से छुटकारा पाया जा सकता है बल्कि स्वयं के अंदर एक नई ऊर्जा का संचार भी किया जा सकता है। अपने बेडौल शरीर को भी योग अभ्यास के जरिए सही आकार में लाने का यह सर्वाधिक सुरक्षित आसान और कारगर तथा लागत विहीन जरिया है। योग्य के वैसे तो कर्म योग, भक्ति योग,ज्ञान योग, राजयोग और हठयोग भी अलग-अलग विभेद हैं, पर सभी पांचों योगों के अलग-अलग तरीके तथा अलग-अलग फायदे हैं।

कर्म योग सदैव दूसरों की सेवा के लिए प्रेरित करता है। और इसका मूल्य देश सामाजिक कल्याण यह समाज सेवा ही है। भक्ति योग हमें ईश्वर की साधना कैसे की जाए, यह पाठ पढ़ाता है ।भक्ति योग मनुष्य के अंदर हृदय तथा मस्तिष्क को संतुलित कर एक सकारात्मक ऊर्जा की ओर प्रेरित करता है।भक्ति योग एक प्रकार का मानसिक योग है जिससे मन शांत रहकर सहिष्णुता की उत्पत्ति होती है, यह अहिंसक मार्ग की ओर प्रेरित करता है। ज्ञान योग बुद्धि के विकास एकाग्रता बढ़ाने तथा समाजिक ज्ञान विज्ञान की प्रेरणा देते एवं अध्ययन मनन में मनुष्य की सहायता करता है। राजयोग सर्वाधिक प्रचलित कथा लोकप्रिय योग है। यह योग की सबसे महत्वपूर्ण विधा है इसमें यम, नियम, आसन, प्राणायाम,प्रत्याहार धारणा और ध्यान या समाधि इसमें परम आनंद की प्राप्ति या मोक्ष प्राप्ति की विधाओं के बारे में विस्तृत वर्णन है।

योग का इतिहास पांच सौ साल पुराना है। पश्चिमी देशों के लोगों का परिचय योग से तब हुआ जब स्वामी विवेकानंद ने अपने शिकागो की यात्रा के समय लोगों को योग के महत्व के बारे में व्यापक रूप से बताया था। इसके बाद पूरे विश्व में योग के प्रचार प्रसार के लिए कई योग गुरु ने अनथक प्रयास कर योग को विश्वव्यापी फलक पर विराजमान किया। पहली बार अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2015 को मनाया गया। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने इसकी पहल कर 27 सितंबर 2014 को संयुक्त राष्ट्र संघ की आम सभा में अपने भाषण में उल्लेख कर इसे प्रतिपादित किया। उन्होंने अपने भाषण में कहा था कि योग शारीरिक तथा मानसिक सामंजस्य का अद्भुत सहयोग तथा तरीका है। यह मनुष्य तथा प्रकृति के बीच का एक सामंजस्य स्थापित करने वाला अद्भुत से सेतु है। और तब 11 दिसंबर 2014 को संयुक्त राष्ट्र संघ में उसके 177 सदस्यों द्वारा 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाने की सहमति देकर इस प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की थी। इस प्रस्ताव को बहुत ही कम समय में मंजूरी प्रदान कर दी गई, जो कि संयुक्त राष्ट्र संघ के इतिहास की सबसे कम समय में दी गई मंजूरी थी। योग के वैसे तो अनगिनत फायदे हैं। और हम यह कह सकते हैं कि योगाभ्यास ईश्वर द्वारा मानव सभ्यता को दिया गया अप्रतिम उपहार है। योग किसी चमत्कार से कम नहीं।जिन असाध्य बीमारियों का वर्तमान चिकित्सा पद्धति से इलाज नहीं हो पाता,योग उन बीमारियों को शनै शनै उपचार कर ठीक कर देता है। यह शारीरिक मानसिक शांति ऊर्जा शक्ति तो देता ही है, साथ में हमें आत्म संयम, आत्मबल तथा आत्मज्ञान से भी रूबरू कराता है। योग बहुत ही आसान व्यायाम है,यह दैनिक क्रियाओं के साथ स्वस्थ शरीर और मन की क्रिया है। नाड़ी शोधन, कपालभाति, शीतली, अनुलोम विलोम जैसी क्रियाओं से शरीर में प्राण वायु की संतुलित मात्रा बढ़ती है, एवं स्नायु तंत्र मजबूत होता है। कोरोना संक्रमण काल मे कपालभाति,अनुलोम विलोम, नाड़ी शोधन शरीर में ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ाने के कारगर उपायों में गिना जाता रहा है, और इसने मरीजों की बहुत मदद भी की है। योग से रोगों की तीव्रता कम हो जाती है, तथा कई रोगों से छुटकारा भी मिल जाता है।अतः आप सभी को योग दिवस की शुभकामनाएं स्वस्थ रहें मस्त रहें निरोगी रहें।

संजीव ठाकुर,
चौबे कॉलोनी
रायपुर छत्तीसगढ़

मेरा सायाःराज खोसला की ट्रायोलॉजी की तीसरी परछाई

पिछली बार हमने मेरा साया फिल्म के लोकप्रिय गाने झुमका गिरा रे बरेली के बाजार... की बात की थी। माना जाता है कि यह गाना ठग-चोरों की लोकसंस्कृति से आया है। कहा जाता है कि ठग-चोर लोग गांवों के चौराहे पर नाच-गाना का तमाशा कर इसकी आड़ में लोगों के घरों में चोरी करते थे। 1966 में आई इस फिल्म में साधना की दो बहनें, गीता और रैना उर्फ निशा की दोहरी भूमिका थी। छोटी बहन रैना जो एक डाकू गैंग की सदस्य थी, वह एक महफिल में यह गाना गाती है। इस गाने के पीछे जो लोक कहावतें और अफवाहें हैं, उनकी बातें की गई थीं। यह गाना तो लोकप्रिय हुआ ही था, मेरा साया फिल्म भी सफल रही थी। आज हम इसी फिल्म की बात करेंगे।

मेरा साया का निर्देशन राज खोसला ने किया था। साधना के साथ उनकी यह तीसरी फिल्म थी। दो साल पहले ही 1964 में मनोज कुमार के साथ सुपरहिट सस्पेंस फिल्म वह कौन थी? बनाई थी। उसमें भी साधना की दो भूमिकाएं थीं। मदन मोहन ने इस फिल्म में अच्छे गाने दिए थे। इसके दो साल पहले 1964 में जॉय मुखर्जी के साथ साधना को फिल्म एक मुसाफिर एक हसीना निर्देशित की थी। मेरा साया के बाद 1967 में राजजी ने मनोज कुमार और साधना को ले कर सस्पेंस फिल्म अनिता बनाई थी।

पंजाब के गांव से आए राज खोसला को बचपन से ही संगीत का शौक था।उन्होंने शास्त्रीय संगीत की तालीम ली थी और आल इंडिया रेडियो में उनकी पहली नौकरी भी एक संगीतकार के रूप में थी। वह गायक कलाकार बनने के लिए मुंबई के सिनेमाजगत में आए थे। परंतु देव आनंद ने उन्हें अपने दोस्त गुरुदत्त के सहायक के रूप में लगा दिया था और इस तरह राजजी का जीव फिल्म निर्देशन में लग गया। संगीत के शौक के कारण ही उनकी ज्यादातर तमाम फिल्मों में एक गाना ऐसा रहता था, जिसकी धुन लोकसंगीत से प्रेरित होती थी। जैसे कि झुमका गिरा रे... (मेरा साया), बिंदिया चमकेगी...और छुप गए सारे नजारे...(दो रास्ते), ना बाबा न बाबा पिछवाड़े बुड्ढा खांसता...(अनिता) और मार दिया जाए के छोड़ दिया जाए...(मेरा गांव मेरा देश)।

मेरा साया साधना के कैरियर की बेहतरीन फिल्मों में एक है। राज खोसला देव आनंद और गुरुदत्त के साथ रह कर सस्पेंस फिल्मों के मास्टर हो गए थे। जिसकी शुरुआत सीआईडी (1956) और काला पानी (1957) से साथ-साथ हुई थी। दोनों में देव आनंद हीरो। राजजी कहानी का तानाबाना बुनने में माहिर थे, जिसमें दर्शकों को शुरुआत से ही संभावित रहस्य का संकेत दिया गया हो, पर जब तक अंतिम ट्वीस्ट न आए तब तक यह न कहा जा सके कि यह तो मुझे पहले से ही पता था।

मेरा साया राजघराने के एक ऐसे वंशज ठाकुर राकेश सिंह (सुनील दत्त) की कहानी थी, जो गीता (साधना) नाम की युवती के साथ विवाह कर के वकालत पढ़ने के लिए लंदन जाता है। एक साल बाद पत्नी की बीमारी का समाचार पा कर राकेश वापस आता है और उसकी गोद में गीता दम तोड़ देती है।

पत्नी के गम से राकेश बाहर आता, तभी एक पुलिस इंसपेक्टर आ कर उससे कहता है कि उसने रैना नाम की एक डाकू को पकड़ा है, जो दावा करती है कि वह राकेश की पत्नी है। हूबहू गीता जैसी लड़की देख कर राकेश भी भ्रम में पड़ जाता है, यहां तक कि वह राकेश के साथ बिताए अंतरंग क्षणों को भी बताती है। राकेश को गीता के साथ बिताए दिनों की याद आ जाती है। खोसला ने फ्लैशबैक टेक्निक का उपयोग कर के गीता और राकेश के रोमांस को दिखाया था।

इंटरवल के बाद फिल्म नाट्यात्मक बनती है। राकेश को शक होता है कि उनके साथ कोई खेल खेला जा रहा है। गीता-रैना का मामला कोर्ट में जाता है। वकील होने के नाते राकेश ही रैना से उल्टेसीधे सवाल करता है और सभी के आश्चर्य के बीच रैना सही जवाब देती है। इस सवाल-जवाब से थक कर रैना बीमार हो जाती है और उसे पागलखाने में भर्ती करा दिया जाता है। वह वहां से भाग कर राकेश के घर आ जाती है और सब कुछ सचसच बता देती है।

गीता की एक बहन निशा थी, जो मां की तरह डाकू थी। गीता ने यह बात छुपा कर राकेश के साथ विवाह किया था। एक दिन निशा दयनीय हालत में एक रात के लिए आसरा लेने के लिए गीता के पास आती है। गीता उसके लिए दवा लेने के लिए बाहर जाती है, घर में किसी को शक न हो, इसके लिए निशा को अपने कपड़े और मंगलसूत्र पहना देती है।

गीता बाहर निकलती है तो निशा का पति डाकू सूर्यवर/रणजीत (प्रेम चोपड़ा) उसे निशा समझ कर उठा ले जाते हैं। अब निशा राकेश के घर में गीता बन कर रह जाती है और राकेश वापस आता है तो उसकी गोद में दम तोड़ती है। दूसरी ओर पुलिस रणजीत और गीता को पकड़ती है तो गीता यह साबित करने की कोशिश करती है कि वह निशा नहीं गीता है। अंत में रणजीत भी राकेश के पास आ कर कबूल करता है कि उसने निशा समझ कर गीता का अपहरण किया था।

जैसा ऊपर बताया है कि साधना ने राज खोसला के साथ तीन फिल्मों में काम किया था और तीनों ही फिल्में यादगार साबित हुई थीं। इसमें राज खोसला की कहानी कहने की टेक्निक को पूरे नंबर देने होंगे, पर दूसरा एक कारण साधना खुद थीं। साधना का चेहरे (खास कर आंखें) पर एक प्रकार का रहस्य का भाव रहता था। दुख का भाव हो या सुख का, साधना आंखों से अभिनय करती थीं। रील लाइफ और रियल लाइफ में भी उनका व्यवहार ऐसा रहता था कि लोगों को उनके बारे में जानने की उत्सुकता रहती थी। कहा भी जाता है कि जो रहस्यमय होता है उसका आकर्षण विशेष होता है। साधना के व्यक्तित्व में ऐसे असमंजस और मासूमियत का मिश्रण था, जो सस्पेंस फिल्म के पात्र के लिए एकदम फिट बैठता था। राजजी की इन तीनों फिल्मों में साधना की मंद-मंद मुस्कान मोनालिसा की पेंटिंग के साथ जोड़ी गई थी।

फिल्म मेरा साया में उनकी दोनों भूमिकाएं परस्पर विरोधी थीं। एक ओर समृद्ध वकील की पत्नी गीता के रूप में वह मासूमियत के प्रतीकसमान थीं और दूसरी ओर निशा के रूप में निर्लज्ज डाकू थीं। वह कौन थी? की तरह हो मेरा साया को साधना ने अकेले हाथों से उठा लिया था। यह वह समय था, जब हिंदी फिल्मों में हीरोइनें शोभा के प्रतीक के रूप में सुंदर बन कर लोगों की नजरों को खींचने का करती थीं और कहानी का असली माल हीरो के हिस्से में जाता। साधना तब हीरो जैसी थीं। राज खोसला जैसे निर्देशकों ने मात्र साधना को ध्यान में रख कर फिल्में बनाई थीं और मनोज कुमार और उसी तरह सुनील दत्त जैसे बड़े हीरो साइड में रहना मंजूर करते थे। जबकि मेरा साया के लिए कहना होगा कि एक ओर पत्नी को खोने वाले और दूसरी ओर गीता बन कर निशा के आगमन से भ्रमित हुए राकेश की भूमिका में सुनील दत्त एकदम फिट थे। दत्त का चेहरा भोलेपन वाला था और राकेश की भूमिका भी ले दे कर बेवकूफ बनने वाली थी। सस्पेंस वाली फिल्मों में इसी तरह दिखाई देने की जरूरत होती है।

मेरा साया का दूसरा अहम पहलू उसका संगीत था। आशा भोसले की आवाज में इसका झुमका गिरा रे... गाना लोकप्रिय हुआ ही था, परंतु संगीतकार मदन मोहन और गीतकार राजा मेहंदी अली खान की जुगलबंदी से लता मंगेशकर का टाइटल गीत, तू जहां जहां चलेगा, मेरा साया साथ होगा... भी सदाबहार साबित हुआ था। फिल्म में यह गाना दो बार आया है। एक में तो सुख के दिनों का गाना है और दूसरे में दुखभरी यादों का गाना है।

राग नंद अथवा राग आनंद कल्याण आधारित यह गाना लताजी के सर्वश्रेष्ठ गानों में शामिल है। लताजी ने देश या विदेश जहां भी कॉंसर्ट किया, इस गाने की फर्माइश जरूर होती थी। सचिन तेंदुलकर के लिए मुंबई में आयोजित एक कार्यक्रम में मास्टर ब्लास्टर ने खुद इस गाने को गाने के लिए लताजी से आग्रह किया था।

मात्र दो ही दशक के कैरियर के दौरान राजा मेहंदी अली खान ने मदन मोहन के साथ मिल कर अद्भुत गाने दिए हैं। जैसे कि आप की नजरों ने समझा... (अनपढ़, 1962), लग जा गले से फिर... और नैना बरसे रिमझिम...(वह कौन थी?, 1962), एक हसीन शाम को... (दुल्हन एक रात की, 1966) और यही है तमन्ना...(आप की परछाइयां, 1964) आज भी उतने ही प्रेम से सुने और गाए जाते हैं।

वीरेंद्र बहादुर सिंह
नोएडा
उत्तरप्रदेश

कहाँ है समानता

महिलाएं समाज का अभिन्न अंग है, जिसके बगैर घर परिवार समाज की कल्पना करना मुश्किल है। एक साथ कितनी भूमिकाएं निभाने वाली और हर विपरीत परिस्थितियों के सामने सीना तान कर लड़ने वाली नारी को आज भी उसका सही स्थान देने में समाज हिचकिचाता है। सालों पहले जब महिलाओं को वोट देने का अधिकार नहीं था तब महिलाओं ने समान हक पाने का संघर्ष करते अधिकार पाया था, तब से 26 अगस्त को हम वूमेन इक्वालिटी दिवस मनाते तो है। पर क्या आज भी स्त्रियों को समान हक मिलते है? आज भी 50 प्रतिशत महिलाओं को अपने हक की लडाई लड़नी पड़ रही है।

लगातार चलने वाले संघर्ष का परिणाम स्त्रियों को मिला ज़रूर है पर किश्तों में। धीरे-धीरे नारी अपने अधिकारों की एक कड़ी दूसरे से जोड़ कर आगे बढ़ रही है और सबल बनने और बने रहने की सतत प्रक्रिया में क्रियाशील है।

क्या मिलती है हर बेटी को अपनी इच्छा के अनुसार पढ़ने की आज़ादी, अपनी मन मर्ज़ी की नौकरी या व्यापार करने की आज़ादी, अपने मन का खाने या पहनने की आज़ादी? नहीं यह सारे निर्णय आज भी कई घरों में पिता, भाई, पति या ससुर ही लेते है। कहाँ है इक्वालिटी? हमने अपनी बेटी को पूरी आज़ादी दी है यह वाक्य हम अक्सर सुनते हैं। लड़की अगर एक वक़्त अपनी मर्ज़ी का खाना खा ले या किसी दोस्त से मिलने चली जाए या फिर अपना कॉलेज या करियर अपने मन से चुन ले तो परिवार अपने आप को आज़ाद ख़्याल बताता है। वहीं दूसरी तरफ़ अगर बेटी को तय समय के हिसाब से घर लौटने में थोड़ी देर हो जाए या अपनी मर्ज़ी से चुनी हुई पढ़ाई में नंबर कम आ जाएँ तो यही वाक्य, ज़्यादा आज़ादी दे दी तुम्हें इसी का नतीजा है में बदल जाता है। घर के काम और खाना बनाना जैसे काम घर में बेटे और बेटी को बराबर से सिखाए जाने चाहिए। खाना बनाना और घर संभालना पुरुष और स्त्री का बराबर से उत्तरदायित्व होना चाहिए। किसी भी नौकरी या व्यापार को जेंडर के हिसाब न बांटा जाए। महिलाओं को अपना करियर किस क्षेत्र में चुनना है ये उनका ही फैसला होना चाहिए। तब कहा जाएगा कि समाज में इक्वालिटी है। लड़कियों के लिए माहौल सुरक्षित नहीं तो उसे सुरक्षित बनाना चाहिए न कि उनके जीवन को प्रभावित किया जाना चाहिए। ऑफ़िस के काम, किसी पार्टी या इमरजेंसी में देर रात घर से बाहर रहना पड़ जाए तो डरे बिना महिला घर वापस लौट सके उसे इक्वालिटी कहते है। हर क्षेत्र में काम करने वाली प्रगतिशील महिला को चरित्रहीन न समझा जाए बस इस बात की आज़ादी चाहिए। लड़की का जन्म शादी और बच्चे पैदा करके किसी का घर संसार बसाने के लिए हुआ है, इस मानसिकता से मुक्ति दिलाईये तभी इक्वालिटी का ब्युगुल बजाईये। पढ़-लिखकर और करियर बनाकर भी चूल्हा-चौका ही तो संभालना ही है, इस सोच से आज़ादी मिलेगी तब इक्वालिटी दिखेगी। और इक्वालिटी कि सबसे बड़ी तौहिन ये है कि लड़कियों की परवरिश इतना नाप-तौल के साथ की जाती है कि वे फिर जीवन भर अपने हर कदम पर डरती है। क्यों बेटे बेटी में फ़र्क करता है समाज? परिवार के बेटों की तरह बेटी भी बेफ़िक्री और थोड़ी सी लापरवाह क्यों नहीं हो सकती? बेटियों को हर बात पर बंधन क्यूँ।

बेटी के कंधों पर मान-मर्यादा, ममत्व, सहनशीलता, त्याग और समझौते का बोझ न डालें। बेटी को भी उसका सही गलत चुनने का समान अधिकार दें। उसे उसके हिस्से की गलतियाँ करने दीजिए। विशाल फ़लक की वो भी हकदार है।

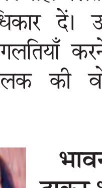

भावना ठाकर,भावु
बेंगुलूरु,
कर्नाटक

रक्षा का संकल्प

इस पावन अवसर पर रक्षा का हम लें अपना प्रण ।
रेशम के धागे को धागा नहीं मान लें अपना भीष्म प्रण ।।
भाई को अपने बहनों की रक्षा तो करनी है।
देश के अन्य लाखों बहनों की भी रक्षा उनको करनी है ।।
मैं तो कहता हूँ बहन ही क्यों हर माँ बेटी बहन सुरक्षित हो ।
जब चाहे जो करें एक मर्यादा से बंधी हो ।।
रक्षा का यह फॉर्मूला समानता से अंकित हो ।
वैल्यू चाहे वेरिएबल हो पर रिजल्ट एक कांस्टेंट हो ।।
रक्षा हो गौ माता का कत्लखाना जाने से
पुनः पूजित होकर भारत का मान बढ़ने से ।।
रक्षा हो व्यर्थ जल का नदी-नाले संरक्षित हो ।
यह केवल एक का नहीं यह जन जन में प्रचलित हो ।।
गंगा यमुना आदि नदियां
साफ और सुरक्षित हो ।
साफ सफाई के अभियान में ना किसी का अंगूल हो ।।
सहयोग और कर्मठता से भारत रक्षित हो जाएगा
एक एक ग्यारह बनकर कृति नया बनाएगा ।।
सीमा पर सुरक्षित हो वह जांबाज ।
जिनके पीछे उनका कुटुम्ब समाज ।।
वह तो गोली गोला लेकर सीमा पर है तैयार।
भारत की रक्षा की खातिर
उनका जीवन है तैयार ।।
रक्षित हो देश का कानून घुसपैठ की जगह न हो ।
देश के गद्दारों का चौराहे पर अंत हो
ईश्वर से यही प्रार्थना
अपना भारत रक्षित हो
फिर विश्व गुरु बनने की दिशा में
अपना भारत अग्रसित हो ।।

कमलेश झा
भागलपुर
बिहार

सफल हुआ अभियान

दृढ़ निश्चय विश्वास से,
सफल हुआ अभियान।
पहुँच गया है चांद पर,
प्यारा भारत यान।
सफल हुआ अभियान है,
इसरो को है मान।
विश्व पटल पर बढ़ गई,
भारत मां की शान।
सफल हुआ अभियान है,
गद गद भारत देश।
वतन किसी से कम नहीं,
आज दिया संदेश।
सारे जग में हो रही,
भारत की जयकार।
सफल हुआ अभियान है ,
इसरो का आभार।
कर्म किया है फल मिला,
कर्म साधना मूल।
सफल हुआ अभियान है,
वैरी करे कबूल।
चंदा मामा दूर के,
पहुँच गये हम पास।
चंदा के दीदार की ,
पूरी कर दी आस।
अब सुहागिन चांद पर,
करे सोलह श्रृंगार।
पति देव कर सामने ,
ले आरती उतार।
सूर्य शुक्र तक पहुँचना ,
हुआ अक्स तैयार।
लक्ष्य भेदने है हमें ,
सोच लिया इस बार।

शिव सन्याल
मकड़ाहन
ज्वाली कांगड़ा
हिमाचलप्रदेश

भाई बहन का प्यार है राखी

एक-दूजे के संग-संग खेले
बचपने मे दोनों खूब लड़े
अगले पल फिर करे प्यार
ऐसा है भाई बहन का प्यार
एक-दूजे की शिकायत करते
सुरक्षा हित माँ से भी लड़ते
दीदी देती सदा माँ सा प्यार
ऐसा है भाई बहन का प्यार
मातृत्व के दो-दो स्वरूप है
भाई-बहन माँ के दो रूप है
आपस मे लुटाते सदा प्यार
ऐसा है भाई बहन का प्यार
एक दूजे से प्रेम का बंधन है
जीवन भर का ये आबंधन है
प्रेम की सदा रहें अब दरकार
ऐसा है भाई बहन का प्यार
जीवन का सब प्रेम छुपा है
बहनों का तो स्नेह छुपा है
राखी रेशम का नहीं है तार
ऐसा है भाई बहन का प्यार

प्रमेशदीप मानिकपुरी
धमतरी
छत्तीसगढ़

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

डीएम के खिलाफ राइस मिल संचालक की शिकायत...शिकायत के बाद राइस मिलर का अटका काम हुआ बहाल...जिसके बाद मिलर ने जारी कर दिया माफी नामा

» मिलर ने झूठी शिकायत की या फिर उसकी शिकायत से डर कर डीएम ने उसका अटका कम बहाल कर दिया?

» संबंधित अधिकारी ने मिलर के चावल को निम्न स्तर बात कर लेने से किया था इंकार... शिकायत के बाद क्या मिलर का चावल हो गया उच्च स्तर का?

» मिलर और डीएम हुए एक...डीएम के शर्तों पर राइस मिलर की छः ट्रक चावल हुआ हुआ बहाल...मिलर के चावल के ट्रक विभाग ने कराया खाली

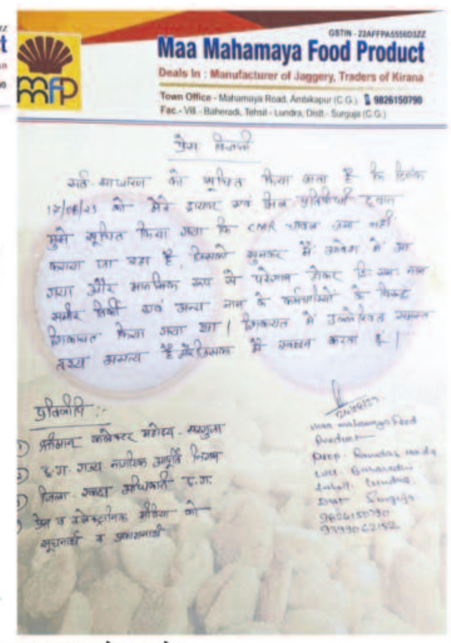

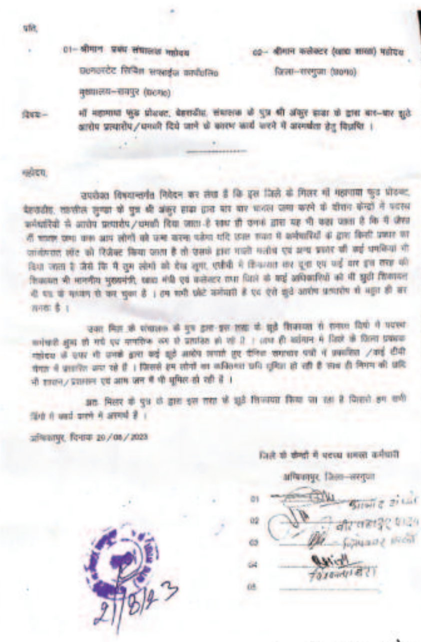

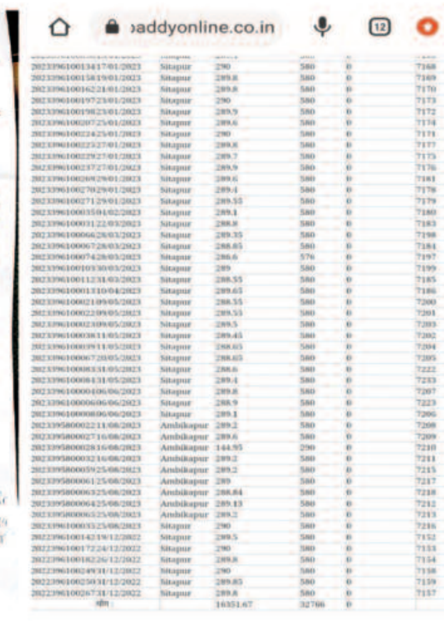

- भूपेन्द्र सिंह-
अंबिकापर, 26 अगस्त 2023 (घटती-घटना)।

सरगुजा में एक नया ही मामला सामने आया है जहां अंबिकापुर सीतापुर के राइस मिलर ने संबंधित विभाग पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा था कि 6 ट्रक चावल को भेजा गया था पर निम्न स्तर के बताकर उसे लेने से इनकार कर दिया गया और मुझे परेशान करते हुए चावल खाली कराने के एवज में पैसे की मांग की गई, यह शिकायत मिलर ने मुख्यमंत्री सहित संबंधित अधिकारियों को की थी, इसके बाद मिलर के चावल के ट्रक को वहीं विभाग खाली कर लिया जो उसे निम्न स्तर का बता रहा था और खाली होने के बाद मिलर ने माफी नाम भी जारी करके शिकायत का खंडन भी कर दिया, अब ऐसे में सवाल यह उठता है की मिलर सही में निम्न स्तर का चावल देकर लाभ कमाना चाह रहा था? और वही अधिकारी निम्न स्तर का चावल बता कर लेना नहीं चाह रहे थे फिर ऐसा क्या हुआ कि निम्न स्तर का चावल उच्च स्तर का हो गया और अधिकारी उसे ले भी लिए? यह शिकायत का असर था या फिर कुछ और सूत्रों का कहना है कि यह शिकायत मिलर ने अधिकारियों पर दबाव बनाने के लिए किया और उसमें वह सफल भी हो गया, जब उनका काम हो गया तो अधिकारियों के खिलाफ किए गए शिकायत का उन्होंने खण्डन भी कर दिया। बताया जा रहा है कि संबंधित अधिकारी व मिलर के बीच समझौता हुआ, इसके बाद यह सब पूरी खिचड़ी पक्की। राइस मिलर अधिकारी को दबाने में सफल हो गए और अपना 6 ट्रक निम्न स्तर चावल का खाली कर लिया, वही अधिकारी भी कार्यवाही होने से बचने के लिए मिलर से सौदा कर लिया और कहा कि आप शिकायत का खंडन कीजिए तो हम आपका चावल ले लेंगे। कुल मिलाकर देखा जाए तो राइस मिल संचालक और अधिकारी के बीच समझौते ने पूरे मामले का पटाक्षेप कर दिया। इस मामले से पर्दा उठाने के लिए इसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए कि अधिकारी सही थे या फिर राइस मिलर? यदि चावल की जांच बाहर के अधिकारियों से कर दी जाए तो पूरा मामला साफ हो जाएगा, यदि चावल वाकई में निम्न स्तर का होगा तो अधिकारी अपने जगह सही है और यदि चावल उच्च स्तर का था और अधिकारी बेवजह राइस मिलर को परेशान कर रहे थे तो उनपर कार्यवाही होनी चाहीए, पर यदि राइस मिलर अपने निम्न स्तर के चावल को अधिकारियों पर दबाव बनाकर देना चाह रहे थे तो उनपर भी कार्यवाही होनी चाहिए, इस निष्पक्ष जांच में जो भी दोषी हो उसे पर कार्यवाही होनी चाहिए। क्योंकि मिलर ने भी संबंधित अधिकारी पर बड़ा आरोप लगाया है और उसे आरोप की सच्चाई भी सामने आनी चाहिए।

यह थी मिलर की शिकायत

ज्ञात हो की डीएम की कार्यप्रणाली से परेशान राईस मिल संचालक ने मुख्यमंत्री के बाद छग स्टेस सिविल स्पाईस कोर्पोरेशन मुख्यालय रायपुर को पत्र लिख कर मामले की शिकायत की है। राईस मिल संचालक रामदास हांडा ने डीएम समीर तिर्की पर आरोप लगाया है कि मेरा चावल खाली नही करवाया जा रहा है, आवेदन के बाद मेरा चावल खाली करवा लिया गया और क्वालिटी चेक भी कर लिया गया, और साथ ही जिस गोदाम में मेरा चावल खाली हुआ था, उस गोदाम में 17 से लेकर 21 अगस्त तक और भी लोगों का चावल खाली हुआ और सभी लोगों का चावल का पेपर बना दिया गया पर 17 अगस्त को जिस गाड़ी से मेरा माल खाली हुआ उसका लॉट क्र-7215, 18.08.2023 को लाट क्र-7213, और 7212 और कुछ लॉट जो मेरी अभी तक पेंडिंग है। उसका क्र- 7216, 7217, 7214, 7218, और मेरे द्वारा 21 अगस्त को भी दो लाट चावल लॉट क्र-7219,7220, भेजी गई थी जिसे खाली नहीं करवाया गया, लेकिन आज एक राईस मिलर द्वारा चावल की गाड़ी भेजी गई, उसको खाली करवा लिया गया और मेरे ड्राईवर द्वारा जब गोदाम के मुंशी को पुछा गया मेरी गाड़ी क्यों नहीं खाली करवा रहे हो तो उनके द्वारा जवाब मिला कि क्वालिटी इंस्पेक्टर आजाद टोप्पो और दिलेश्वर तिर्की एवं डीएम साहब शसमीर तिर्की द्वारा मना किया गया है।

राइस मिलर का था आरोप पैसा नहीं दिए जाने के कारण किया जा रहा परेशान

अन्य राईस मिलर के चावल के उनका पेपर भी बना लिया गया है। मेरा पेपर इसलिये नहीं बनया गया कि इनके द्वारा बार-बार पैसे की मांग की जा रही थी जैसा कि मैंरे पूर्व के आवेदन पत्र में बताया था कि डीएम द्वारा मुझसे 5000 रू प्रति लॉट का पैसा मांगा जा रहा है और मैंने पूर्व में पैसा दिया है। उसका साक्ष्य मेरे पास है। अब मेरे द्वारा पैसा नही दिये जाने पर मुझे परेशान किया जा रहा है।

राईस मिलर जबतक देते रहे पैसा तब तक होता रहा काम

राइस मिल संचालक रामदास हाड़ा ने आरोप लागते हुए कहा की पूर्व में भी चावल खाली करने के नामपर डीएम को रुपए देने का जिक्र किया है। उन्होंने आरोप लगाया है की 6 मार्च 2023 को 3,34,780 रुपए दूसरी बार 11 अप्रैल 2023 को 75,691 रुपए तीसरी बार 5 मई 2023 को 11,955 रुपए डीएम और मलिटी इंस्पेक्टर को दिया है। राइस मिल संचालक रामदास हांडा ने आरोप लगाया है कि अब मैं रुपए देने में समर्थ हूं इसलिए मुझे परेशान किया जा रहा है।

जिले के केन्द्रों में पदस्थ समस्त कर्मचारी ने मिलर के पुत्र की शिकायत को बताया झूठा

जिले के केन्द्रों में पदस्थ समस्त कर्मचारी ने प्रबंध संचालक,कलेक्टर (खाद्य शाखा) सरगुजा व छ.ग. स्टेट सिविल सप्लाईज कार्पो0लि0 मुख्यालय रायपुर को शिकायत कर बताया की जिले के मिलर माँ महामाया फुड प्रोडक्ट, बेहराडीह, तहसील लुण्डा के पुत्र अंकुर हाड़ा द्वारा बार बार चावल जमा करने के दौरान केन्द्रों में पदस्थ कर्मचारियों से आरोप प्रत्यारोप / धमकी दिया जाता है साथ ही उनके द्वारा यह भी कहा जाता है कि मैं जैसा भी चावल जमा करूं आप लोगों को जमा करना पड़ेगा, यदि उक्त संबंध में कर्मचारियों के द्वारा किसी प्रकार का जांचोपरात लॉट को रिजेक्ट किया जाता है तो उसके द्वारा गाली गलीच एवं अन्य प्रकार की कई धमकियां भी दिया जाता है जैसे कि मैं तुम लोगों को देख लूंगा, एसीबी में शिकायत कर दूंगा एवं कई बार इस तरह की शिकायत भी मुख्यमंत्री, खाद्य मंत्री एवं कलेक्टर तथा जिले के कई अधिकारियों को भी झूठी शिकायत पत्र के माध्यम से कर चुका है। हम सभी छोटे कर्मचारी है एवं ऐसे झूठे आरोप प्रत्यारोप से बहुत डर लगता है। मिलर के संचालक के पुत्र द्वारा इस तरह के झूठे शिकायत से समस्त डिपो में पदस्थ कर्मचारी क्षुध हो गये एवं मानसिक रूप से प्रताडित हो रहे है। साथ ही वर्तमान में जिले के जिला प्रबंधक के उपर भी उनके द्वारा कई झूठे आरोप लगाते हुए दैनिक समाचार पत्रों में प्रकाशित / कई टीवी चैनल में प्रसारित करा रहे हैं। जिससे हम लोगों का व्यक्तिगत छवि धूमिल हो रही है साथ ही निगम की छवि भी शासन / प्रशासन एवं आम जन में भी धूमिल हो रही है।

पैलेस के पास कुएं में महिला-पुरुष की औंधे मुंह पड़ी मिली लाश

- संवाददाता -
अंबिकापुर,26 अगस्त 2023 (घटती-घटना)।

सरगुजा पैलेस व कोठीघर की दीवार से लगे कुएं में शनिवार की शाम महिला-पुरुष की लाश मिलने से सनसनी फैल गई है। आस-पास के लोगों ने लाश देख कोतवाली पुलिस को मामले की सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को निकालने की प्रक्रिया शुरु की। घटनास्थल के पास ही रहने वाले लोगों का कहना है कि दोनों कचरा व कबाड़ बीनकर जीवन-यापन कर रहे थे। शराब के नशे में विवाद के बाद दोनों के कुएं में कूदने या गिरने की संभावना जताई जा रही है।

घटनास्थल के आस-पास रहने वाले लोगों का कहना है कि मृत महिला-पुरुष शहर में घूम-घूमकर कचरा व कबाड़ बीनते थे। दोनों पैलेस के आस-पास ही झाला (झोपड़ी) में रहते थे। अक्सर शराब के नशे में दोनों विवाद करते रहते थे। दोनों कहां के रहने वाले हैं तथा क्या नाम है, इसका पता नहीं चल सका है। संभावना जताई जा रही है कि शुक्रवार की रात दोनों शराब के नशे में विवाद करने के दौरान गिर या कूद गए होंगे। गौरतलब है कि इस घटना के 2 महीने पूर्व भी कबाड़ बीनने वाली एक महिला का शव कबाड़ बीनने वाले 2 युवकों ने पुराना बस स्टैंड स्थित दुकान के पास रखा था।

लड़े हैं...जीते हैं...कार्यक्रम में सम्मानित हुए सरगुजा के कोरोना वारियर्स

- संवाददाता -
अंबिकापुर,26 अगस्त 2023 (घटती-घटना)।

अंबिकापुर के पीजी कॉलेज ऑडिटोरियम में 'लड़े हैं जीते हैं' कार्यक्रम संपन्न हुआ। रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में सरगुजा के कोरोना वारियर्स को सम्मानित किया गया। उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव जी ने दीप प्रज्वलित कर इस कार्यक्रम की शुरूआत की। उन्होंने 'लड़े हैं जीते हैं' के मंच से सरगुजा जिले के कोरोना वारियर्स को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया। इस कार्यक्रम में कोरोना काल में उत्कृष्ट योगदान के लिए 1000 से अधिक कोरोना वारियर्स को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। पुरस्कृतों में कई ऐसे थे जिन्होंने व्यक्तिगत रूप से ज़रूरतमंदों की सहायता की। साथ ही वो भी थे जिन्होंने एक समूह के रूप कोरोना से लडने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

पुरस्कार पाने वालो में मितानिनें, मरीज़ों की सेवा करने वाले निजी अस्पताल, इंडियन मेडिकल एसोसिएशन और मीडिया कर्मी शामिल हैं। इनके साथ-साथ नर्स, आरएचओ, पुलिस कर्मियों, ऑक्सीजन की आपूर्ति में योगदान देने वाले एनजीओ को सम्मानित किया गया। कई लैब टेक्नीशियन ने इस दौरान संक्रमित लोगों की पहचान हेतु जांच में महत्वपूर्ण योगदान दिया। फील्ड स्टाफ द्वारा सरगुजा जिले में कंटेनमेंट ज़ोन की पहचान और दवा का किट वितरण करने में योगदान दिया गया। लड़े हैं जीते हैं कार्यक्रम में इन्हें भी रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा सम्मानित किया गया।

इस कार्यक्रम में कोरोना वारियर्स के योगदान को चित्रित करते थीम गीत को लॉन्च किया गया। पैनल डिस्कशन और जन संवाद कार्यक्रम के दौरान शहर के गणमान्य नागरिकों ने कोरोना काल में अपना अनुभव साझा किया। साथ उपस्थित आमजनों ने भी कोरोना वारियर्स के योगदान पर अपनी बात पर कही और शंका के निवारण हेतु सवाल भी किए।इस दौरान उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव को कोरोना वारियर्स के रूप में सम्मानित किया गया। उन्हें सम्मानित करते हुए जिला स्वास्थ्य और चिकित्सा अधिकारी पीएस सिसोदिया ने कहा कि बतौर स्वास्थ्य मंत्री कोविड काल में उनका योगदान अतुलनीय था। कार्यक्रम के आखिर में ड्यूटी के दौरान संक्रमण से मृत कोरोना वारियर्स को मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम के दौरान मंच पर डॉ प्रीतम राम, औषधीय पादप बोर्ड के अध्यक्ष श्री बालकृष्ण पाठक, जेपी श्रीवास्तव, द्वितेंद्र मिश्र, राकेश गुप्ता, डॉ आर्या, डॉ आरएन गुप्ता, डॉ जे के रेलवानी मौजूद थे। कार्यक्रम के दौरान शहर के गणमान्य नागरिक भी बड़ी संख्या में मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ अमीन फिरदौसी ने किया।

कोविड की विभीषिका का पहले ही अनुमान लगा लिया था

इस कार्यक्रम के दौरान उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव को कोविड काल की स्मृतियों पर बोलने के लिये निवेदन किया गया था। बतौर स्वास्थ्य मंत्री कोविड काल के अनुभवों पर उन्होंने बडी ही गहराई से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि सत्ता सम्हालने के महज 1 वर्ष के भीतर ही चीन से आ रही इस बडी आफत को उन्होंने भांप लिया था। उन्होंने जानकारी दी कि 18 मार्च 2020 को जब छत्तीसगढ में कोविड का पहला केस आया था उसके तीन चार माह पूर्व ही उन्होंने विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक कर इस बिमारी से निपटने के लिये एक आधारभूत चिकित्सीय ढांचे का निर्माण कर लिया था। इसी कारण छत्तीसगढ में कोविड के शुरुआती दौर में जब कम केस आ रहे थे तब रायपुर में कोविड नियंत्रण के लिये बने अस्पताल में लोगों का इलाज किया। इस दौरान विभिन्न जिलों के जिला अस्पतालों में भी तेजी से कोविड चिकित्सा इकाईयों का गठन किया गया। अम्बिकापुर के कोविड वार्ड का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि जब अम्बिकापुर में कोविड का पहला मामला आया तब स्वास्थ्य विभाग सशंकित था कि मरीज का इलाज अम्बिकापुर में किया जाये या उसे रायपुर लाया जाये। तब मैंने अम्बिकापुर की मेडिकल टीम पर भरोषा करते हुए मरीज का इलाज अम्बिकापुर के कोविड सेंटर में कराने का निर्णय लिया। सरगुजा के पहले कोविड मरीज का सफलतापूर्वक अम्बिकापुर के कोविड सेंटर में इलाज हुआ और इसके बाद अम्बिकापुर के कोविड सेंटर के साथ ही विभिन्न अस्पतालों में हजारो मरीजों का इलाज किया गया। अपने 45 मिनट के उद्बोधन में उन्होंने कहा कि जहां कोविड के नकारात्मक पक्ष की बहुतायत है वहीं इसके कई सकारात्मक परिणाम भी सामने आये। कोविड बिमारी के प्रबंधन में समूचे छत्तीसगढ में चिकित्सा क्षेत्र के आधारभूत ढांचे में अभूतपूर्व बढोत्तरी हुई है। सैकडों आईसीयू बेड तैयार हुए हैं। सभी प्रमुख सरकारी अस्पतालों में ऑक्सीजन प्लांट स्थापित हुए हैं। कोविड के दौरान चेस्ट स्केन की सुविधा स्थापित करने के लिये सभी जिला चिकित्सालयों में सिटी स्केन मशीन लगाया गया, जो आज दूसरी व्याधियों के लिये उपयोग में आ रहा है। कोविडकाल में पूरे देश में मात्र पुणे में कोविड का वॉयरोलॉजी लैब था। आज अकेले छत्तीसगढ में ऐसे लैब की संख्या 14 से अधिक है। कोविडकॉल में छत्तीसगढ के कटघोरा में जो प्रथम व्यापक संक्रमण का फैलाव हुआ था पर एक रोचक प्रसंग का उन्होंने जिक्र किया। उन्होंने कहा कि जब कटघोरा में एक साथ कई केस आये तब कोविड के लिये तैयार अमले में इसका सामना करने में कुछ हिचक-कुछ भय को मैंने देखा जो कि मानव स्वभाव के अनुसार स्वभाविक था। तब मैंने तय किया कि मै स्वयं वहां जाउंगा। उस वक्त मेरी आयु 68 वर्ष की थी। मेरे उत्साह को देख मेरी तब की स्वास्थ्य सचिव ने मुझे झिडकी दी और कहा कि मेरी आयु के मुताबिक यह सही नहीं है। लेकिन मेरे वहां जाने के उत्साह ने कोविड अमले में सक्रीयता ला दी। उन्होंने बताया कि कोविड वार रुम उनके बंगले के बगल में रेस्ट हाउस में बना था। इस वार रुम में निरंतर ऐसे लोगों का आनाजाना था जो सीधे कोविड के इलाज प्रक्रिया से जुडे हुए थे। इस वजह से स्टाफ के 60-70 लोग संक्रमित हो गये। मुझे स्वयं भी 3 बार कोविड संक्रमण हुआ। इतने संक्रमण के बावजूद भी स्टाफ ने कोविड काल में बेहद सक्रीयता से काम किया जिसके कारण मुझे अपने स्टाफ पर गर्व है। उन्होंने जानकारी दी कि आज तक कोविड की बीमारी का कोई सटीक इलाज सामने नहीं आया है। कोविड के तीन दौर में प्रदेश में 14190 मौतों का उन्होंने जिक्र किया। जिसमें सर्वाधिक मौतें वर्ष 2021 में कोविड के दूसरे दौर में मार्च से मई के बीच हुई जो 9000 से अधिक थी। उन्होंने कहा कि मौतों को देख हताश हो जाता था। कोई दिशा नहीं थी। विशेषज्ञों की अलग-अलग राय के बिच हमें नितियों का निर्धारण करना पडता था जो कि किसी अंधे कुॅए में झांकने के समान था। कोविड का न तो कल कोई इलाज था न आज है। इलाज के नाम पर एक शून्य है जिसमें जाकर लडकर हमने कोविड पर जीत दर्ज की है।

मजदूरों को बंधक बनाकर मारपीट करने का आरोप

आदिवासी बहुल्य क्षेत्र के भोले-भाले बालिक-नाबालिक मजदूरों को मारपीट कर बंधक बनाकर यातनायें देने का आरोप मजदूरों द्वारा जल जीवन मिशन के (पी एच ई) ठेकेदार के ऊपर लगाया

» वहीं ठेकेदार के चंगुल से मजदूर पैदल भूखे-प्यासे अपने घर वापसी के दौरान लखनपुर पहुँचने पर उनकी हालत देख कर जनप्रतिनिधियों द्वारा मजदूरों को भोजन पानी तथा घर भिजवाने की व्यवस्था की गई...

- मनोज कुमार -
लखनपुर 26 अगस्त 2023 (घटती-घटना)।

लखनपुर विकासखंड के दूरस्थ आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र ग्राम पंचायत लब्जी के भोले भाले आदिवासी जनजाति के युवा एवं नाबालिक मजदूरों को बहला फुसलाकर एक व्यक्ति द्वारा व्यक्ति अम्बिकापुर ब्लाक अंतर्गत ग्राम पंचायत सखोली मैं कृषि कार्य टमाटर की खेती के संबंध में मजदूरों को विगत एक सप्ताह पूर्व यहां से अपनी वाहन में ले जाया गया था परंतु ग्राम लब्जी के मजदूरों जिनका आरोप है नाम क्रमशः रोहित मंझवार ,बलराम मंझवार,महेश मंझवार ,पुनिया मंझवार,सोनमती मंझवार,सुनीता मंझवार,पारष मंझवार,बाल कुमार मंझवार, रामु मंझवार, का यह आरोप है कि पीएचई विभाग का ठेकेदार द्वारा हम लोगों को पीएचई विभाग के जल जीवन मिशन के ठेकेदार के द्वारा जबरन कार्य कराया जा रहा था जबकि हम लोगों के द्वारा कृषि कार्य टमाटर की खेती के संबंध में मजदूरी करने के नाम पर लाया गया था मजदूरों द्वारा उक्त कार्य के विरोध करने पर बालिक- नाबालिक मजदूरों को लगभग चार से पांच दिन तक बंधक बना के रखा और उनके साथ मारपीट कर कई बार आदिवासी मजदूरों को यातनाएं दि गई उक्त आरोप मजदूरों के द्वारा लगाया जा रहा है

तथा आज दिन शनिवार को सुबह लगभग 7ः00 बजे मजदूरों के द्वारा भूखे प्यासे पैदल अपने घर ग्राम लब्जी जा रहे तो उसी दरमियान लखनपुर के जनप्रतिनिधि विजय अग्रवाल पूर्व जनपद उपाध्यक्ष नीरज अग्रवाल यतेंद्र पांडे कृपा शंकर गुप्ता सहित अन्य लखनपुर वासियों द्वारा मजदूरों की हालत देखकर पूछे जाने पर आप बीती बात बताइ जिस पर लखनपुर के जनप्रतिनिधियों द्वारा उक्त मजदूरों को नाश्ता -पानी तथा घर तक पहुंचाने की व्यवस्था की गई।

लखनपुर क्षेत्र के आदिवासी मजदूरों के द्वारा यह भी बताया गया कि कल रविवार को नजदीकी पुलिस चौकी कुन्नी में उक्त ठेकेदार और उसके सहयोगी के खिलाफ शिकायत पत्र दिया जाएगा

विजय अग्रवाल अग्रवाल
पूर्व जनपद उपाध्यक्ष

लखनपुर विकासखंड के दूरस्थ वनांचल क्षेत्र के भोले भाले आदिवासी भाई बहनों के बालिक - नाबालिक मजदूरों को बहला-फुसलाकर ले जाते हैं और बंधक बना कर जबरन मजदुरी करया जाता है जिसे प्रशासन को इसकी रोकथाम करना चाहिए और ठेकेदार के ऊपर सख्त से सख्त कार्रवाई करना चाहिए।

पीएचई के इंजीनियर
सीमा केसरी

इस संबंध पर पूछे जाने पर बताया कि मेरी पोस्टिंग अभी क्षेत्र में की गई इसकी जानकारी मुझे कम है इसकी जानकारी विभाग के एसडीओ बता पाएंगे परंतु एसडीओ अमन सिंह के पास मोबाइल से संपर्क करने पर मोबाइल रिसीव नहीं किया गया।

CMYK

डोनाल्ड ट्रंप के साथ अमेरिका के अगले उपराष्ट्रपति बन सकते हैं विवेक रामास्वामी,दिए ये संकेत

वॉशिंगटन,26 अगस्त 2023 । अमेरिका में अगले साल होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से भारतीय मूल के विवेक रामास्वामी भी दावा पेश कर रहे हैं। खास बात ये है कि विवेक रामास्वामी की लोकप्रियता भी लगातार बढ़ रही है। अब विवेक रामास्वामी ने संकेत दिए हैं कि वह अगले साल होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप के डिप्टी के रूप में उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बन सकते हैं। हालांकि पहले विवेक रामास्वामी ने राष्ट्रपति पद के अलावा कोई अन्य पद स्वीकार करने से इनकार कर दिया था। हालांकि अब उन्होंने इसके लिए तैयार होने के संकेत दिए हैं।

विवेक रामास्वामी ने दिए संकेत

दरअसल एक इंटरव्यू के दौरान विवेक रामास्वामी ने कहा कि वह बतौर राष्ट्रपति ही देश को एकजुट कर सकते हैं। हालांकि उन्होंने ट्रंप के सहयोगी के रूप में उपराष्ट्रपति चुनाव लड़ने से भी इनकार नहीं किया। दरअसल जब इस बारे में रामास्वामी से पूछा गया तो उन्होंने कहा कि %यह मेरे बारे में नहीं है, अगर यह मेरे बारे में है तो मेरी उम्र के व्यक्ति के लिए यह पद भी शानदार होगा। यह हमारे देश को फिर से रिवाइव करने के बारे में है और मैं ये तभी कर सकता हूं, जब मुझे इसे व्हाइट हाउस से बतौर शीर्ष नेता करने का मौका मिले।

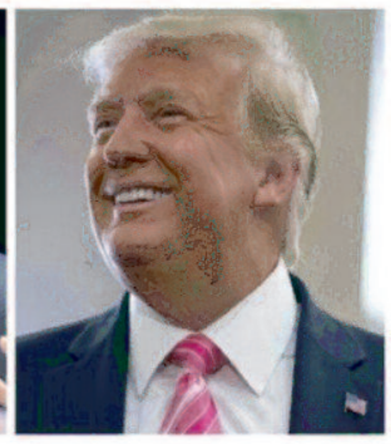

ट्रंप की टीम ने भी की तारीफ

ट्रंप के साथ रामास्वामी के संयुक्त टिकट पर चुनाव मैदान में उतरने की चर्चा इसलिए भी हो रही हैं क्योंकि ट्रंप की चुनाव प्रचार टीम ने भी रिपब्लिकन पार्टी की बीते बुधवार को हुई पहली डिबेट के बाद रामास्वामी की तारीफ की है। इस डिबेट के बाद रामास्वामी की लोकप्रियता में उछाल आया है और उन्हें मिलने वाले चंदे में भी बढ़ोतरी हुई है। हालांकि पहले रामास्वामी ने राष्ट्रपति पद के अलावा कोई अन्य पद लेने से मना कर दिया था और कहा था कि वह सिर्फ बतौर राष्ट्रपति ही इस देश को बदल सकते हैं।

अमेरिका के दूसरे सबसे युवा उपराष्ट्रपति बन सकते हैं

बता दें कि अगर विवेक रामास्वामी ट्रंप के साथ संयुक्त टिकट पर अमेरिका के उपराष्ट्रपति चुने जाते हैं तो वह इस पद पर पहुंचने वाले दूसरे सबसे युवा नेता होंगे। इससे पहले साल 1857-1861 के दौरान जॉन बुचनन की सरकार में जॉन ब्रेकिनरिज सिर्फ 36 साल की उम्र में अमेरिका के उपराष्ट्रपति रहे थे। विवेक रामास्वामी अभी 38 साल के हैं।

ब्रिटेन में भारतीय मूल के व्यक्ति को हुई जेल, प्रतिबंधित ड्रग्स की तस्करी का आरोप

लंदन,26 अगस्त 2023 । ब्रिटेन की राष्ट्रीय अपराध एजेंसी (एनसीए) के नेतृत्व में एक जांच के बाद ब्रिटेन में प्रतिबंधित ड्रग्स की तस्करी की साजिश का दोषी पाए जाने पर भारतीय मूल के एक व्यक्ति और उसके साथी को 12-12 साल कैद की सजा सुनाई गई। 37 वर्षीय संदीप सिंह राय और 43 वर्षीय बिली हेयरे एक संगठित अपराध समूह (ओसीजी) से संबंधित है। दोनों को मेक्सिको से एक कार्गो विमान के जरिये ब्रिटेन में 30 किलो कोकीन और 30 किलो एम्फैटेमिन की तस्करी के लिए जिम्मेदार ठहराया गया।

दोनों ने शुरुआत में ए-क्लास की प्रतिबंधित ड्रग्स की आपूर्ति की साजिश के आरोपों से इनकार किया था, लेकिन इस साल की शुरुआत में वॉल्वरहैम्प्टन क्राउन कोर्ट में मुकदमा शुरू होने से ठीक पहले उन्होंने अपनी दलीलों में खुद को दोषी मान लिया। इसके बाद शुक्रवार को उसी अदालत में उन्हें अपराधों के लिए सजा सुनाई गई। एनसीए ऑपरेशंस मैनेजर क्रिस डुप्लॉक ने कहा, राय और हेयरे मेक्सिको से ब्रिटेन में ए-क्लास के ड्रग्स की तस्करी करने के एक जटिल प्रयास के पीछे शामिल थे। उन्होंने कहा, मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि अगर हमने उन्हें नहीं रोका होता, तो वे और अधिक ड्रग्स लाने के लिए बार-बार इस मार्ग का उपयोग करते। देश और विदेश में साझेदारों के साथ काम करते हुए हम क्लास-ए ड्रग्स की आपूर्ति को बाधित करने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे, क्योंकि यह ब्रिटेन के समुदायों में सामूहिक हिंसा और वास्तविक पीड़ा से जुड़े हुए हैं।

चुनाव से पहले राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार थर्मन का बड़ा बयान,सिंगापुर गैर-चीनी PM के लिए तैयार

सिंगापुर,26 अगस्त 2023। सिंगापुर किसी समय एक गैर-चीनी प्रधानमंत्री के लिए तैयार है। भारतीय मूल के थर्मन शनमुगरत्नम ने एक सितंबर को होने वाले चुनाव से पहले यह बात कही। सिंगापुर के पूर्व उप प्रधानमंत्री थर्मन शनमुगरत्नम राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार हैं। उन्होंने इसे चीनी मूल की आबादी के प्रभुत्व वाले देश में समाज की प्रगति का एक प्रतीक बताया।

उन्होंने शुक्रवार को पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा का हवाला देते हुए कहा, नस्लवाद हर जगह राजनीति में एक कारक है। नस्लवाद को लेकर ओबामा पहले भी बोल चुके हैं और उन्होंने इसके बारे में लिखा भी है। भारतीय मूल के 66 वर्षीय सिंगापुरी थर्मन ने कहा, हालांकि 40 या 50 साल पहले के विपरीत आज सिंगापुरवासी सभी कारकों को देखते हैं, न कि केवल नस्लवाद को।

उन्होंने राष्ट्रपति पद के लिए अपना दृष्टिकोण साझा करने के लिए एक चुनावी बैठक के दौरान कहा, सिंगापुरवासी लोगों को समग्रता से देखते हैं... सिंगापुर किसी भी समय तैयार है। यदि कोई ऐसा व्यक्ति सामने आता है जो प्रधानमंत्री के लिए बेहतर उम्मीदवार है, तो उस व्यक्ति को प्रधानमंत्री बनाया जा सकता है। मेरा मानना है कि वे ऐसा कर सकते हैं।

पूर्व वरिष्ठ मंत्री थर्मन ने राष्ट्रपति पद का चुनाव लड़ने के लिए जुलाई में सत्तारूढ़ पीपुल्स एक्शन पार्टी से इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने कहा, यह एक समाज के रूप में सिंगापुर की प्रगति का प्रतीक है। मीडिया ने थर्मन के हवाले से कहा, सिंगापुर किसी गैर-चीनी प्रधानमंत्री के लिए किसी भी समय तैयार है।÷ सिंगापुरवासियों को एक सितंबर को 9वें राष्ट्रपति के लिए मतदान करना है।

अर्थशास्त्री थर्मन ने यह भी कहा कि चाहे वे कितनी भी महत्वपूर्ण क्यों न हों, केवल सरकारी नीतियां सिंगापुर को एक निष्पक्ष और बेहतर स्थान नहीं बना सकती हैं। उन्होंने कहा, इसके बजाय चीजों को अधिक गहराई तक ले जाना चाहिए और सिंगापुर के विकास का अगला चरण उन चीजों पर ध्यान देना है जिन्हें मापा नहीं जा सकता है। यह पूछे जाने पर कि ऐसे कई लोग हैं जो सार्थक कार्य कर रहे हैं, लेकिन दिखाई नहीं देते हैं। उन्होंने कहा, हर कौशल और हर नौकरी सम्मान की हकदार है। बेहतर काम करने लेकिन कम वेतन पाने वाले भी सम्मान और प्रतिष्ठा के हकदार हैं। बता दें, चीनी मूल के सिंगापुर निवासी टैन किन लियान और एनजी कोक सोंग भी राष्ट्रपति चुनाव लड़ रहे हैं। 75 वर्षीय टैन एक पूर्व ट्रेड यूनियन-संबंधित बीमा समूह एनटीयूसी इनकम के मुख्य कार्यकारी हैं, जबकि 75 वर्षीय एनजी देश की स्वामित्व वाली जीआईसी के पूर्व मुख्य निवेश अधिकारी हैं। सिंगापुर की बहु-नस्लीय आबादी में चीनी लोग लगभग 75 प्रतिशत हैं। अनुमानतः 13.5 प्रतिशत मलय हैं और लगभग नौ प्रतिशत भारतीय हैं, शेष संख्या अन्य लोगों की है।

ब्रिटिश संग्रहालय के निदेशक ने दिया इस्तीफा,अपनी देखरेख में कलाकृतियों की चोरी से आहत

लंदन,26 अगस्त 2023 । लंदन के प्रमुख पर्यटक आकर्षणों में से एक ब्रिटिश संग्रहालय के निदेशक ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है, जबकि शनिवार को यह बात सामने आई कि चुराई गई 2,000 कलाकृतियों में से कुछ बरामद कर ली गई हैं। बता दें कि ब्रिटिश संग्रहालय में हजारों बहुमूल्य कलाकृतियां प्रदर्शित हैं, इनमें से कुछ भारत की हैं। हार्टविग फिशर ने शुक्रवार को अपने इस्तीफे की घोषणा करते हुए कहा कि अब यह स्पष्ट हो गया है कि संग्रहालय ने आशंकित चोरी के बारे में चेतावनियों का ÷व्यापक÷ रूप से जवाब नहीं दिया और इसकी जिम्मेदारी अंततः उन्हीं की है।

संग्रहालय के न्यासी बोर्ड के अध्यक्ष जॉर्ज ओसबोर्न ने शनिवार को मीडिया को बताया कि हमने पहले ही चोरी की गई कुछ वस्तुओं को फिर से प्राप्त करना शुरू कर दिया है। ओसबोर्न ने कहा, हमारा मानना है कि हम लंबे समय से चोरी का शिकार होते रहे हैं और स्पष्ट रूप से उन्हें रोकने के लिए और भी बहुत कुछ किया जा सकता है।

फिशर का इस्तीफा उस घटना के एक सप्ताह से अधिक समय बाद सामने आया है, जिसमें संग्रहालय के एक भंडार कक्ष से कई खजाने चोरी हो जाने के बाद संग्रहालय के एक कर्मचारी को कानूनी कार्रवाई लंबित रहने तक निलंबित कर दिया गया था। फिशर ने कहा, पिछले कुछ दिनों से मैं ब्रिटिश संग्रहालय से चोरी की घटनाओं और उनकी जांच की विस्तार से समीक्षा कर रहा था। उन्होंने कहा, यह स्पष्ट है कि ब्रिटिश संग्रहालय ने 2021 में चेतावनियों और अब पूरी तरह से सामने आई समस्या के जवाब में उतनी व्यापक प्रतिक्रिया नहीं दी जितनी उसे देनी चाहिए थी। उस विफलता की जिम्मेदारी अंततः निर्देशक की होनी चाहिए।

निवर्तमान निदेशक एक जर्मन कला इतिहासकार हैं, उन्होंने कहा कि संग्रहालय के सामने जो स्थिति है वह ÷अत्यंत गंभीर÷ है, लेकिन वह इससे और भी मजबूती से निपटेंगे। उन्होंने कहा, लेकिन दुख की बात है कि मैं इस नतीजे पर पहुंचा हूं कि मेरी मौजूदगी ध्यान भटकाने वाली साबित हो रही है। पिछले सात वर्षों में मुझे कुछ सबसे प्रतिभाशाली और समर्पित लोक सेवकों के साथ काम करने का सौभाग्य मिला है। ब्रिटिश संग्रहालय एक अद्भुत संस्थान है और इसका नेतृत्व करना मेरे लिए गर्व की बात है।

स्पेसएक्स ने लॉन्च किया एक नया अंतरिक्ष स्टेशन दल; इसमें चार देशों के अंतरिक्ष यात्री

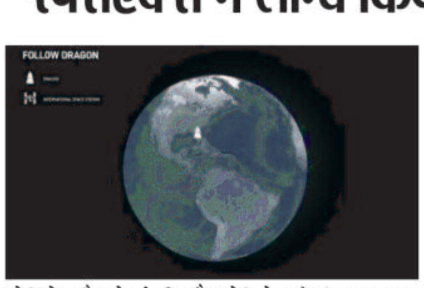

नई दिल्ली,26 अगस्त 2023 । स्पेसएक्स ने चार देशों के चार अंतरिक्ष यात्रियों के साथ एक नया अंतरिक्ष स्टेशन दल लॉन्च किया। दरअसल, स्पेसएक्स फाल्कन 9 रॉकेट पर सवार होकर चारो लोगों ने फ्लोरिडा के कैनेडी स्पेस सेंटर से सफल उड़ान भरी। इस मिशन को 17,500 मील प्रति घंटे तक पहुंचने और निचली-पृथ्वी की कक्षा में प्रवेश करने में लगभग नौ मिनट लगे। अगले 29 घंटों तक, कैप्सूल अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन तक पहुंचने के लिए सफर करेगा।

स्थानीय समयानुसार रविवार को सुबह 8ः50 बजे के आसपास इसे लॉन्च किया गया। यह एक निर्धारित छह महीने का मिशन है जो दर्जनों विज्ञान और अन्य प्रयोगों से भरा हुआ है।

इस कैप्सूल में सवार चार लोग मिशन कमांडर और नासा के अंतरिक्ष यात्री जैस्मीन मोघबेली, यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी के अंतरिक्ष यात्री और मिशन पायलट एंड्रियास मोगेन्सन, जापान एयरोस्पेस एक्सप्लोरेशन एजेंसी के अंतरिक्ष यात्री सातोशी फुराकावा और रूसी अंतरिक्ष यात्री कॉन्स्टेंटिन बोरिसोव हैं। मोघबेली और बोरिसोव के लिए यह पहली अंतरिक्ष उड़ान है। यह मोगेंसेन और फुराकावा के लिए दूसरा मौका है।

इमरान खान को जेल में जान का खतरा,पत्नी बुशरा बीबी ने सुप्रीम कोर्ट में दाखिल किया हलफनामा

इस्लामाबाद,26 अगस्त 2023 । पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पत्नी बुशरा बीबी ने आरोप लगाया है कि उनके पति को जेल में गंभीर खतरा है। पाकिस्तानी मीडिया के अनुसार, बुशरा बीबी ने 22 अगस्त को अटक जेल में इमरान खान से मुलाकात की और इस मुलाकात के बाद उन्होंने पाकिस्तान की सुप्रीम कोर्ट में एक हलफनामा दायर किया है।

बुशरा बीबी ने सुप्रीम कोर्ट में दाखिल किया हलफनामा

इस हलफनामे में बुशरा बीबी के हवाले से लिखा गया है कि जब वह अटक जेल में इमरान खान से मिलने पहुंचीं तो उन्हें बेवजह इंतजार कराया गया और काफी मुश्किलों के बाद मिलने की अनुमति दी गई। हलफनामे में इमरान खान के हवाले से लिखा गया है कि %वह पाकिस्तान में संविधान और कानून के शासन की लड़ाई के लिए कोई भी बलिदान देने के लिए तैयार हैं।

इमरान खान के वजन में आई गिरावट

हलफनामे के अनुसार, जेल में इमरान खान की सेहत में गिरावट आई है और इससे उनके जीवन को गंभीर खतरा हो सकता है। जेल में रहने के दौरान इमरान खान का वजन काफी कम हो गया है। हलफनामे के अनुसार, 70 साल से ज्यादा उम्र के व्यक्ति के सेहत में इस तरह की गिरावट गंभीर खतरा हो सकती है। हलफनामे में सुप्रीम कोर्ट से इमरान के बिगड़ते स्वास्थ्य और उनके जीवन के खतरे पर ध्यान देने की अपील की गई है।

तोशाखाना मामले में तीन साल की जेल की सजा काट रहे पीटीआई चीफ

बता दें कि बुशरा बीबी ने बीते हफ्ते पाकिस्तान की सरकार के सामने भी ऐसी चिंता जाहिर की थी। इमरान खान तोशाखाना मामले में तीन साल जेल की सजा काट रहे हैं। इमरान खान को पांच साल के लिए राजनीति से भी अयोग्य घोषित कर दिया गया है। तोशाखाना मामले में दोषी पाए जाने के बाद इमरान खान को उनके लाहौर स्थित आवास से गिरफ्तार किया गया था। इमरान खान पर एक लाख पाकिस्तानी रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है।

बिल्कुल झूठः रूस ने वैगनर प्रमुख प्रिगोझीन की मौत में शामिल होने से किया इनकार,पश्चिम के दावे का भी खंडन

मॉस्को, 26 अगस्त 2023 । रूस ने वैगनर प्रमुख येवगेनी प्रिगोझिन की मौत में अपनी संलिप्तता से साफ इनकार किया है। क्रेमलिन ने पश्चिमी देशों के उस दावे का खंडन किया, जिसमें कहा गया था कि रूसी भाड़े के समूह के प्रमुख येवगेनी प्रिगोझिन को पुतिन के आदेश पर मार दिया गया। क्रेमलिन ने परीक्षण के परिणामों की प्रतीक्षा करने की आवश्यकता का हवाला देते हुए कहा, यह एक ÷सरासर झूठ÷ है। साथ ही प्रिगोझिन की मौत की निश्चित रूप से पुष्टि करने से इनकार कर दिया।

पुतिन ने तोड़ी चुप्पी

रूस के विमानन प्राधिकरण ने कहा है कि वैगनर समूह के प्रमुख प्रिगोझिन एक निजी जेट पर सवार थे, जो बुधवार शाम मॉस्को के उत्तर-पश्चिम में दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें कोई भी जीवित नहीं बचा।राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने गुरुवार को दुर्घटना में मारे गए लोगों के परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की और प्रिगोझिन के बारे में बात की। प्रिगोझिन द्वारा सेना प्रमुखों के खिलाफ असफल विद्रोह का नेतृत्व करने के ठीक दो महीने बाद हुई घटना के बाद उन्होंने अपनी चुप्पी तोड़ी।

पुतिन ने प्रारंभिक जानकारी का हवाला देते हुए संकेत दिया कि प्रिगोझिन और वैगनर भाड़े के समूह में उनके शीर्ष सहयोगी दिमित्री उत्किन की मृत्यु हो गई। पुतिन ने प्रिगोझिन की प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्होंने कुछ ÷गंभीर गलतियां÷ भी की थीं।

पश्चिमी राजनेताओं और टिप्पणीकारों ने सबूत पेश किए बिना सुझाव दिया था कि पुतिन ने सेना के नेतृत्व के खिलाफ 23-34 जून को विद्रोह शुरू करने के लिए प्रिगोझिन को दंडित करने के रूप में उसे मारने का आदेश दिया था, क्योंकि यह 1999 में सत्ता में आने के बाद से पुतिन के अपने शासन के लिए सबसे बड़ी चुनौती थी। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने कहा कि यह आरोप और इसके जैसे कई अन्य आरोप झूठे हैं।

पेसकोव ने संवाददाताओं से कहा, अब इस विमान दुर्घटना और येवगेनी प्रिगोझिन सहित विमान के यात्रियों की दुखद मौतों को लेकर काफी अटकलें लगाई जा रही हैं। निःसंदेह, पश्चिम में यह सारी अटकलें एक सुविख्यात दृष्टिकोण के साथ पेश की जाती हैं। उन्होंने कहा, यह सब बिल्कुल झूठ है और यहां इस मुद्दे पर बात करते समय, अपने आप को तथ्यों पर आधारित करना आवश्यक है। अभी तक बहुत सारे तथ्य सामने नहीं आए हैं। उन्हें जांच कार्रवाई के दौरान प्रमाणित करने की आवश्यकता है।

इससे पहले शुक्रवार को रूसी उप विदेश मंत्री सर्गेई रयाबकोव ने एक विमान दुर्घटना में प्रिगोझिन के मारे जाने पर आश्चर्य व्यक्त करने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन को फटकार लगाई थी। उन्होंने बाइडन पर राजनयिक मानदंडों की अवहेलना करने का आरोप लगाया था।

जांच परिणाम की प्रतीक्षा करें

रूसी जांचकर्ताओं ने इस बात की जांच शुरू कर दी है कि क्या हुआ था, लेकिन अभी तक यह नहीं बताया है कि उन्हें क्या संदेह है कि विमान मॉस्को के उत्तर-पश्चिम में आसमान से अचानक गिर गया था। न ही उन्होंने मलबे से बरामद 10 शवों की पहचान की आधिकारिक पुष्टि की है।

यह पूछे जाने पर कि क्या क्रेमलिन को प्रिगोझिन की मौत की आधिकारिक पुष्टि मिल गई है। पेसकोव ने कहा, यदि आपने रूसी राष्ट्रपति के बयान को ध्यान से सुना, तो उन्होंने कहा कि आनुवंशिक परीक्षणों सहित सभी आवश्यक परीक्षण अब किए जाएंगे। उन्होंने कहा, आधिकारिक परिणाम जल्द ही जैसे ही प्रकाशित होने के लिए तैयार होंगे, प्रकाशित किए जाएंगे।

मॉन्स्टर को खोजने के लिए सैकड़ों लोग हुए एकत्र,शिकार अभियान में ड्रोन,इन्फारेड कैम-थर्मल स्कैनर शामिल

लंदन,26 अगस्त 2023 । ब्रिटेन में लोच नेस मॉन्स्टर को खोजने के लिए सैकड़ों लोग इकट्ठा हुए। पांच दशकों में लोच नेस मॉन्स्टर की सबसे बड़ी खोज शनिवार को स्कॉटिश हाइलैंड्स में शुरू हुई। जहां दुनिया भर के शोधकर्ता और उत्साही लोग मायावी नेस्सी को खोजने की कोशिश करने के लिए एकत्र हुए हैं। अभियान में थर्मल स्कैनर वाले ड्रोन, इंफ्रारेड कैमरे वाली नावें और एक पानी के नीचे हाइड्रोफोन तैनात किया जाएगा ताकि उस रहस्य को जानने की कोशिश की जा सके जिसने दुनिया को पीढ़ियों से मोहित कर रखा है।

लोच नेस एक्सप्लोरेशन के सह-आयोजक एलन मैककेना ने कहा, सभी प्रकार के प्राकृतिक व्यवहार और घटनाओं को रिकॉर्ड करना, अध्ययन करना और उनका विश्लेषण करना हमेशा से हमारा लक्ष्य रहा है। इन्हें समझाना अधिक चुनौतीपूर्ण हो सकता है। खोजकर्ताओं का मानना है कि थर्मल स्कैनर धुंधली गहराइयों में किसी भी अजीब विसंगति की पहचान करने में महत्वपूर्ण साबित हो सकते हैं।

हाइड्रोफोन खोजकर्ताओं को पानी के नीचे नेस्सी जैसी असामान्य आवाज को सुनने में मदद करेगा। जहां नेस्सी की खोज की जा रही है वह 23 मील (36 किलोमीटर) तक फैली और 788 फीट (240 मीटर) की अधिकतम गहराई वाली मीठे पानी की झील है, जो आयतन के हिसाब से ब्रिटेन की सबसे बड़ी झील है।

प्राचीन काल से चर्चा में है मॉन्स्टर की खबरें

लोच नेस में एक जलीय राक्षस के छिपे होने की खबरें प्राचीन काल से चली आ रही हैं। इस क्षेत्र में पत्थर की नक्काशी में एक रहस्यमय जानवर को फ्लिपर्स (मछली के पंख) के साथ दर्शाया गया है। इस प्राणी का सबसे पहला लिखित रिकॉर्ड आयरिश संत सेंट कोलंबा की जीवनी में 565 ईसवी का है। लेख के अनुसार, राक्षस ने एक तैराक पर हमला किया और वह फिर से हमला करने वाला था, तभी कोलंबा ने उसे पीछे हटने का आदेश दिया।

इस बारे में मई 1933 में स्थानीय इनवर्नेस कूरियर अखबार ने एक नवनिर्मित झील के किनारे वाली सड़क पर गाड़ी चला रहे एक जोड़े को पानी में ÷जबरदस्त उथल-पुथल÷ देखने की सूचना दी थी। रिपोर्ट में कहा गया था, वहां जीव एक मिनट तक लुढ़कता और गिरता रहा, उसका शरीर व्हेल जैसा था और पानी ऐसे गिर रहा था जैसे उबलती कड़ाही से गिर रहा हो और वह इसे मथ रहा था।

उसी साल दिसंबर में ब्रिटिश अखबार डेली मेल ने दक्षिण अफ्रीका के एक बड़े शिकारी मार्माड्यूक वेदरेल की समुद्री राक्षस का पता लगाने के लिए भर्ती की थी। वेदरेल को बड़े पैरों के निशान मिले थे।उनका मानना था कि ये लगभग 20 फीट लंबे एक बहुत शक्तिशाली नरम पैरों वाले जानवर के थे।

लेकिन लंदन के प्राकृतिक इतिहास संग्रहालय के प्राणीशास्त्रियों ने निर्धारित किया कि यह आकृति एक छाता स्टैंड या ऐशट्रे जैसी है, जिसका आधार दरियाई घोड़े का पैर था। 1934 में अंग्रेजी चिकित्सक रॉबर्ट विल्सन ने एक तस्वीर खींची जिसे ÷सर्जन की तस्वीर÷ के नाम से जाना जाता है। इस तस्वीर में नेस्सी का सिर और लम्बी गर्दन पानी से बाहर निकलती हुई दिखाई दे रही थी। डेली मेल में प्रकाशित यह तस्वीर बाद में एक धोखाधड़ी का हिस्सा होने के रूप में सामने आई, जिसने लोच नेस मॉन्स्टर को अंतरराष्ट्रीय ख्याति दिला दी।

इनवर्नेस के पास ड्रम्नाड्रोचिट (ष्ठह्वद्वठ्ठस्रह्म्श्ष्द्धद्बह्ल) में %द लोच नेस सेंटर% के अनुसार, अब तक 1,100 से अधिक आधिकारिक तौर पर नेस्सी देखे जाने का रिकॉर्ड दर्ज किया गया है। यह मॉन्स्टर हर साल स्कॉटिश अर्थव्यवस्था के पर्यटन राजस्व में लाखों पाउंड (डॉलर) का योगदान देता है।

बैकुंठपुर विधानसभा में अभी भी दावेदारों को टिकट मिलने के आसार

फिर दावेदारों ने लगाई
विधानसभा अध्यक्ष के पास गुहार

वर्तमान विधायक को छोड़कर अधिकांश दावेदार पहुंचे विधानसभा अध्यक्ष के द्वार

विधानसभा अध्यक्ष ने भी सभी को बिठाया एक साथ,कहा आए हुए सभी एक नाम पर बना लें आम सहमती, कर देता हूं उसी के नाम का मैं ऐलानः सूत्र

आपसी सामंजस्य बना पाने में असफल सभी कांग्रेस पार्टी से बैकुंठपुर विधानसभा के दावेदार देर रात लौटे घर

एक बार फिर दावेदार मुंह लटका कर रायपुर से आये वापस

कांग्रेस पार्टी से बैकुंठपुर विधानसभा के लिए हैं कुल 52 दावेदार

जनपद उपाध्यक्ष पति भी विधानसभा अध्यक्ष के सभाकक्ष में अपनी उपाध्यक्ष पत्नी के लिए टिकट मांगने के दौरान शिक्षक पति रहे मौजूद, आखिर स्कूल में उनके फिर वह कैसे थे उस दिन मौजूद,तस्वीर आई सामने

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर,26 अगस्त 2023
(घटती घटना)

सत्ता की ललक ऐसी ललक होती है की सत्ता की ललक की आकांक्षा रखने वाला अंतिम दम तक उम्मीद नहीं छोड़ता और वह अंतिम तक संघर्ष करता है, जिससे उसे सत्ता की कुर्सी मिल सके और वह पांच साल का सरदार (राजा) बन सके,पांच साल बाद भी वह आगे के लिए प्रयासरत रहता है, यह भी बताने की जरूरत नहीं है लेकिन सबसे पहली किसी सत्ता के आकांक्षी व्यक्ति की यही अभिलाषा रहती है की उसे एक बार तो मौका मिल जाए, शेष वह आगे मौका खुद बना लेगा और आगे वह खुद को इतना काबिल बना लेगा की उसे उसके सामने प्रतिद्वंदी ही नजर नहीं आएंगे और वह सत्ता प्राप्त करता चला जायेगा। ऐसा ही कुछ आजकल अविभाजित कोरिया जिले की राजनीति में देखने को मिल रहा है, अविभाजित जिले के वर्तमान तीनो विधानसभाओं के तीनो विधायक ही चुनाव लडेंगे आने वाले चुनाव में और वही जीतकर भी आ रहे हैं पार्टी की तरफ से वह तय प्रत्याशी हैं, यह बात सबसे पहले एमसीबी नवीन जिले से विधानसभा अध्यक्ष सार्वजनिक रूप से कह चुके हैं, वहीं लोकसभा स्तरीय बैठक आयोजित कर प्रदेश प्रभारी ने भी सभी दावेदारों के सामने स्पष्ट कह दिया है की कांग्रेस पार्टी की सरकार बन रही है और ऐसा उन्होंने उन्हीं के द्वारा यह पूछकर जाना है जब उन्होंने खुद मान लिया है की सरकार का कामकाज अच्छा है और वह जीत कर आने वाली है तब ऐसी स्थिति में टिकट काटना कोई विषय ही नहीं है, और जाकर सभी अब पार्टी के चिन्ह का ध्यान रखकर प्रचार प्रसार में जुट जाएं शेष अब दावेदारों के नाम पर कोई चर्चा नहीं होगी।

अब दो दो बार दो बड़े नेताओं के स्पष्ट आदेश और संदेश के बाद भी अविभाजित कोरिया जिले के दो विधानसभा के अधिकांश दावेदार यह स्वीकार करने को तैयार नहीं हैं की वर्तमान विधायक को ही टिकट दिया जाए वह अपनी अपनी दावेदारी पुख्ता करने हर संभव प्रयास कर रहें हैं और लगातार राजधानी का दौरा लगा रहें हैं। सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार गुरुवार देर शाम बैकुंठपुर विधानसभा से वर्तमान विधायक को छोड़कर जितने भी दावेदार अपनी दावेदारी विधानसभा प्रत्याशी के रूप में दर्ज करना चाह रहे हैं चुनाव लडना चाह रहे हैं वह विधानसभा अध्यक्ष के घर पहुंच गए जहां उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष से मुलाकात की और अपनी अपनी दावेदारी को लेकर उन्होंने अपने अपने दावे किए। विधानसभा अध्यक्ष के स्पीकर वाले सभाकक्ष में सभी की मुलाकात विधानसभा अध्यक्ष से हुई और पहुंचे हुए दावेदारों की संख्या 20 के करीब थी, जिसमें महिला दावेदार भी शामिल थीं जिसके बाद सूचना मिलने पर विधानसभा अध्यक्ष ने भी सभी से मिलने का निर्णय लिया और सबसे पहले उन्होंने महिला दावेदारों को बुलावा भेजा,सभी महिला दावेदारों से मुलाकात करने के बाद विधानसभा अध्यक्ष ने पुरुष दावेदारों से मुलाकात ही और उन्हे दो टूक कह दिया जीतने भी लोग आप आज आए हैं वह अपने बीच से एक नाम तय करके बता दें जिसमे सभी की आम सहमती हो टिकट बदल दिया जायेगा और उसे ही टिकट दे दिया जाएगा। विधानसभा अध्यक्ष ने शातिराना अंदाज में अपने राजनीतिक अनुभव का उपयोग करते हुए निर्णय लेने का अधिकार आए हुए दावेदारों के तरफ हस्तांतरित कर दिया जिसके बाद पहुंचे सभी दावेदार हक्का बक्का रह गए और उन्हे कुछ सूझ ही नहीं सका। सूत्रों की माने तो पहुंचे हुए सभी आपस में सामंजस्य बना पाने में असफल रहे और बाद में वह लौट आए,इस तरह यह तय हो गया की अब वर्तमान विधायक ही उम्मीदवार होंगी जो तय माना जाना स्पष्ट है। आपस में से एक नाम तय करने के विधानसभा अध्यक्ष के निर्देश पर पहुंचे हुए कांग्रेस पार्टी के बैकुंठपुर से दावेदारों ने काफी चिंतन मनन आपस में किया लेकिन किसी ने भी किसी एक नाम पर सहमति से इंकार कर दिया,अब जब एक नाम पर सहमति ही नहीं बन पा रही है तो यह भी तय है की पार्टी का निर्णय वर्तमान की तरफ जाएगा।

जनपद उपाध्यक्ष पति विधानसभा अध्यक्ष के सभाकक्ष में अपनी पत्नी के लिए टिकट मांगने के दौरान मौजूद,आखिर स्कूल वाले दिन वह कैसे थे मौजूद ?

बैकुंठपुर जनपद उपाध्यक्ष बैकुंठपुर के पति जो एक शिक्षक हैं शासकीय वह भी राजधानी में कई दिनों से डटे रहे,उन्हें भी विधानसभा अध्यक्ष के सभा कक्ष में देखा गया जिसकी तस्वीर भी समाने आई है जब बैठक विधानसभा अध्यक्ष ले रहें हैं। बता दें की जनपद उपाध्यक्ष बैकुंठपुर के पति शासकीय शिक्षक हैं और वह स्कूल नहीं जाते लेकिन वेतन उन्हे मिलता है और उनका हस्ताक्षर भी प्रतिदिन का होता है जबकि वह दिनभर अपनी उपाध्यक्ष पत्नी के साथ ही क्षेत्र भ्रमण पर रहते हैं और इसीलिए उन्होंने अपनी चार पहिया गाड़ी पर काला फिल्म भी लगाया हुआ है जो कानून रूप से गैर कानूनी है, जिसपर उन पर ट्रैफिक पुलिस कर्मचारियों की भी नजर नही जाति जो गरीबों से दिनभर चालान काटते हैं वहीं उपाध्यक्ष पति जो शिक्षक हैं उनके स्कूल में वह अकेले एकमात्र शिक्षक हैं और उसके बाद भी वह स्कूल में न रहते हुए भी वेतन कैस पा रहे हैं? यह सोचने वाली बात है, विधानसभा अध्यक्ष भी क्या नहीं जानते जबकि वह क्षेत्र के सभी लोगों को जानते हैं की कौन क्या है? और वह भी उपाध्यक्ष के शिक्षक पति का स्कूल छोड़कर घूमना बंद नहीं कर पा रहे हैं। वैसे यदि स्कूल न जाकर एक शिक्षक वेतन ले रहा है तो फिर अन्य शिक्षक बीना स्कूल जाए वेतन क्यों नहीं पा जाते उन पर एक दिन या एक घंटे के विलंब पर भी कार्यवाही होती है ऐसा क्यों? क्या सत्ताधारी दल का होना नियम कायदों से ऊपर होना होता है। वैसे जनपद उपाध्यक्ष पति का मामला जांच का भी है।

बैकुण्ठपुर विधायक को शिष्टाचार कौन सिखाए ?

क्या बैकुण्ठपुर विधायक हैं घमंड से लबरेज है ?

फाईल:फोटो

फाईल:फोटो

क्या विधायक अपने मुख्यमंत्री व उपमुख्यमंत्री से भी शिष्टाचार नहीं सिख पाईं ?

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर,26 अगस्त 2023
(घटती घटना)

बैकुंठपुर विधायक को शिष्टाचार कौन सीखा रहा है? यह सवाल इसलिए उत्पन्न हो रहा है क्योंकि अभी एक तस्वीर सामने नजर आ रही है सोशल मीडिया में और यह तस्वीर बहुत पुरानी नहीं है 15 अगस्त के बाद की है तस्वीर, जिसमें क्षेत्रीय सांसद और विधायक की उपस्थिति में वरिष्ठ कांग्रेसी व कांग्रेस के दो बार के विधायक प्रत्याशी और वर्तमान जिला पंचायत उपाध्यक्ष अपनी मांगों क्षेत्र से जुड़ी को लेकर अपनी क्षेत्रीय विधायक को ज्ञापन सौंपते नजर आ रहे हैं, लेकिन ज्ञापन लेने का तरीका विधायक का कुछ अटपटा था, ऐसा लगा कि वह शिष्टाचार को बिल्कुल भी ध्यान नहीं दे रही हैं, उन्हें जब ज्ञापन दिया जा रहा था उस समय ना उन्होंने खड़ा होना उचित समझा और ना ही ज्ञापन लेने के लिए उन्होंने अपने आप को ही आगे करते हुए ज्ञापन लिया, शिष्टाचार विरोधी तरीके से उन्होंने ज्ञापन को ग्रहण किया और ऐसा लगा कि वह अपने पद के घमंड में लबरेज है, हम इसलिए ऐसा कह रहे हैं क्योंकि स्थानीय विधायक से उम्र में राजनीति में जिला पंचायत उपाध्यक्ष बड़े हैं पर इसके बावजूद उन्हें ज्ञापन जिस तरीके से लेना था और अपने अंदर के आक्रोश को जाहिर नहीं करना था पर वही चीज आवेदन लेने के दौरान उनके अंदर देखने को नहीं मिला, आक्रोश उन्होंने जाहिर कर दिया ज्ञापन ग्रहण करने के तरीके ने कई सवाल खड़े कर दिए, जबकि वहीं बगल में बैठी सांसद मुस्कुरा रहीं थीं पर विधायक न जाने किस दुनिया में खोई हुई थीं, यदि शिष्टाचार की बात की जाए तो वर्तमान विधायक को अपने ही मुख्यमंत्री व उपमुख्यमंत्री से सीख लेनी चाहिए, मुख्यमंत्री व एक मंत्री को लेकर मुख्यमंत्री का सम्मान वाला व्यवहार देखना चाहिए, उनसे सीखना चाहिए पद में बड़े हैं पर उम्र व राजनीति में वह उपमुख्यमंत्री व एक मंत्री से अपने आप को अनुज जैसा मानते हैं, यही वजह है कि उपमुख्यमंत्री का मुख्यमंत्री का पैर छूकर आशीर्वाद लेती हुआ भी तस्वीर हाल फिलहाल में ही सोशल मीडिया पर वायरल हुई थी, मुख्यमंत्री अपने से वरिष्ठ रविंद्र चौबे का भी पैर छूते कई बार देखे गए हैं, क्या इन सब तस्वीरों को विधायक ने नहीं देखा या फिर देखकर उन्होंने कुछ नहीं सीखा? वर्तमान विधायक ने जिस तरह से जिला पंचायत उपाध्यक्ष के ज्ञापन को ग्रहण किया वह भूल गई कि वह व्यक्ति कौन है, उनसे उम्र में बड़े हैं राजनीति में भी पुराने हैं और इस समय अविभाजित कोरिया जिले के जिला पंचायत उपाध्यक्ष है, जिनमे तीनो विधानसभा शामिल हैं, क्या उन्हें यह समझ में नहीं आया कि जब एक वरिष्ठ व्यक्ति मुझे ज्ञापन सौंपने आ रहा है तो मैं उसे आदर के साथ ग्रहण करूं अनादर न करूं? क्या यह सब के पीछे विधायक को अपने पद का घमंड है या फिर वह जानबूझकर विरोधी समझकर अपने ही पार्टी के पदाधिकारी को दुश्मन मान बैठी हैं? जबकि सरगुजा संभाग के महाराजा व वर्तमान उपमुख्यमंत्री जिनकी सहज सरल व्यवहार उन्हें सबसे अलग बनाता है कितने लोगों के हमले के बावजूद उन्होंने कभी नहीं आपा खोया, अपने पार्टी के लोगों से ही उन्होंने अपमानित होना पड़ा फिर भी उन्होंने अपने पार्टी के लोगों के लिए आज तक गलत शब्दों का प्रयोग नहीं किया, अपने शिष्टाचार में वह बने रहे। वैसे जिला पंचायत उपाध्यक्ष का जिस तरह ज्ञापन देने के दौरान विधायक ने अपमान किया उससे यह जाहिर भी हुआ की वह उन्हे अपना सबसे बड़ा विरोधी और प्रतिद्वंदी मानती हैं। राजनीति में माना जाता है दोस्त दुश्मन जैसा कुछ नहीं होता, आपस में विरोधी दल के लोग भी शिष्टाचार निभाते हैं भले ही सदन में और मंचों पर वह एक दूसरे को लेकर कितना भी अक्रोशित क्यों न नजर आएं क्यों न आरोप प्रत्यारोप करें लेकिन जब बात संबंध की आती है सब एक नजर आते हैं जो बैकुंठपुर विधायक को सीखने की जरूरत है।

मुख्यमंत्री रहते हुए,आपस में विपक्षी होते हुए भी डॉक्टर रमन सिंह छुआ करते थे डॉक्टर रामचंद्र सिंहदेव का पैर,लिया करते थे आशीर्वाद

फाईल:फोटो

शिष्टाचार अंतर्गत पैर ही छूकर उसका प्रदर्शन किया जाए यह अनिवार्य नहीं है और न ही इसे बहुत अनिवार्य कहा जा सकता है, शिष्टाचार प्रदर्शित करने के लिए व्यवहार में मधुरता,अपने से उम्र और अनुभव में बड़े के सामने उसके याचक बनकर आने की स्थिति में खड़े होकर उसकी याचना शामिल की जा सकती है,पद प्रतिष्ठा और राजनीतिक श्रेष्ठता क्षणिक है और उसमे तो शिष्टाचार ही सबसे प्रमुख व्यवहार है जिससे विरोधियों का भी दिल जीता जा सकता है,इसका एक उदाहरण डॉक्टर रमन सिंह की भी तस्वीर है जो डॉक्टर रामचंद्र सिंहदेव के पैर छूते नजर आ सकते हैं जबकि वह उस समय प्रदेश के मुख्यमंत्री थे और डॉक्टर रामचंद्र सिंहदेव विपक्षी दल से विधायक थे। कहने का तात्पर्य यह भी है की शिष्टाचार अंतर्गत पैर न छूकर भी उसका प्रदर्शन किया जा सकता है और यदि पद में कोई ऊंचे पद में है और याचक नीचे पद में तो वह भले कुर्सी का प्रेमी हो, कुर्सी से उठने में उसे यह डर हो की कुर्सी पर कोई और बैठ जायेगा कुर्सी छीन जायेगी तो ऐसे में वह मुस्कुराकर कम से कम कुर्सी पर ही आगे बढ़कर याचना पत्र ले सकता है और सामने खड़े याचक स्वरूप वरिष्ठ का सम्मान कर सकता है।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी की नवीन प्रदेश कार्यकारणी में कोरिया जिले से किसी भी कांग्रेसी को नहीं मिला स्थान

अब कोरिया जिले के ही कांग्रेसी सोशल मीडिया पर उठा रहे सवाल,क्या जिले से कोई कांग्रेसी नहीं है योग्य ?

जिला विभाजन पश्चात छोटा जिला होना भी तो कहीं वजह नहीं, कार्यकारणी में जिले से नाम शामिल नहीं करने के पीछे यह भी है सवाल

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर,26 अगस्त 2023
(घटती घटना)

प्रदेश कांग्रेस कमेटी छत्तीसगढ़ की प्रदेश कार्यकारणी की घोषणा हाल में ही हुई, प्रदेश के लगभग हर जिले से वरिष्ठ कांग्रेस जनों को कार्यकारणी में स्थान मिला यह सूची अनुसार देखा जा सकता है लेकिन कोरिया जिले से एक भी नाम कार्यकारणी में नहीं होने को लेकर अब जिले के ही कांग्रेसी सोशल मिडिया पर सवाल उठा रहे हैं और यह लिखते नजर आ रहे हैं की क्या जिले से प्रदेश कार्यकारणी के लिए योग्य एक भी नाम नहीं है? वहीं कुछ कांग्रेसी यह भी लिखते नजर आ रहे हैं की इस सूची में जिले के कांग्रेसियों का नाम नहीं होना विधायक की ही मंशा है और ऐसा वह अप्रत्यक्ष रूप से आरोप लगा रहें हैं और विधायक के सलाहकार गलत हैं वह सोशल मीडिया में लिख रहें हैं वहीं कुछ का मानना है की जिला इतना छोटा हो गया है विभाजन के कारण की अब इस जिले को लेकर प्रदेश कांग्रेस कमेटी भी गंभीर नहीं है और वह भी मान चुकी है की कोरिया जिले के नेताओं को मान सम्मान देने की जरूरत नहीं वह प्रभावित भी कर सकेंगे तो एक ही सीट जो 75 पार के लक्ष्य से टकराएगा भी तो 74 तक ही समिति कर पाएगा जिससे पार्टी और सरकार की सेहत पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

Ajeet Lakra is feeling pained.
15h ·

आज प्रदेश कांग्रेस कार्यकरणी की घोषणा हुई और कोरिया जिले से एक भी नाम इसमें शामिल नहीं है जबकी कम से कम चार हमारे वरिष्ठजन इन पदो के लिए एकदम उपयुक्त थे ! लेकिन.... अफ़सोस....
जब आप इनके बारे में नहीं सोचेंगे तो आपके बारे में कौन सोचेगा !!

#सलाहकार_गलत_हैं_आपके

Ajeet Lakra and 47 others · 18 comments

Like · Comment · Share

विधायक पर एक कांग्रेसी नेता ने अप्रत्यक्ष रूप से लगाया आरोप,उनके सलाहकार हैं गलत सोशल मीडिया पर डाला पोस्ट-कोरिया जिले से एक भी वरिष्ठ कांग्रेसी प्रदेश कांग्रेस कमेटी में जगह नहीं बना पाया और इससे जिले में कांग्रेसियों का मनोबल गिरा है इसके पीछे विधायक और उनके सलाहकारों का ही हांथ है यह आरोप एक वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने अप्रत्यक्ष रूप से लगाया है, सोशल मीडिया पोस्ट के अनुसार माना जाए तो जिन विधायकों ने अपने जिले के कांग्रेसियों को सम्मान दिलाना चाहा जिन्होंने भी जिले से वरिष्ठ कांग्रेसियों का नाम आगे किया वह कार्यकारणी में जगह बना सके और बैकुंठपुर से ऐसा नहीं हुआ इसलिए यहां से एक भी नाम शामिल नहीं है। वैसे बात सही भी है की क्या प्रदेश कमेटी को कोरिया जिले से एक भी नाम ऐसा नहीं मिल पाया जो कार्यकारणी में लेने लायक रहा हो? विधायक पर अप्रत्यक्ष आरोप लगाने वाले यह कांग्रेसी खुद एक पद पर हैं जो संगठन का पद है और वह संगठन कैसे संतुलित कर चलाया जाता है जानकर ऐसा लिख रहे हैं माना जा सकता है।

पत्रकारों द्वारा स्वास्थ्य से संबंधित शिकायत पर जिला प्रशासन नहीं दे रहा ध्यानः आनंद शर्मा

मनेन्द्रगढ़,26 अगस्त 2023 (घटती-घटना)। भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ जिला एमसीबी अध्यक्ष आनंद शर्मा ने कहा मनेद्रगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र संबंधित शिकायत पत्र एमसीबी जिला कलेक्टर को दिनांक 01/08/2023 भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ संगठन की ओर से शिकायत पत्र सौंपा गया था। आज दिनांक तक शिकायत पत्र पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। शासन प्रशासन से अनुरोध करता हूं जल्द से जल्द मरीजो को स्वास्थ्य केंद्र में इलाज की पूरी व्यवस्था काराया जाए। जिला स्वास्थ्य केंद्र पर डॉक्टर का हड़ताल में चले जाना क्या यह सही है? हमने जो मांग पत्र सौपा है। उसे जल्द से जल्द पूरा किया जाए। सामुदिक स्वास्थ्य केंद्र में डाक्टरों कि कमी से नगर वासियों एवं दूर ग्रामीण क्षेत्र से आये लोगो को सही उपचर न मिलने से काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है, जैसे कि डाक्टरों की पूर्ण रूप से 24 घंटा व्यवस्था हो, महिला स्पेस्लिस्ट डाक्टर, सोनोग्राफी, प्रति दिन रिकार्ड मेंटनेंस हो, सीसी टी.वी. की प्रत्येक वार्ड में व्यवस्था हो, ब्लड बैंक उपलब्ध कराया जाये, मरीजो से व्यवहार पूर्वक इलाज किया जाये, मरीजो को जैनरिक दवाईया लिखी जाये जिससे मरीज आसानी से दवाई खरीद कर इलाज करा सके।

तो क्या.! फर्जी मान्यता के भरोसे चल रहे जिले के नर्सिंग कॉलेज..?

जिले में इन दिनों उच्च शिक्षा देने के नाम पर जमकर चल रही भर्रेशाही

अरविन्द द्विवेदी
अनूपपुर,26 अगस्त 2023
(घटती घटना)

मध्य प्रदेश शासन के नियमों व मापदंडों को दरकिनार कर उच्च शिक्षा देने के नाम पर संचालक मनमानी पर उतारू हैं। अनूपपुर जिले में इन दिनों उच्च शिक्षा देने के नाम पर जमकर भर्रेशाही चल रही है। शिक्षा व व्यवस्था देने के नाम पर उच्च शिक्षा संस्था प्राइवेट कॉलेज में पढ़ने वाले छात्रों के अभिभावकों से मोटी रकम तो वसूली जाती है। उच्च शिक्षा-दीक्षा व व्यवस्था के नाम पर ढकोसले बाजी कर पढ़ने लिखने वाले छात्र छात्राओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ जिले सहित नगर के नर्सिंग कॉलेज में चल रहा है। जिला मुख्यालय सहित कोतमा नगर में कुछ दिनों पूर्व नर्सिंग कॉलेज गुपचुप तरीके से खोले जा रहे है और किराए के मकान पर चल रहे है। इंस्टिटयूट आफ नर्सिंग कॉलेज बीएससी नर्सिंग कोर्स की पढ़ाई का एडमिशन भी जोर-शोर से चल रहा है, वहीं छात्र छात्राओं को बीएससी नर्सिंग कोर्स कराने के खूब लुभावने सपने भी दिखाये जा रहे हैं।

नर्सिंग कॉलेज का निरीक्षण कहीं जबकि कॉलेज कहीं

जिले में संचालित नर्सिंग कॉलेज के संचालको ने उच्च शिक्षा व व्यवस्था देने के नाम पर अभिभावकों एवम छात्रों को परदे के पीछे रखकर उनसे ठगी का काम किया है। बीएससी नर्सिंग की पढ़ाई करवाने के नाम पर प्रतिवर्ष प्रतिछात्र 70 हजार रुपए फीस रखी गई है परंतु नर्सिंग कॉलेज के संचालक द्वारा शासन प्रशासन के मापदंडों को ठेंगा दिखाकर जिले में कॉलेज संचालित किया जा रहा है। वही सूत्रो की माने तो लॉकडाउन के समय चोरी-छिपे मान्यता लेने के चक्कर में स्कूल का निरीक्षण भोपाल से आई हुई टीम को करा कर मान्यता ले ली गई। लेकिन निरीक्षण जिस जगह पर कराया गया उपरोक्त जगह मे नर्सिंग कॉलेज नहीं है, वही कॉलेज के एडमिनिस्ट्रेटिव हेड से इस संबंध में बात की गई तो उन्होंने इस बात से साफ इंकार कर दिया। वही सूत्र बताते हैं कि 8 से 10 कमरों के मकान को किराए पर लेकर नर्सिंग कॉलेज संचालित किया जा रहा है, नर्सिंग कॉलेज में छात्रावास का अता-पता ही नही है और न ही पार्किंग व्यवस्था का। एक तरह से कहा जाए तो ये सुविधाएं भगवान भरोसे है तो वही ग्राउंड व्यवस्था तो कोसो दूर। अब प्रश्न यह उठता है कि जब नर्सिंग कॉलेज के पास कुछ सुविधाएं है ही नहीं तो फिर कैसे शासन से नर्सिंग कॉलेज को बीएससी नर्सिंग कराने की मान्यता दे दी गई।

कॉलेज के संचालन हेतु यह कहते हैं मापदंड

नर्सिंग कॉलेज संचालित करने के लिए शासन ने यह नियम निर्धारित किए है जैसे कि फंडामेंटल नर्सिंग, मिडवाइफरी एंड चाइल्ड हेल्थ, कम्युनिटी हेल्थ, एनाटॉमी एंड फिजियोलॉजी लेबोरेट्री, न्यूट्रीशन, एडवांस स्किल और कंप्यूटर लैब आदि वही संस्था में काम करने के लिए निजी सहायक/लिपिक को स्नातक पास, लाइब्रेरियन को पुस्तकालय में डिग्री अथवा डिप्लोमा, प्रयोगशाला सहायक को दसवीं कक्षा उत्तीर्ण एवं वाहन चालक को वैध लाइसेंस धारी होना आवश्यक है, लेकिन यहां इन सभी मापदंडों का कोई ख्याल ही नहीं है।वही लेक्चर हॉल न्यूनतम 600 वर्ग फीट, नर्सिंग फाउंडेशन प्रयोगशाला 1500 वर्ग फीट, सीएचएन और न्यूट्रीशन प्रयोगशाला, एडवांस नर्सिंग स्किल प्रयोगशाला, ओबीजी और पीडियाट्रिक्स प्रयोगशाला, प्री क्लीनिक साइंस प्रयोगशाला उक्त सभी 900 वर्ग फीट, कंप्यूटर और ऑडियो विजुअल प्रयोगशाला 1500 वर्ग फीट, मल्टीपरपज हॉल 3000 वर्ग फीट, कॉमन कक्ष 1000 वर्ग फीट, प्रशासकीय स्टाफ कक्ष कम से कम 400 वर्ग फीट, प्राचार्य कक्ष 300 वर्ग फीट, उप प्राचार्य कक्ष 200 वर्ग फीट, लाइब्रेरी 1800 वर्ग फीट, डिपार्टमेंट हेड कक्ष कम से कम 600 वर्ग फीट, शौचालय कम से कम 30 की 30 छात्र छात्राओं के लिए वैकल्पिक सुविधा होनी चाहिए। किंतु जिले में चल रहे नर्सिंग कॉलेज में बीएससी नर्सिंग की सीट निर्धारित है जिसमे वर्तमान समय में 35 से अधिक सीटें भरी जा चुकी है, लेकिन यहां व्यवस्था भगवान भरोसे चल रही है।

ग्राम पंचायत देवाडांड़ के सरपंच एवं तत्कालिक सचिव ने की भ्रष्टाचार की हदें पार

कागजों में दिखाया है भुगतान आडिट करने वाले भी कर गये आडिट समाग्री देने वाले चक्कर लगा रहे हैं सरपंच सचिव के

-राजेन्द्र शर्मा-
खड़गवां,26 अगस्त 2023
(घटती घटना)

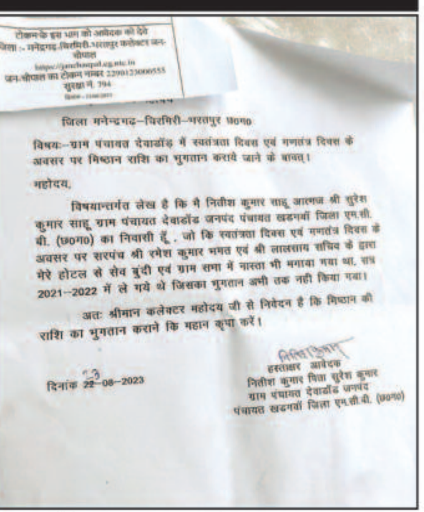
टोकन के इस भाग को आवेदक को देवें
जिला :- मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर कलेक्टर जन-चौपाल
जिला मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर छ0ग0
विषयः- ग्राम पंचायत देवाडांड में स्वतंत्रता दिवस एवं गणतंत्र दिवस के अवसर पर मिष्ठान राशि का भुगतान कराये जाने के बावत्।
महोदय,
विषयान्तर्गत लेख है कि मै नितीश कुमार साहू आत्मज श्री सुरेश कुमार साहू ग्राम पंचायत देवाडांड जनपद पंचायत खडगवां जिला एम.सी.बी. (छ0ग0) का निवासी हूँ, जो कि स्वतंत्रता दिवस एवं गणतंत्र दिवस के अवसर पर सरपंच श्री रमेश कुमार भगत एवं श्री लालसाय सचिव के द्वारा मेरे होटल से सेव बुंदी एवं ग्राम सभा में नास्ता भी मगाया गया था, सत्र 2021-2022 में ले गये थे जिसका भुगतान अभी तक नही किया गया।
अतः श्रीमान कलेक्टर महोदय जी से निवेदन है कि मिष्ठान की राशि का भुगतान कराने कि महान कृपा करें।
दिनांक 22-08-2023
हस्ताक्षर आवेदक
नितीश कुमार पिता सुरेश कुमार
ग्राम पंचायत देवाडांड जनपद पंचायत खडगवां जिला एम.सी.बी. (छ0ग0)

मनेंद्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर जिले के खड़गवां ब्लॉक अंतर्गत देवाडाड ग्राम पंचायत के सरपंच- सचिव ने भ्रष्ठाचार की हदें पार कर दी और समाग्री खरीदी करने के बाद भी समाग्री का भुगतान नहीं किया गया और पंचायत मद में प्राप्त राशि को डकार गए। इतना ही नही बोर मरम्मत भवन मरम्मत आदि के नाम से भी अधिक से अधिक की राशि का बंदरबांट किया गया है। जितनी राशि मरम्मत के नाम पर फर्जी तरीके से निकाले गए है, उतने में पूरे गांव के नया हो जाएगा।

गांव के विकास और मूलभूत सुविधाओं को पूरा करने के लिए सरकार हर ग्राम पंचायतों को वहां की जनसंख्या के हिसाब से लाखो रुपये की राशि देती है कि गांव की मूलभूत सुविधाओं को पूरा कर गांव का विकास हो इस ग्राम पंचायत देवाडाड 14 वे 15 वे मद में भी राशि लाखों रुपये जारी किया गया था यहां के सरपंच सचिव के साथ मिलीभगत कर जमकर अनियमितता को अंजाम दिया गया है और मरम्मत के नाम पर लाखो रुपये भी डकार लिए। ऐसा ही एक मामला ग्राम पंचायत देवाडाड का लिखित शिकायत नीतीश कुमार साहू देवाडाड ने जिला मनेंद्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर कलेक्टर के जनचौपाल में किया गया है। नीतिश कुमार एक छोटा सा होटल का संचालन करता है जिससे ग्राम पंचायत का संरपच रमेश कुमार भगत एवं लालसाय सचिव के द्वारा वर्ष 2021-22 में स्वतंत्रता दिवस एवं गणतंत्र दिवस के अवसर पर होटल से बुंदी सेव एवं ग्राम सभा में नाश्ता की खरीदी की गई थी जिसका भुगतान की राशि का मांग करने पर संरपच के द्वारा ग्राम पंचायत में किसी योजना की राशि का आवंटन प्राप्त नहीं होने का बहाना बनाकर होटल संचालक की राशि का भुगतान नहीं किया गया है शिकायत कर्ता में कलेक्टर महोदय से राशि भुगतान कराएं जाने कि मांग कि है। इस ग्राम पंचायत देवाडाड में ग्राम पंचायत में जितने भी मदद की राशि का आवंटन प्राप्त हुआ है सभी में फर्जी बिलो के आधार से राशि का बंदरबांट किया गया है इसकी जांच होतो इस ग्राम पंचायत में कई बड़े-बड़े घोटाले सामने आएंगे। अब ऐसे में इस ग्राम पंचायत की जनता भी सोचने को मजबूर है कि आखिर किनके सह पर सरपंच- सचिव के हौसले इतने बुलंद है कि गांव विकास के लिए सरकार से जारी जनता के पैसों का बेखौफ होकर दुरुपयोग किया जा रहा है। कुछ पंचों ने नाम न उजागर करने की शर्त पर सरपंच- सचिव के ऊपर आरोप लगाते हुए बताया है कि वे फर्जी तरीके से पंचो का साइन कर प्रस्ताव बना लेते है और इस ग्राम पंचायत के सरपंच के भाई के जिस फर्म का चेक काटना होता है उससे पहले नगद राशि ले ली जाती है और सिर्फ उस फर्म को चेक काटकर दिया जाता है इस तरह का खेल इस ग्राम पंचायत में चल रहा है और पहले भी किया गया है ? विकास की ज्यादातर राशि सरपंच- सचिव के द्वारा भ्रष्ठाचार कर गबन की जा रही है जिससे देवाडाड पंचायत अनेक विकास कार्यो से कोसो दूर है। इस ग्राम पंचायत देवाडाड में सिर्फ संरपच और सचिव का अपना विकास हुआ है इसकी सही जांच हो जाए तो दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा।

दो दिवसीय छत्तीसगढ़िया ओलंपिक का सफल आयोजन

-संवाददाता-
प्रेमनगर,26 अगस्त 2023
(घटती घटना)

प्रेमनगर ब्लॉक नोडल अधिकारी आलोक कुमार सिंह के नेतृत्व में विकासखंड स्तरीय दो दिवसीय छत्तीसगढ़िया ओलंपिक का सफल आयोजन किया गया जिसमे पूरे विकासखंड से लगभग 400 प्रतभागियो ने भाग लिया जिसमे रस्सा कसी ,फुगड़ी ,कबड्डी ,खोखो , बाटी, गेड़ी,सहित अन्य खेलों का आयोजन हुआ जिसमें सभी उम्र के महिला व पुरुष प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया खिलाडियो के उत्साह वर्धन के लिए उन्हें सील्ड,प्रतीक चिन्ह प्रमाण पत्र व अन्य पुरुस्कार से सम्मानित किया गया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला पंचायत सदस्य सुश्री शशि सिंह ने कहा कि हमारे प्रदेश के मुख्यमंत्री ने ग्रामीण क्षेत्रों में इस तरह के खेलो का आयोजन कर लोगो की प्रतिभा को निखारने का काम किया है जिससे लोगो में एक अलग ही उत्साह देखने को मिला है और खेलो के प्रति रुचि रखने वाले प्रति भागियो को आगे बढ़ाने का सुनहरा अवसर मिला रहे हैं। इस अवसर पर जनपद पंचायत अध्यक्ष सिंगारो देवी , जनपद पंचायत उपाध्यक्ष तुलसी यादव ,ने भी अपने उद्बोधन में खिलाड़ियों को बधाई दिये इस आयोजन के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया इस कार्यक्रम में विकास खण्ड शिक्षा अधिकारीआलोक कुमार सिंह की महत्व पूर्ण भूमिका रही सुरुवात से लेकर प्रतिभागियों के खेल,खाना खिलाने से लेकर पुरस्कार वितरण तक अपनी जिम्मेदारी निभाई कार्यक्रम में रमेश जायसवाल ,शिवलाल सिंह, पुस्पराज पाण्डेय,मुकेश दुबे विजय साहू,संतोष साहू, शान्तनु पाण्डे, अरविंद पाण्डे ,प्रतीक सिन्हा सहित शिक्षा विभाग के सहित अन्य लोग मौजूद रहे

भाजपाइयों ने धरना देकर स्थानीय विधायक को याद दिलाया उनका पिछला चुनावी वादा

भाजपा प्रत्याशी लखन देवांगन ने कहा प्रदेश की कांग्रेस सरकार ने गरीबों के साथ किया छलावा

-संवाददाता-
कोरबा,26 अगस्त 2023
(घटती घटना)

भारतीय जनता पार्टी जिला कोरबा द्वारा पट्टा अधिकार व प्रधानमंत्री आवास एवं स्थानीय विधायक के जन विरोधी नीति को लेकर घंटाघर चौक में एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया गया एवं महारैली के साथ कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौपा गया। कार्यक्रम में भाजपा नेताओं ने प्रदेश की भूपेश सरकार को जमकर निशाना साधा।

कोरबा विधानसभा भाजपा प्रत्याशी व भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष लखन लाल देवांगन ने कहा कि चुनाव के पूर्व कांग्रेस द्वारा घोषणा पत्र में पट्टा देने का वादा किया गया था। कांग्रेस के विधायक ने झोपड़पट्टी झुग्गी झोपड़ी में रहने वाले गरीब मजदूरों को पट्टा देने का वादा किया था लेकिन आज तक किसी को पट्टा नहीं मिला। पिछले 15 सालों से कोरबा की गरीब मजदूर के साथ घोर अन्याय शोषण हुआ। स्थानीय विधायक एवं उनके सरकार केवल कमीशन खोरी घोटाला भ्रष्टाचार किया। इनके कई अधिकारी जेल में हैं। कोरबा में चारों ओर राखड उड़ रहे हैं साथ ही सड़कों की दुर्दशा से जनता

त्रस्त है द्य अब कोरबा की जनता कांग्रेस के कुशासन से मुक्ति चाहता है। इस दौरान लखन देवांगन ने उनपर लगे आरोपों पर कहा के कोरबा नगर निगम के महापौर राजकिशोर प्रसाद और जिला कांग्रेस कमिटी शहर के अध्यक्ष सपना चौहान का यह आरोप है की टिकट मिलने के बाद झुग्गीवासियो और गरीबों के हक के लिए पट्टे की मांग मेरे द्वारा की जा रही है जो बेबुनियाद और झूठा है। मुझे कोरबा विधानसभा से बीजेपी का प्रत्याशी बनाए जाने के पूर्व बस्तीवासियों में पट्टे को लेकर कांग्रेस के खिलाफ आग सुलग रही थी और यह आंदोलन मेरे टिकट मिलने के पूर्व नियोजित था , लेकिन मैं झुग्गीवासियों और गरीबों के हक के लिए पहले भी प्रयास करता रहा और आगे भी करता रहूंगा। पूर्व गृह मंत्री ननकी राम कंवर ने कहा कि प्रदेश में अराजकता का माहौल है चोरी डकैती रंगदारी लूट खुलेआम गुंडागर्दी कांग्रेस के संरक्षण में हो रहा है। क्षेत्र की जनता सब समझती है और बदलाव चाहती है। पूर्व महापौर जोगेश लांबा ने कहा कि भूपेश सरकार 16 लाख आवास को रोक कर गरीबों के साथ शोषण किया। निगम क्षेत्र में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार हो रहे हैं।

कार्यक्रम को झुग्गी झोपड़ी के प्रदेश संयोजक महेंद्र पंडित कोरबा जिलाध्यक्ष राजीव सिंह, गोपाल मोदी, अशोक चावलानी हीतानंद अग्रवाल लक्ष्मण श्रीवास ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर केदारनाथ अग्रवाल, प्रफुल्ल तिवारी, मनोज प्राशर मंजू सिंह अजय विश्वकर्मा, परविंदर सिंह, शिव बालक सिंह नरेंद्र देवांगन, दीपक जायसवाल, यासीन खान रितु चौरसिया, मनोज यादव, संजय कुर्मवंशी, पार्षद चंद्रलोक सिंह, गोलू पांडे, सहित सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित थे।

रक्षाबंधन 30 को मुख्य मार्गों पर सजी राखियों की दुकानें

-संवाददाता-
सूरजपुर,26 अगस्त 2023
(घटती घटना)

भाई-बहन के अटूट प्रेम का पर्व रक्षाबंधन 30 अगस्त को मनाया जाएगा। शहर के मुख्य मार्गो सहित अन्य स्थानों पर छोटी-बड़ी दुकानें सज गई है। बहनें अपने भाइयों के लिए राखी आदि की खरीदारी कर रही है। आगामी दिनों में इसमें तेजी आएगी। शहर के सदर बाजार, बुधवारी बाजार, घड़ी चौक सहित कई स्थानों पर राखी की दुकानें सज गई हैं। बाजारों में भीड़ बढ़ रही है। इस बार भी रेशमी धागे से बनी राखी, फैंसी राखी, खिलौनों की राखी, चांदी की राखी सहित कई तरह की राखियां बाजार में बिक्री के लिए उपलब्ध है। त्योहारी सीजन के कारण अब मिठाई दुकानें भी सज गई है। मिठाई दुकानों में विभिन्न प्रकार के मिठाई मिल रही हैं।

सूरजपुर पुलिस का सजग सूरजपुर अभियानःथाना जयनगर व भटगांव ने आयोजित कराया कबड्डी प्रतियोगिता

विजेता, उपविजेता सहित सभी खिलाड़ियों को पुरस्कार देकर किया गया सम्मानित

-संवाददाता-
सूरजपुर,26 अगस्त 2023
(घटती घटना)

जिले की पुलिस का सजग सूरजपुर अभियान का आगाज होने के बाद से सभी वर्ग के लोगों में खासा उत्साह देखा जा रहा है। पुलिस अधीक्षक सूरजपुर श्री आई कल्याण एलिसेला ने अवैध कार्यो व साइबर अपराध से बचाव के प्रति लोगों में जागरूकता के लिए सजग सूरजपुर अभियान प्रारंभ किया है जिसके तहत प्रत्येक दिवस थाना-चौकी की पुलिस के द्वारा कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन कर आमजनता से जुड़ती जा रही है।

25 अगस्त को थाना जयनगर पुलिस ने कंदरई मंदिर परिसर में कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया जिसमें ग्राम कंदरई, जमदेई, पेण्डरखी, रतनपुर, कोरेया, हर्राटिकरा, जयनगर, राजापुर, अजबनगर, परसापारा के 12 पुरूष टीम व 4 महिला टीम कुल 16 टीम के 160 खिलाड़ियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए पुरूष तथा महिला वर्ग से ग्राम कोरेया की टीम विजेता रही। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शोभराज अग्रवाल ने विजेता, उप विजेता व सभी खिलाड़ियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। इस तरीके के खेल आयोजन से पुलिस की बेहतर छवि सामने आई है। लोगों ने इस आयोजन की प्रशंसा की है। इस अवसर पर एएसपी शोभराज अग्रवाल ने कहा कि खेल हमारे जीवन के लिए अत्यंत जरूरी है, जिले की पुलिस के द्वारा सजग सूरजपुर अभियान के तहत सभी थानों में यह प्रतियोगिता कराई जा रही है ताकि आमजनता पुलिस के सीधे सम्पर्क में आ सके और उन्हें विभिन्न बुराईयों के प्रति जागरूक किया जा सके। इस दौरान थाना प्रभारी जयनगर सरफराज फिरदौसी, नरसिंह नारायण, कंदरई सरपंच उमाशंकर, रूपदास, महेन्द्र सिरदार, वेदप्रकाश मिश्रा, ननकू थापा, संजय, देवगुन राम, आरती यादव सहित काफी संख्या में ग्रामीण जन उपस्थित रहे। निर्णायक की भूमिका पीटीआई राजू सिंह, किरण चंद, टेमसाय, संजय सिंह, भग्गू, तपेश्वर ने निभाई। इसी क्रम में शुक्रवार को थाना भटगांव पुलिस के द्वारा डुमरिया चौक ग्राउण्ड में कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें थाना क्षेत्र के 22 पुरूष व 4 महिला कुल 26 टीम ग्राम भटगांव, मोहनपुर, सकलपुर, पोड़ी, अनरोखा, दुग्गा, सोनगरा, डुमरिया, लक्ष्मीपुर, नरकालो, बरौधी, कपसरा, केवटाली, नया करकोली, सलका के 260 खिलाड़ियों भाग लिया। प्रतियोगिता के पुरूष वर्ग में विजेता ग्राम पोड़ी व उपविजेता ग्राम कोवटाली की टीम तथा महिला वर्ग में विजेता ग्राम बरपारा व उपविजेता सेंट चाल्स स्कूल भटगांव की टीम रही। एसडीओपी प्रतापपुर अमोलक सिंह, नप अध्यक्ष भटगांव सूरज गुप्ता के द्वारा विजेता, उपविजेता सहित सभी खिलाड़ियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। इस दौरान थाना प्रभारी भटगांव फर्दीनंद कुजूर, सरपंच बरपारा राजकुमार, डुमरिया सरपंच वरूण मरावी, एडीजुबली स्कूल के प्राचार्य सहित काफी संख्या में ग्रामीणजन मौजूद रहे।

न्यायालय तहसीलदार लखनपुर जिला-सरगुजा छत्तीसगढ़

ईश्तहार

लखनपुर दिनांक 14/07/2023
प्रति,
समस्त ग्रामवासी
ग्राम-तिरकेला
तहसील-लखनपुर

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक छेरतु राम आ0 स्व पुना राम निवासी ग्राम तिरकेला तहसील लखनपुर के द्वारा अपने (बड़े भाई) स्व0 गुहा राम की मृत्यु दिनांक 10/07/2010 को हो जाने से (जन्म/मृत्यु रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 की धारा 13 (3) एवं छ0ग0 जन्म मृत्यु रिज0 नियम 2001 के नियम 9 (3) के तहत मृत्यु प्रमाण पत्र हेतु आवेदन इस न्यायालय में प्रस्तुत किया है। जिस पर दिनांक11/09/2023 को सुनवाई की जानी है।

आवेदक/आवेदिका के द्वारा प्रस्तुत आवेदन पत्र यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो वह स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से पेशी तिथि 11/09/2023 के पूर्व इस न्यायालय में आपत्ति पेश कर सकता है। नियत दिनांक के पश्चात प्राप्त होने वाले दावा आपत्ति पर कोई विचार नही किया जायेगा।

सील
तहसीलदार
लखनुपर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) सूरजपुर,जिला-सूरजपुर,छ.ग.

रा.प्र.क्र.../अ-2/2022-23

ईश्तहार

एतदद्वारा आम ग्रामीण जन ग्राम-सूरजपुर को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री संदीप कुमार अग्रवाल आ0 स्व0 श्री राजेन्द्र प्रसाद अग्रवाल, जाति-अग्रवाल, निवासी ग्राम-सूरजपुर, तह-सूरजपुर, जिला-सूरजपुर (छ0ग0) द्वारा उनके स्वत्व एवं आधिपत्य की भूमि ग्राम-सूरजपुर, प0ह0नं0-06, रा0नि0मं0-सूरजपुर तहसील-सूरजपुर, जिला-सूरजपुर छ0ग0 स्थित भूमि खसरा क्र 371/1, 373/3 रकबा क्रमशः 0.070, 0.050 हे0 भूमि को **व्यवसायिक** प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन किये जाने का आवेदन-पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतएव उक्त सम्बंध में ग्राम-सूरजपुर के किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक 04/09/2023 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। उसके पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 21/08/2023 को न्यायालयीन पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

सील
विशेष कर्त्तव्याधिकारी
भूमि व्यपवर्तन सूरजपुर

एच एस प्रणय ने भारत का पदक पक्का किया

» सात्विक और चिराग क्वॉर्टर फाइनल में हारे

कोपनहेगन,26अगस्त2023। एच एस प्रणय ने पूरी ऊर्जा झोंकते हुए पिछले दो बार के चैम्पियन डेनमार्क के विक्टर एक्सेलसेन को 68 मिनट तक चले क्वार्टर फाइनल मुकाबले में हराकर यहां विश्व बैडमिंटन चैम्पियनशिप में भारत का एक पदक पक्का कर दिया। प्रणय ने इस रोमांचक मुकाबले में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी एक्सेलसेन को 13 . 21, 21 . 15, 21 . 16 से हराया।

अपना पहला पदक पक्का करने के बाद उन्होंने कहा ,'' यस। आखिर मेरे पास अब विश्व चैम्पियनशिप का एक पदक होगा।'' एक्सेलसेन अपने घरेलू दर्शकों के सामने खेल रहे थे लिहाजा प्रणय पर भारी दबाव था। उन्होंने कहा ,'' मैने सोचा कि मैं खुद पर नियंत्रण तो रख ही सकता हूं। इसके अलावा कुछ और नहीं सोच रहा था। बस यही दिमाग में था कि अगले पांच अंक कैसे लेने हैं।'' केरल के 31 वर्ष के प्रणय ने विश्व चैम्पियनशिप में भारत का सुनहरा प्रदर्शन जारी रखते हुए देश का 14वां पदक पक्का किया। वह इस सत्र में मलेशिया मास्टर्स सुपर 500 टूर्नामेंट जीते हैं और आस्ट्रेलिया ओपन सुपर 500 में उपविजेता रहे। भारत के लिये विश्व चैम्पियनशिप में दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पी वी सिंधू ने पांच पदक जीते हैं जिनमें से 2019 में मिला स्वर्ण शामिल है। साइना नेहवाल ने एक रजत और एक कांस्य, किदाम्बी श्रीकांत ने रजत, लक्ष्य सेन, बी साइ प्रणीत और प्रकाश पादुकोण ने कांस्य पदक जीते हैं।

वहीं सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय जोड़ी पुरुष युगल क्वार्टर फाइनल में डेनमार्क के किम एस्ट्रूप और एंडर्स स्कारुप रासमुसेन से सीधे गेम में हार गयी। दुनिया की दूसरे नंबर की इस भारतीय जोड़ी ने पिछले साल इस प्रतियोगिता में अपना पहला कांस्य पदक जीता था। भारतीय जोड़ी हालांकि 11वीं वरीयता प्राप्त स्थानीय जोड़ी के सामने अपने आक्रामक खेल का प्रदर्शन नहीं कर सकी और 48 मिनट तक चले मुकाबले को 18-21, 19-21 से हार गई। दोनों जोड़ियों के बीच इससे पहले सात मैचों में सात्विक और चिराग की जोड़ी दो मुकाबले जीतने में सफल रही थी। दोनों जोड़ियां 2021 के

बाद पहली बार एक-दूसरे के आमने सामने थी।

बैडमिंटन विश्व चैम्पियनशिप की 2021 की कांस्य पदक विजेता डेनमार्क की जोड़ी ने मैच की शुरुआत से ही भारतीय जोड़ी को लय हासिल करने से रोके रखा। डेनमार्क की जोड़ी ने मुकाबले की शुरुआत में 5-1 की बढ़त ली। भारतीय जोड़ी ने कई मौके पर एस्ट्रूप के सर्विस पर शटल को नेट पर खेल दिया। एस्ट्रूप और रासमुसेन ने अपनी बढ़त को 11-6 किया। भारतीय जोड़ी ने इसके बाद वापसी करते हुए स्कोर को 15-18 कर दिया। चिराग ने इसके बाद खराब सर्विस कर के डेनमार्क के खिलाड़ियों को चार गेम प्वाइंट दे दिया।

भारतीय खिलाड़ियों ने दो गेम प्वाइंट का बचाव किया लेकिन तीसरे मौके पर चूक गये। दूसरे गेम में भी एक बार फिर से ऐसी ही परिस्थितियां दिखी। सात्विक और चिराग की जोड़ी के सामने एस्ट्रूप और रासमुसेन की गति का कोई जवाब नहीं थाा। भारतीय जोड़ी 4-6 और इंटरवल के समय 7-11 से पिछड़ रही थी। भारतीय जोड़ी ने कुछ बेहतर प्रदर्शन किया। चिराग के शानदार स्मैश और सर्विस के दम पर इस जोड़ी ने 15-15 की बराबरी की। एस्ट्रूप के क्रॉस पर सात्विक ने शटल को नेट पर खेल दिया जिससे डेनमार्क की जोड़ी ने बढ़त लेने के बाद अपना भारतीयों को वापसी का मौका नहीं दिया। एस्ट्रूप और रासमुसेन की जोड़ी ने दो मैच प्वाइंट हासिल किये। यह दूसरे दूसरे मैच प्वाइंट को भुनाने में सफल रही। प्रणय का इस मैच से पहले एक्सेलसेन के खिलाफ 2 . 7 का रिकॉर्ड था। दोनों खिलाड़ी शुरूआत में नर्वस दिखे लेकिन एक्सेलसेन ने 5 . 2 से बढत बना ली।

प्रणय का शॉट दो बार नेट में जाने से बढत 9 . 2 की हो गई। इसके बाद क्रॉसकोर्ट पर स्मैश लगाकर एक्सेलसेन ने 16 . 11 की बढत कर ली। उन्होंने अगले अंक जल्दी लेकर पहला गेम अपने नाम किया। दूसरे गेम में प्रणय ने रेलियों की रफ्तार में बदलाव किया। उनका डिफेंस भी बेहतर था लेकिन फिनिशिंग नहीं कर पा रहे थे जिससे एक्सेलसेन ने बढत बना ली। प्रणय ने जल्दी वापसी करके स्कोर 7 . 7 कर लिया। एक्सेलसेन की कुछ खराब रिटर्न का प्रणय को फायदा मिला। ब्रेक के बाद उन्होंने जबर्दस्त खेल दिखाते हुए 18 . 11 की बढत बनाई। एक्सेलसेन का शॉट नेट में चला गया और इधर प्रणय ने छह गेम प्वाइंट बनाकर गेम अपने नाम किया। निर्णायक गेम में भी शुरूआत में मुकाबला बराबरी का था लेकिन एक्सेलसेन की कमजोर रिटर्न से प्रणय ने ब्रेक तक 11 . 6 की बढत बना ली। ब्रेक के बाद भी उनकी बढत कायम रही और कुछ बेहतरीन शॉट लगाकर उन्होंने यह कठिन मुकाबला जीता।

दो साल में पहली बार अमेरिकी ओपन खेलेंगे जोकोविच

फ्लोरिडा,26अगस्त2023। नोवाक जोकोविच दो साल में पहली बार अमेरिकी ओपन खेलने पहुंच गए हैं और उनकी नजरें रिकॉर्ड 24वें ग्रैंडस्लैम खिताब पर लगी होंगी। पिछले साल कोरोना का टीका नहीं लगवाने के कारण

उन्हें अमेरिका में प्रवेश की अनुमति नहीं मिली थी। वह कैलिफोर्निया और फ्लोरिडा में भी टूर्नामेंट नहीं खेल सके थे। उन्होंने सोमवार से शुरू हो रहे टूर्नामेंट के लिये यहां पहुंचने के बाद कहा ,''मुझे गुस्सा नहीं आया था। पिछले साल अमेरिकी ओपन के दौरान मलाल जरूर हुआ था कि मैं यहां क्यो नहीं हूं। मुझे नहीं खेल पाने का दुख था। लेकिन अब मैं यहां हूं और बीती बातों के बारे में नहीं सोच रहा। मेरा फोकस इस टूर्नामेंट पर है।'

पिछली बार 2021 में वह अमेरिकी ओपन फाइनल में दानिल मेदवेदेव से हार गए थे। जोकोविच पुरूष टेनिस में सबसे ज्यादा 23 ग्रैंडस्लैम एकल खिताब जीत चुके हैं लेकिन अगर वह यहां जीतते हैं तो ओपन युग में सबसे अधिक 24 खिताब जीतने वाली सेरेना विलियम्स को पीछे छोड़ देंगे।

चौथे नंबर के लिये परफेक्ट हैं विराट कोहली:एबी डिवीलियर्स

ब्राजील,26अगस्त 2023।

दक्षिण अफ्रीका के महान क्रिकेटर एबी डिविलियर्स का मानना है कि विश्व कप में भारत के लिये चौथे नंबर पर विराट कोहली सर्वश्रेष्ठ विकल्प हैं क्योंकि वह मध्यक्रम में हर भूमिका निभाकर पारी के सूत्रधार बन सकते हैं। युवराज सिंह के क्रिकेट से संन्यास के बाद से भारत को चौथे नंबर के लिये सही विकल्प नहीं मिला है। दो महीने बाद भारत में वनडे विश्व कप होना है और इस क्रम को लेकर बहस जारी है।

डिविलियर्स ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा ,'' हम अभी भी यह बात कर रहे हैं कि भारत के लिये चौथे नंबर पर कौन उतरेगा। मैने सुना है कि विराट उतर सकता है। मैं भी इसका समर्थक हूं।' उन्होंने कहा ,'' विराट चौथे नंबर के लिये परफेक्ट हैं। वह पारी का सूत्रधार बन सकता है और मध्यक्रम में हर भूमिका निभाने में

सक्षम है।''

उन्होंने कहा ,'' हमें पता है कि उसे तीसरे नंबर पर उतरना पसंद है। उसने अपने सारे रन उसी क्रम पर बनाये हैं लेकिन आखिर में अगर टीम आपसे कोई विशेष भूमिका चाहती है तो आपको उसे निभाना होता है।'' कोहली ने चौथे नंबर पर भी 39 पारियों में 1767 रन बनाये हैं।

वह हालांकि आखिरी बार चौथे नंबर पर जनवरी 2020 में आस्ट्रेलिया के खिलाफ मुंबई में खेले थे। एशिया कप के लिये लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल को भारतीय टीम से बाहर किये जाने से निराश डिविलियर्स ने कहा ,'' चहल को बाहर किया गया है। चयनकर्ताओं ने संकेत दे दिये हैं कि वे किसे चुनेंगे। मैं इससे निराश हूं। युजी उम्दा गेंदबाज है और टीम में लेग स्पिन का विकल्प होना ही चाहिये।

दिग्गज फुटबॉलर नेमार जूनियर भारत आएंगे!

ब्राजील,26अगस्त 2023।

भारतीय फुटबॉल फैंस के लिए खुशखबरी है। दरअसल, ब्राजील के स्टार फुटबॉल नेमार इस साल भारत में अपना पहला मैच खेल सकते हैं। उनके नए क्लब अल-हिलाल को एएफसी चैंपियंस लीग में भारतीय क्लब मुंबई सिटी एफसी के खिलाफ खेलना है। नेमार ये मैच खेलने के लिए भारत आ सकते हैं। एएफसी चैंपियंस लीग के ग्रुप राउंड का ड्रॉ जारी किया गया। इस दौरान मुंबई सिटी एफसी को सऊदी अरब के क्लब अल हिलाल के साथ ग्रुप-डी में जगह मिली।

ग्रुप राउंड में अल-हिलाल और मुंबई सिटी एफसी के बीच मुकाबला पुणे के श्री शिव छत्रपति स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में होगा। ग्रूप राउंड के मुकाबले 18 सितंबर से शुरू होंगे। मुंबई सिटी के ग्रुप में अल-हिलाल के अलावा ईरान की एफसी नासाजी मजांदरान और उज्बेकिस्तान की नवबहोर है। फैंस स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो के भी भारत आने की उम्मीद कर रहे थे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। रोनाल्डो की टीम अल-नसर ग्रुप-ई में है। वहीं, लियोनेल मेसी ने दो गोल करने में मदद की और बाद में पेनल्टी किक पर गोल दागा जिससे इंटर मियामी ने दो गोल से पिछड़ने के बाद वापसी करके मेजर सॉकर लीग में टॉप पर चल रहे सिनसिनाटी को पेनल्टी शूटआउट में 5-4 से हराकर यूएस ओपन कप फुटबॉल प्रतियोगिता के फाइनल में प्रवेश किया। सिनसिनाटी ने शुरू में ही 2-0 से बढ़त हासिल कर ली थी। इसके बाद मेसी के प्रयासों से लियोनार्डो कैम्पाना ने दो गोल दागकर इंटर मियामी को बराबरी दिलाई।

प्रज्ञानानंदा और गुकेश बिखेर रहे चमक

» भारत में शतरंज प्रतिभाओं की भरमार

नईदिल्ली,26 अगस्त 2023। लंबे समय तक पांच बार के विश्व चैम्पियन विश्वनाथन आनंद भारतीय शतरंज के एकमात्र ध्वजवाहक हुआ करते थे जो अपने प्रदर्शन से पूरी दुनिया को हैरान करते रहे थे। लेकिन पिछले करीब एक दशक में चीजों में काफी बदलाव आया है और भारतीय शतरंज में ऐसे कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी सामने आ रहे हैं जो दुनिया में देश का नाम रोशन कर रहे हैं। देश से निकल रहे इतने ग्रैंडमास्टर्स को देखते हुए आनंद ने भी कहा कि मौजूदा पीढ़ी भारतीय शतरंज की स्वर्णिम पीढ़ी है। चार भारतीय खिलाड़ी - आर प्रज्ञानानंद, अर्जुन एरिगेसी, डी गुकेश और विदित संतोष गुजराती - बाकू में फिडे

विश्व कप के क्वार्टरफाइनल में पहुंचे जो देश के लिए ऐसे खेल में पहली बार हुआ जिसमें लंबे समय तक सोवियत संघ और बाद में रूस का दबदबा रहा है। प्रज्ञानानंदा चमकदार प्रदर्शन करते हुए विश्व कप के फाइनल में पहुंचे, वह आनंद के बाद यह उपलब्धि हासिल करने वाले पहले भारतीय बने।

इस तरह उन्होंने कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए अपना स्थान भी पक्का किया जिससे तय होगा कि मौजूदा विश्व चैम्पियन डिंग लिरेन को कौन चुनौती देगा। प्रज्ञानानंदा ने फाइनल से पहले दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी हिकारू नाकामुरा और तीसरे नंबर के खिलाड़ी फैबियानो कारूआना को पराजित किया। प्रज्ञानानंदा(18), गुकेश (17) और एरिगेसी (19) की तिकड़ी को नेतृत्वकर्ता कहा जा सकता है। प्रज्ञानानंदा की उपलब्धियां सभी देख चुके हैं, गुकेश पिछले साल में बेहतर से बेहतर हो रहे हैं और एरिगेसी का खेल भी काफी बेहतर हो गया है। प्रज्ञानानंदा अमेरिका के महान खिलाड़ी बॉबी फिशर और नार्वे के मैग्नस कार्लसन के बाद कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई करने वाले तीसरे युवा खिलाड़ी बन गये हैं। कैंडिडेट्स के लिए क्वालीफाई करके प्रज्ञानानंदा ने विश्व खिताब के लिए चैलेंजर बनने के लिए खुद को दौड़ में शामिल कर लिया है।

गुकेश पिछले साल चेन्नई में हुए शतरंज ओलंपियाड में अपने शानदार प्रदर्शन के बाद से बेहतर ही होते जा रहे हैं। इसके बाद से उन्होंने अपने खेल में काफी सुधार किया और लाइव रेटिंग में पांच बार के विश्व चैम्पियन आनंद को पछाड़कर देश के नंबर एक खिलाड़ी बन गये। आनंद ने कहा था कि वह यह देखकर काफी हैरान थे कि मौजूदा पीढ़ी में ज्यादातर खिलाड़ियों की ईएलओ रेटिंग 2700 से ज्यादा की है, विशेषकर 20 साल से कम उम्र के खिलाड़ियों की जिसे उन्होंने विशेष करार दिया था।

भारतीय कुश्ती महासंघ की सदस्यता समाप्त होने पर सामने आया बृजभूषण सिंह का रिएक्शन

नईदिल्ली,26अगस्त 2023। विश्व कुश्ती संघ ने भारतीय कुश्ती महासंघ की सदस्यता को 24 अगस्त को समाप्त कर दिया। विश्व कुश्ती संघ के इस फैसले ने भारतीय पहलवानों के लिए मुश्किल खड़ी कर दी है। इसके कारण भारतीय पहलवान देश के झंडे के नीचे हिस्सा नहीं ले सकेंगे। विश्व कुश्ती संघ ने ये फैसला भारतीय कुश्ती संघ के चुनाव नहीं होने के कारण लिया है। वहीं 16 सितंबर से होने वाली विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में भारतीय कुश्ती खिलाड़ियों को ओलंपिक क्वालिफाइंग विश्व चैंपियनशिप में न्यूट्रल एथलीट के तौर पर हिस्सा लेना होगा।

भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह का कार्यकाल खत्म होने के बाद 45 दिनों के अंदर चुनाव न होने के कारण भारतीय खिलाड़ियों को इस स्थिति से गुजरना पड़ा। वहीं इस पर बृजभूषण शरण सिंह ने इसे देश के लिए सबसे बड़ा आघात बताया है। उनका कहना है कि, ऐसा देश के इतिहास में पहली बार हुआ है इसलिए वो प्रार्थना करते हैं कि देश जल्दी ही इस आघात से बाहर निकले।

विश्व चैम्पियनशिप के ट्रायल में शीर्ष पर रही अंतिम

» दिव्या और सरिता ने की शानदार वापसी

नई दिल्ली,26अगस्त2023। अंतिम पंघाल ने टियाला में विश्व कुश्ती चैंपियनशिप ट्रायल जीतकर एक बार फिर देश के शीर्ष पहलवानों में से एक के रूप में उभरने की पुष्टि की, जबकि दिव्या काकरान और सरिता मोर ने एशियाई खेलों के ट्रायल में हार की निराशा से उबरते हुए वैश्विक टूर्नामेंट के लिए अपनी जगह पक्की की। अंतिम (53 किग्रा) हाल ही में अम्मान (जॉर्डन) में अंडर 20 विश्व कप में अपने खिताब का बचाव करने वाली पहली भारतीय महिला पहलवान बनी थी। उसने पिछले महीने एशियाई खेलों का ट्रायल भी जीता था। ट्रायल में 53 किग्रा वर्ग में मंजू, पूजा जाट और रजनी ने भी चुनौती पेश की थी लेकिन 16 सितंबर से बेलग्रेड में होने वाले विश्व चैंपियनशिप के लिए अंतिम ने बाजी मारी।

विश्व चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता सरिता ने पिछले महीने एशियाई खेलों के 57 किग्रा में ट्रायल में अंडर 23 विश्व चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता मानसी अहलावत से

मिली अप्रत्याशित हार के बाद यहां शानदार वापसी करते हुए विश्व चैम्पियनशिप का ट्रायल जीतकर टीम में जगह भी पक्की कर ली। पिछले महीने के एशियाई खेलों के ट्रायल के दौरान 68 किग्रा से 76 किग्रा में किस्मत आजमाने वाली काकरान को एशियाई खेलों के ट्रायल में निराशा हाथ लगी थी। उन्होंने हालांकि इस वर्ग में रेलवे की पहलवान किरण को पटखनी देकर हिसाब बराबर किया। किरण ने एशियाई खेलों के ट्रायल में काकरान को हराया था। अम्मान में आयोजित अंडर 20 विश्व चैंपियनशिप में रजत पदक विजेता अंतिम कुंडू ने भी 65 किग्रा वर्ग में बेलग्रेड स्पर्धा के लिए अपना स्थान पक्का कर लिया। इस भार वर्ग में सारिका, मोनिका और रविता ने भी चुनौती पेश किये थे। यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग (यूडब्ल्यूडब्ल्यू) ने भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) पर प्रतिबंध लगा दिया। अगर यह प्रतिबंध नहीं हटा तो भारतीय पहलवान तटस्थ खिलाड़ी के तौर पर यूडब्ल्यूडब्ल्यू के बैनर तले चुनौती पेश करेंगे। चयन ट्रायल को जीतने वाले पहलवान- ग्रीको-रोमन शैली- 55 किग्रा - अजय, 60 किग्रा - मनीष, 63 किग्रा- विक्रम, 67 किग्रा - विनायक , 72 किग्रा - अंकित गुलिया, 77 किग्रा- गुरप्रीत सिंह, 82 किग्रा- साजन , 87 किग्रा- मनोज कुमार, 97 किग्रा- शैलेश , 130 किग्रा- मेहर सिंह (एसएससीबी)। महिला कुश्ती- 50 किग्रा- नीलम, 53 किग्रा अंतिम, 55 किग्रा- नेहा, 57 किग्रा- सरिता, 59 किग्रा- अंजलि , 62 किग्रा- मनीषा, 65 किग्रा- अंतिम, 68 किग्रा- प्रियंका, 72 किग्रा- ज्योति बेरवाल, 76 किग्रा- दिव्या काकरान।

भारतीय टेनिस खिलाड़ियों को एकल पर फोकस करना चाहिये : पेस और भूपति

नईदिल्ली,26अगस्त2023। महान टेनिस खिलाड़ी लिएंडर पेस और महेश भूपति का मानना है कि भारतीय खिलाड़ियों को युगल की बजाय एकल पर फोकस करना चाहिये। यह पूछने पर कि क्या भारतीय खिलाड़ियों को युगल पर अधिक ध्यान देना चाहिये, भूपति ने कहा ,'' नहीं। वे ऐसा क्यो करेंगे।''

उन्होंने कहा ,''रमेश कृष्णन (80 के दशक के मध्य में) के बाद से हमारा कोई खिलाड़ी किसी ग्रैंडस्लैम में एकल क्वार्टर फाइनल तक नहीं गया है। हमें उसी पर फोकस करना चाहिये। युगल में हमने इतने ऊंचे मानक कायम किये हैं कि उस तक पहुंचने में दशक लगेंगे।''यूएस पोलो एसोसिएशन द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम से इतर पेस ने कहा ,'' आपको हर वर्ग को अलग करके देखना होगा। एकल हो, युगल या मिश्रित युगल , सभी टेनिस है। एकल पर फोकस करना चाहिये क्योंकि सबसे ज्यादा शोहरत उसी में मिलती है।'' उन्होंने इस साल के विम्बलडन चैम्पियन स्पेन के कार्लोस अल्काराज का उदाहरण दिया जो 20 वर्ष की उम्र में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी बन गए हैं।

उन्होंने कहा ,'' एकल के लिये युवाओं को तैयार करना सबसे कठिन है। अल्काराज को देखो जो सिर्फ 20 साल का है और दुनिया का नंबर एक खिलाड़ी है। हमारे बच्चे 18 या 19 वर्ष की उम्र में भी जूनियर से बाहर नहीं निकल पाते। फिर सोचते हैं कि कॉलेज जायें या आगे पेशेवर टेनिस खेले। यह दुनिया ही अलग है।''भूपति ने कहा कि यह मान लेना गलत है कि भारतीय एकल खिलाड़ियों के लिये आगे कठिन समय है। उन्होंने कहा ,'' पिछले साल अल्काराज ने एक चैम्पियनशिप जीती और इस साल नंबर एक है। मुझे नहीं लगता कि यह कहना सही होगा कि कोई भारतीय खिलाड़ी एकल में शीर्ष स्तर पर नहीं खेल सकेगा।

विक्रांत मैसी की 12वीं फेल का टीजर जारी

विक्रांत मैसी जल्द ही फिल्म 12वीं फेल में अपनी मौजूदगी दर्ज करवाएंगे। विधु विनोद चोपड़ा द्वारा निर्देशित यह फिल्म आईपीएस अधिकारी मनोज शर्मा पर आधारित है। अब निर्माताओं ने 12वीं फेल का टीजर जारी कर दिया है। यह फिल्म अनुराग पाठक के इसी नाम से आए लोकप्रिय उपन्यास पर आधारित है। 12वीं फेल 27 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसकी ज्यादातर शूटिंग दिल्ली के मुखर्जी नगर में हुई है, जहां से मनोज शर्मा ने यूपीएससी की पढ़ाई की थी।

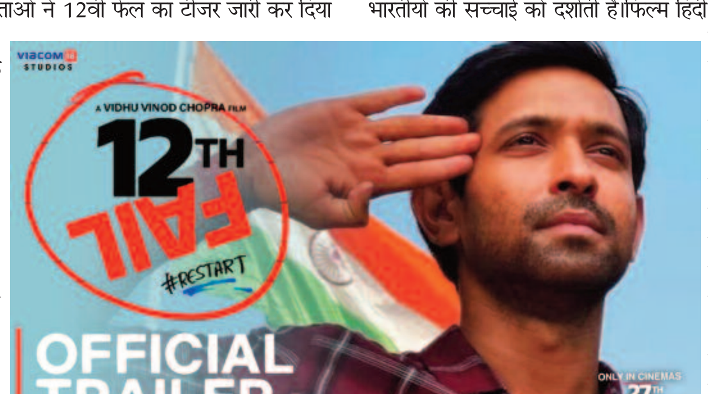

विक्रांत ने 12वीं फेल का टीजर साझा करते हुए लिखा, जबान चलाना शुरू कहां की अब तक- चंबल का हूं, समझा? 12वीं फेल का अनुभव, अनुराग पाठक की बेस्टसेलर से प्रेरित। यूपीएससी छात्रों के जीवन और संघर्ष को दिखाती एक फिल्म। सच्ची कहानी पर आधारित, वास्तविक छात्रों के साथ वास्तविक स्थानों पर फिल्माई गई, धैर्य, अखंडता और दृढ़ संकल्प की यह गाथा दस लाख भारतीयों की सच्चाई को दर्शाती है।फिल्म हिंदी, तमिल, तेलुगु और मलयालम भाषाओं में रिलीज होगी। मनोज मध्य प्रदेश के मुरैना के रहने वाले हैं। उनका कहना है वह 10वीं-11वीं में नकल करके पास हुए थे, लेकिन 12वीं में फेल हो गए। अपना गुजारा करने के लिए मनोज ऑटोरिक्शा चलाने लगे।इसके बाद अधिकारी बनने का सपना लिए वह ग्वालियर चले गए। यहां पैसे न होने के कारण वह भिखारियों के साथ सोते थे।लगातार 3 कोशिशों के बाद चौथी बार में वह आईपीएस अधिकारी बन गए।मनोज 2005 बैच के महाराष्ट्र कैडर से आईपीएस बने।

सिंपल साड़ी पहन रकुल प्रीत ने मिलियन डॉलर स्माइल देकर लूटी लाइमलाइट

बॉलीवुड एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह आए दिन अपनी बोल्ड और खूबसूरत तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर फेंस का दिल मचल देती हैं। एक्ट्रेस इन दिनों अपनी एक से बढ़कर एक ग्लैमरस फोटोज इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट करने में लगी हुई हैं। हालांकि वो जब भी अपनी तस्वीरें फैंस के बीच शेयर करती हैं तो वो कुछ ही मिनटों में वायरल होने लग जाती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपनी लेटेस्ट तस्वीरों से इंटरनेट पर सादगी भरे अंदाज से तड़का लगा दिया है। एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह इन दिनों अपनी लेटेस्ट तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर कर फेंस का अटेंशन अपनी ओर खींचती रहती हैं। वो जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनके हर एक लुक्स पर अपना दिल हार जाते हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपनी लेटेस्ट तस्वीरें फैंस के बीच शेयर कर इंटरनेट का पारा गर्म कर दिया है। इन तस्वीरों में एक्ट्रेस ने बेहद ही खूबसूरत साड़ी पहनी हुई है, जिसमें वो बेहद खूबसूरत नजर आ रही हैं। रकुल प्रीत सिंह ने अपनी इन तस्वीरों में रेड कलर की साड़ी के साथ गोल्डन ब्लाउज पहना हुआ है। कानों में इयररिंग्स, बालों का बन बनाकर और साथ ही मिनिमल मेकअप कर के एक्ट्रेस ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं रकुल प्रीत सिंह ने प्यारी सी स्माइल देते हुए अपने इस लुक पर चार चांद लगा दिए हैं। रकुल प्रीत सिंह सोशल मीडिया लवर हैं। एक्ट्रेस को इंस्टाग्राम पर 23.3 मिलियन यूजर्स फॉलो करते हैं।

करीना कपूर ने किया अपनी नई फिल्म जाने जान का ऐलान

बॉलीवुड की बेबो यानी करीना कपूर लंबे समय के बाद एक बार फिर स्क्रीन पर धमाल मचाने के लिए तैयार हैं। काफी समय से फिल्मों से दूर रहीं अभिनेत्री एक दमदार कमबैक की घोषणा कर चुकी हैं। करीना कपूर खान ने आखिरकार सुजॉय घोष द्वारा निर्देशित अपनी आगामी क्राइम थ्रिलर जाने जान की घोषणा कर दी है। इसमें विजय वर्मा और जयदीप अहलावत भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। अब इस फिल्म का फर्स्ट लुक जारी हो गया है। तो चलिए जानते हैं कि अभिनेत्री कैसी लग रही हैं। गौरतलब है कि फिल्म के पहले लुक के साथ करीना कपूर खान, जयदीप अहलावत और विजय वर्मा अभिनीत और सुजॉय घोष द्वारा निर्देशित जाने जान 21 सितंबर, 2023 को रिलीज होगी। इस घोषणा का करीना कपूर के प्रशंसकों को लंबे समय से इंतजार था क्योंकि 21 सितंबर को ही अभिनेत्री अपना जन्मदिन भी मनाती हैं। करीना कपूर खान इस फिल्म में बिल्कुल नए रूप में एक मां की भूमिका निभाती नजर आएंगी। फिल्म में

जयदीप अहलावत का लुक आपको डबल करने पर मजबूर कर देगा, जबकि विजय वर्मा एक हैंडसम पुलिस ऑफिसर की भूमिका निभा रहे हैं। यह फिल्म कलिम्पोंग पर आधारित है। नेटफ्लिक्स ने वीडियो शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, 'जाने जान हमारे अपने जाने जान के जन्मदिन पर आ रही है करीना कपूर खान। किसी अन्य से बेहतर तोहफे का इंतजार किए बिना अपने-अपने कैलेंडर पर डेट मार्क करें। जानेजान 21 सितंबर को आएगी, केवल नेटफ्लिक्स पर!

एक इंटरव्यू में निर्देशक सुजॉय घोष ने अपनी आगामी फिल्म के बारे में बताते हुए कहा, 'जाने जान उस किताब पर आधारित है, जो लंबे समय से मेरे जीवन का प्यार रही है। जिस दिन से मैंने 'डिवोशन ऑफ सस्पेक्ट एक्स' पढ़ा। मैं इसे एक फिल्म में रूपांतरित करना चाहता था। यह मेरी अब तक पढ़ी सबसे अद्भुत प्रेम कहानी थी और आज करीना, जयदीप और विजय की बदौलत वह कहानी पर्दे पर जीवंत है।'

छत्तीसगढ़ के 15 लाख परिवार उन्नत शौचालयों से वंचित

» वंचित परिवारों को सुविधा देने का अनुरोध किया,निर्माण प्रोत्साहन 12000 से बढ़ाकर 30000 रुपए करने की मांग

» पिछली सरकार ने 4000 करोड़ खर्च कर बनाए थे 32 लाख शौचालय, तब भी 23.2 प्रतिशत परिवार वंचित

» अतिवाद प्रभावित तथा दुर्गम क्षेत्रों में ग्राम पंचायतों के माध्यम निर्माण की स्वीकृति मिले

रायपुर,26 अगस्त 2023 (ए)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर चिंताई जताई है कि पिछली सरकार द्वारा राज्य को ओडीएफ घोषित किए जाने के बावजूद 15 लाख परिवार उन्नत शौचालय सुविधा से वंचित हैं। श्री बघेल ने इन परिवारों को यह सुविधा उपलब्ध कराने की मांग प्रधानमंत्री से की है। साथ ही कहा है कि उन्नत शौचालय निर्माण की प्रोत्साहन राशि 12000 रुपए प्रति परिवार से बढ़ाकर 30000 रुपए की जानी चाहिए। उन्होंने अतिवाद प्रभावित तथा दुर्गम क्षेत्रों में ऐसे शौचालयों का निर्माण ग्राम पंचायतों के माध्यम से स्वीकृत करने का अनुरोध किया है।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने पत्र में लिखा है कि भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय के तत्वावधान में कराये गये राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण 6 (2019-21) में यह पाया गया है कि छत्तीसगढ़ के शहरी

क्षेत्रों में 88.2 प्रतिशत परिवार एवं ग्रामीण क्षेत्रों के 73.5 प्रतिशत परिवार उन्नत शौचालय सुविधा का लाभ उठा रहे हैं। इस तरह राज्य के कुल परिवारों में से 76.8 प्रतिशत परिवार उन्नत शौचालय सुविधा का उपयोग कर रहे हैं तथा 23.2 प्रतिशत परिवार इस सुविधा से वंचित हैं। विगत माह राज्य सरकार द्वारा कराये गये सामाजिक आर्थिक सर्वेक्षण के दौरान शौचालयों के भौतिक सत्यापन से राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 के जारी आंकड़ों की पुष्टि होती है।

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने पत्र में आगे कहा है कि पूर्ववर्ती सरकार के कार्यकाल में राज्य में 32 लाख से अधिक शौचालय निर्मित किये हुये थे तथा जनवरी 2018 में संपूर्ण राज्य को ओ.डी.एफ घोषित किया गया था। शौचालयों के निर्माण में लगभग 4,000 करोड़ रुपये से अधिक राशि का व्यय हुआ था। इतनी राशि व्यय करने के बाद भी राज्य के लगभग 15 लाख परिवारों को वर्तमान में उन्नत शौचालय की सुविधा न होना चिंता एवं जांच का विषय है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र के माध्यम से अनुरोध करते हुए लिखा है कि भारत सरकार के प्रशासकीय विभाग द्वारा स्वतंत्र तृतीय पक्ष के माध्यम से वस्तुस्थिति की जांच करायी जाये तथा राज्य की भौगोलिक एवं जनांकिकीय स्थिति को ध्यान में रखते हुये उन्नत शौचालय सुविधा रहित परिवारों के लिए शौचालय निर्माण हेतु प्रति परिवार प्रोत्साहन राशि को 12,000 रू के स्थान पर 30,000 रू करते हुए राशि स्वीकृत की जावे एवं अतिवाद प्रभावित तथा दुर्गम क्षेत्रों में ग्राम पंचायतों के माध्यम से शौचालय निर्माण की सहमति दी जाये।

प्रत्याशियों को देनी होगी अपने क्रीमिनल रिकार्ड की जानकारी

» नो योअर कैंडिडेट एप में होगी सारी जानकारी

» शराब, रूपए बांटने के मामले में करें त्वरित कार्यवाही

» फेक न्यूज पर नजर रखने स्पेशल सेल का गठन

रायपुर,26 अगस्त 2023(ए)। छत्तीसगढ़ में होने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारियां युद्ध स्तर पर जारी हो गई है। इधर भारत निर्वाटन आयोग की ओर से मुख्य निर्वाचन आयुक्त दो अन्य आयुक्तों के साथ चुनाव तैयारियों का निरीक्षण करने पहुंचे हैं। यहां आयोग की तैयारियों के साथ ही अधिकारियों ने प्रदेश के सभी जिलों के कलेक्टर और पुलिस अधीक्षकों के साथ ही संभागायुक्तों के साथ बैठक कर चुनाव तैयारियों की जिलेवार समीक्षा भी कर ली है। आज एक प्रेसवार्ता में उन्होंने इस संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी मीडिया के साथ साझा की।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार ने बताया कि इस बार विधानसभा चुनाव लडने वाले सभी उम्मीदवारों को अपना रिकार्ड सार्वजनिक करना होगा। इसके लिए उन्हें अपना रिकार्ड कम से कम तीन बार दैनिक अखबारों में प्रकाशित करवाना होगा। इसके अलावा उम्मीदवारों को अपना क्रीमिनल रिकार्ड भी देना होगा। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने इसी तरह सारे एजेंसियो को, चाहे वह केन्द्रीय हो या राज्य की, सख्त हिदायत दी गई है कि वे एक दूसरे से जानकारी साझा करें। एक-दूसरे से समन्वय बनाकर कार्य करें। चाहे वह शराब का मामला हो या रुपए बांटने का, सख्त कार्रवाई की जाए। खासकर चैक पोस्ट पर विशेष ध्यान देने की हिदायत दी गई है। इसी तरह सोशल मीडिया मॉनिटरिंग के अंतर्गत फेक न्यूज पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। वरिष्ठ पुलिस अफसरों को स्पेशल सेल का गठन करने कहा गया है।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने बताया कि छत्तीसगढ़ में कई दुर्गम क्षेत्र और इलाके हैं जहां चुनाव आयोग की टीम को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा। मगर आयोग इसके लिए तैयार हैं, इन सभी इलाकों में सफलतापूर्वक निर्वाचन कार्य संपन्न कराया जाएगा। इसके पहले भी आयोग की टीम ऐसे इलाकों में पहुंचकर लोकतंत्र के महापर्व में अपनी महती जिम्मेदारी निभा चुकी है। उन्होंने बताया कि आगामी चुनाव को लेकर सभी को अपने प्रत्याशी के बारे में जानना चाहिए, इसके लिए नो योर केंडिडेट एप से जानकारी मिल सकेगी। इसमें प्रत्याशियों को अपनी पूरी जानकारी देनी होगी। साथ ही प्रत्याशियों को अपने क्रिमिनल रिकॉर्ड की जानकारी देना अनिवार्य है। अखबार में कम से कम तीन बार प्रकाशित करवाना अनिवार्य है। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने चुनाव आयोग की तरफ से छत्तीसगढ़ वासियों का हार्दिक अभिनंदन करते हुए आगामी चुनाव में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आग्रह किया।

शिक्षा विभाग में हुआ पोस्टिंग संशोधन घोटाला

»तबादलों को निरस्त करने की नोट शीट समन्वय समिति के सुपुर्द

रायपुर, 26 अगस्त 2023(ए)। प्रदेश के शिक्षा विभाग में हुई सहायक शिक्षकों की पदोन्नति और पोस्टिंग घोटाले को लेकर एक बार फिर बड़ी खबर सामने आई है। शिक्षा मंत्री रविंद्र चौबे ने सभी पोस्टिंग निरस्त करने की नोटशीट को समन्वय समिति को भेज दिया है। इस समिति के मुखिया सीएम होते हैं।

मिली जानकारी के मुताबिक मंत्री चौबे ने दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई एवं संशोधन सूची को निरस्त करने के लिए नोट शीट में हस्ताक्षर कर समन्वय समिति को भेज दिया है।

जमकर हुआ है घोटाला

गौरतलब है कि करीब चार हजार से अधिक सहायक शिक्षकों को पदोन्नत कर जिला या बड़े कस्बों में पोस्टिंग के बदले बड़ी वसूली का खेल किया गया था। इसका खुलासा होने पर शिक्षा मंत्री रविंद्र चौबे ने तीन जेडी समेत दस अधिकारियों को निलंबित किया है। यह घोटाला पूर्व मंत्री के कार्यकाल में हुआ था। इस घोटाले के जिम्मेदार प्रमुख अधिकारियों को तो निलंबित कर दिया गया है। मगर सेटिंग के बाद जो तबादले हो चुके हैं उन्हें निरस्त करने की कार्रवाई शिक्षा मंत्री रविंद्र चौबे के पास लंबित रही। चूंकि पोस्टिंग संशोधन हजारों की संख्या में हुए हैं, इसलिए यह प्रकरण मुख्यमंत्री के पास भेजे जाने की बात कही जा रही थी। अब शिक्षा मंत्री रविंद्र चौबे ने इस प्रकरण की नोटशीट मुख्यमंत्री की अध्यक्षता वाली समन्वय समिति को भेज दिया है। देखना ये है कि इस मामले में शिक्षा विभाग की सर्वोच्च समिति क्या फैसला करती है।

लॉ यूनिवर्सिटी 3 सितंबर तक बंद

» एचएनएलयू में छात्रा की मौत का मामला गरमाया

» अभविप कार्यकर्ताओं ने किया हंगामा,कुलपति से मांगा इस्तीफा

रायपुर,26 अगस्त 2023(ए)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर स्थित हिदायतुल्लाह लॉ यूनिवर्सिटी की छात्रा की संदिग्ध मौत का मामला गरमाने लगा है कार्यकर्ताओं ने आज यूनिवर्सिटी के बाहर जमकर हंगामा किया और हिदायतुल्लाह लॉ यूनिवर्सिटी के कुलपति से इस्तीफे की मांग की।

नारेबाजी करते हुए एबीवीपी के कार्यकर्ता यूनिवर्सिटी के अंदर घुसे. इस दौरान सुरक्षा गार्ड और पुलिसकर्मियों से जमकर झूमझाटकी हुई. वहीं इस मामले के बाद हिदायतुल्लाह नेशनल लॉ यूनिर्वसिटी ने सप्ताहभर के लिए कक्षाएं बंद कर दिया है. छात्र-छात्राओं को यूनिवर्सिटी से घर भेजा जा रहा.

मिली जानकारी के मुताबिक, मृतका उर्वी भारद्वाज लॉ यूनिवर्सिटी में 9वें सेमेस्टर की थी छात्रा. मृतका मूलतः बिहार की रहने वाली थी. पुलिस मामले की जांच में जुटी है. शव को पीएम के लिए भेजा गया है. राखी थाना प्रभारी सत्येंद्र श्याम ने बताया कि हिदायतुल्ला लॉ यूनिवर्सिटी में छात्रा की मौत का मामला सामने आया है. यूनिर्वसिटी के बाथरूम में छात्रा का शव मिला है. मौके से किसी प्रकार का सुसाइडल नोट नहीं मिला है. मृत छात्रा मूलतः बिहार की रहने वाली है. यूनिवर्सिटी प्रबंधन से पूछताछ की जा रही है. उर्वी के दोस्तों से भी पूछताछ की जा रही है. परिजनों को सूचना दे दी गई है. पूरे प्रकरण पर पुलिस जांच कर रही है.

कमेटी करेगी मामले की जांच : रजिस्ट्रार

हिदायतुल्ला लॉ यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार डॉ. विपन कुमार ने बताया कि उर्वी भारद्वाज की मृत्यु की जानकारी मिली है. वह हमारे विश्वविद्यालय की होनहार छात्रा थी. आज क्लास के बीच में उर्वी वॉशरूम गई थी. इसी बीच काफी देर तक वापस नहीं आने पर उसके दोस्तों ने देखा, तब मृत्यु की जानकारी सामने आई. इस पूरे मामले पर कमेटी गठित कर जांच की जाएगी।

राज्य शिक्षक अलंकरण से सम्मानित होंगे 48 शिक्षक

» राजभवन में प्रदेश के इन शिक्षकों को राज्यपाल करेंगे सम्मानित,

» शिक्षा विभाग ने जारी किया गाइडलाइन

रायपुर,26 अगस्त 2023(ए)। छत्तीसगढ़ के 48 शिक्षकों को इस बार राज्य शिक्षक अलंकरण अवार्ड से सम्मानित किया जायेगा। 5 सितंबर शिक्षक दिवस के दिन राजभवन में राज्यपाल के हाथों ये शिक्षक सम्मानित होंगे। डीपीआई की तरफसे संदर्भ में सभी को निर्देश के साथ सूची भेज दी गयी है। सम्मान पाने वाले शिक्षक एक दिन पहले ही 4 सितंबर को रायपुर के गेस्ट हाउस में पहुंचेंगे। शिक्षक अकेले ही सम्मान लेने के लिए आयेंगे। राजभवन में शिक्षक के साथ अन्य व्यक्ति और परिजनों को प्रवेश की इजाजत नहीं होगी। अगर कोई शिक्षक सम्मान प्राप्त करते हुए अपनी तस्वीर खिंचवाते हैं, तो उन्हें इसके लिए संबंधित फेटोग्राफर को इसके लिए भुगतान करना होगा।

राजस्थान की तर्ज पर छत्तीसगढ़ में भी एलपीजी सिलेंडर 500 रु. कम करेगी भूपेश सरकार

रायपुर,26अगस्त 2023(ए)। प्रदेश प्रभारी महासचिव सैलजा ने नवंबर में होने जा रहे विधानसभा चुनाव के लिए घोषण पत्र बनाने के लिए गठित कांग्रेस की समिति के सदस्यों के साथ राजीव भवन में बैठक की। इस मौके पर समिति अध्यक्ष वन मंत्री मो.अकबर और समिति के सदस्यों ने अपने-अपने सुझाव दिए। पार्टी ने इस बार आम लोगों से सुझाव लेने ई-मेल एड्रेस भी जारी किया है।

कांग्रेस इस बार भी लुभावना घोषणा पत्र तैयार करने की रणनीति पर काम कर रही है। इसमें लोगों को महंगाई से राहत देने वाले उपायों की घोषणा के साथ ही रोजगार के अवसर बढ़ाने पर जोर दिया जा सकता है। किसान और पशुपालकों सहित सरकार की अन्य योजनाओं के विस्तार पर भी विचार किया जा रहा है।

सूत्रों के अनुसार के अनुसार कांग्रेस घेरलू गैस पर सब्सिडी देने की घोषणा करेगी । इसमें एलपीजी सिलेंडर 500 रुपये तक सस्ता करने पर विचार चल रहा है। इसी तरह सरकार हॉफ बिजली योजना का विस्तार कर सकती है। इसके तहत कुछ श्रेणी के उपभोक्ताओं को मुफ्त बिजली देने की भी घोषणा की जा सकती है। बैठक में मंत्री शिव डहरिया, रविन्द्र चौबे, प्रेमसिंह टेकाम, धनेन्द्र साहू, विधायक अरूण वोरा के अलावा वाणी राव, अटल श्रीवास्तव, इदरीश गांधी और सभी सदस्य मौजूद रहे।

3 सदस्यीय समिति का गठन

आज की बैठक में सदस्यों ने कई अहम सुझाव दिए। अकबर ने तीन महिला सदस्यों वाणी राव, हेमा देशमुख और शेषराज हरबंश की कमेटी बनाई है जो सभी संभागों में जाकर महिलाओं से संबंधित विषयों पर 4 सितंबर तक सुझाव देगी।

गौरतलब है कि राजस्थान की अशोक गहलोत सरकार ने रसोई गैस सिलेंडर 500 रुपये में देने की योजना शुरू कर दी है। यह देश में दी जाने वाली सबसे बड़ी रसोई गैस सब्सिडी है। इस कदम को राज्य की महिलाओं ने खूब सराहा, जो खासकर लोकसभा चुनावों के दौरान भाजपा का समर्थन करने के लिए जानी जाती हैं।

नहीं आए मुख्यमंत्री और कुमारी शैलजा

» कांग्रेस का संकल्प शिविर रह गया अधूरा

दुर्ग ,26 अगस्त 2023(ए)। दुर्ग में आज कांग्रेस ने संकल्प शिविर का आयोजन किया था जिसमें प्रभारी शैलजा तथा मुख्यमंत्री भूपेश बघेल शामिल होकर पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं को जीत का मंत्र देने वाले थे, मगर कांग्रेस के ये दोनो लीडर कार्यक्रम में नहीं आए। शिवनाथ नदी तट स्थित एक होटल में कार्यक्रम का आयोजन किया गया था किंतु मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के अलावा प्रदेश प्रभारी कुमारी शैलजा इस कार्यक्रम में शामिल नहीं हुए । दोनों नेताओं के अलावा सीनियर नेता कार्यकर्ताओं को चुनाव की तैयारी और जीत सुनिश्चित करने को लेकर टिप्स देने वाले थे।

शहर जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से संकल्प शिविर के लिए तैयारियां पूरी कर ली गई थी। विधायक अरुण बोरा ने महापौर धीरज बाकलीवाल व शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष गया पटेल के साथ स्थल का निरीक्षण भी कर लिया था, और बताया था कि संकल्प तस्वीर दोपहर शुरू होकर देर शाम तक चलेगा।

इसमें चिन्हित कार्यकर्ताओं को बुलाया गया था। मगर प्रदेश प्रभारी व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नहीं आने से संकल्प शिविर अधूरा रह गयासूत्र बताते हैं कि दुर्ग के एक केबिनेट मंत्री का गुट शुरू से नहीं चाह रहा था कि भूपेश बघेल इस कार्यक्रम में आए। विधानसभा टिकट की दावेदारी के अवसर के बाद यह संकल्प शिविर आयोजित था। इसमें कई क्षेत्रीय नेता शामिल हुए। शक्ति प्रदर्शन के लिए भी होड़ करने की तैयारी थी । मगर पता नहीं क्यों एन वक्त पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कार्यक्रम में आने से मना कर दिया और साथ ही छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस प्रभारी कुमारी शैलजा भी कार्यक्रम में नहीं आई। चुनाव के और पूर्व संघ इस तरह आयोजित संकल्प शिविर में दो बड़े नेताओं का नहीं आना पंक्ति के पीछे छुपी कई इबारत छोड़ गया है।

कांग्रेस के संकल्प शिविर पर धरमलाल कौशिक का तंज

दीपक बैज ने किया पलटवार

रायपुर,26अगस्त 2023(ए)। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के नजदीक आते ही सत्तापक्ष और विपक्षी पार्टी के नेताओं के बीच जुबानी जंग तेज हो गई है। कांग्रेस और भाजपा दोनों ही पार्टी आगामी विधानसभा चुनाव को भारी बहुमत से जीतने का दवा कर रही है। इसी बीच कांग्रेस के संकल्प शिविर पर पूर्व नेता प्रतिपक्ष धरमलाल कौशिक ने तंज कसते हुए कहा कि किस बात का संकल्प ले रहे हैं? कार्यकर्ताओं को क्या सिखाएंगे? पीसीसी चीफ दीपक बैज ने कौशिक के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि अगर 15 साल का लिस्ट निकलें तब बीजेपी खड़ी भी नहीं हो पाएगी।

कांग्रेस के संकल्प शिविर पर पूर्व नेता प्रतिपक्ष धरमलाल कौशिक ने तंज कसते हुए कहा कि किस बात का संकल्प ले रहे हैं? कार्यकर्ताओं को क्या सिखाएंगे? झूठ-फरेब कर जैसे सरकार में आए हैं, वैसे ही जनता के पास जाएंगे. जनता इनके बहकावे में नहीं आने वाली है। कार्यकर्ता भी समझ चुके हैं. एक बार चल गई दोबारा चलने वाली नहीं है. संकल्प शिविर का कोई लाभ नहीं होने वाला है। कौशिक ने कहा कि संकल्प उस

बात का लिया जाता है, जो कहा है वह होना चाहिए। आज शराबबंदी की क्या स्थिति है. पूरे प्रदेश को शराब का गढ़ बना दिया. लगातार परिवार आत्महत्या कर रहे हैं, युवा भटक रहे हैं. पूरे छत्तीसगढ़ में बद्तर स्थिति है। वहीं घोषणा पत्र समिति की बैठक को लेकर कहा कि एक बार फिर जनता को छलने के लिए घोषणा पत्र बना रहे हैं, लेकिन इस बार छत्तीसगढ़ की जनता उनके बहकावे में आने वाली नहीं है. कांग्रेस के प्रति लोगों का विश्वास खत्म हो गया है।

सीएम बघेल के 75 प्लस का रिटर्न गिफ्ट वाले बयान पर पूर्व नेताप्रतिपक्ष धरमलाल कौशिक ने कहा कि सामने चुनाव है. कितना रिटर्न गिफ्ट देंगे. जनता रिटर्न गिफ्ट देने के लिए तैयार बैठी है। इस बात को घमंड और अहंकार से ना बोले, उनका यह अहंकार जनता खत्म करेगी। कुमारी सैलजा की मौजूदगी में कांग्रेस घोषणा पत्र समिति की बैठक हुई. इस दौरान घोषणा पत्र समिति के सदस्यों ने सुझाव दिए। वहीं दूसरी ओर प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष दीपक बैज ने कौशिक के 'किस बात का संकल्प लेंगे' वाले बयान पर कहा कि अगर 15 साल का लिस्ट निकलें, तब बीजेपी खड़ी भी नहीं हो पाएगी। कांग्रेस ने 90त्न से अधिक वादे पूरे किए हैं. बीजेपी के पास कोई मुद्दा नहीं है, इसलिए राज्य सरकार को सेंट्रल एजेंसी के माध्यम से डराने का प्रयास कर रही है. बीजेपी चुनाव नहीं लड़ रही, बल्कि ईडी और आईटी चुनाव लड़ रहे हैं।

भाजयुमो कार्यकर्ता विकास शुक्ला ने की दावेदारी

-दुलारे अंसारी-
रायपुर,26अगस्त 2023 (घटती-घटना)।

आगामी चुनाव को देखते हुए हर कार्यकर्ता अपनी अपनी दावेदारी पेश कर रहा है इस दावेदारी में कोई भी कार्यकर्ता पीछे नहीं रहना चाहता है छत्तीसगढ़ में 90 विधानसभा सीटों पर चुनाव होने हैं और यह चुनाव बीजेपी के लिए बहुत अहम है सरकार बन पाती है या फिर से हार जाती है इसी कड़ी में भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिला कार्य समिति सदस्य विकास शुक्ला ने रायपुर ग्रामीण विधानसभा से आज अपनी दावेदारी पेश की, आज विकास शुक्ला ने अपने साथियों के साथ जाकर भाजपा प्रदेश कार्यालय में संगठन मंत्री पवन साय जी को अपनी दावेदारी पेश की, मुकेश बुरड़ , सुब्रतो हलदार और रामावतार वर्मा उनके साथ वहां मौजूद थे।

नेशनल मेडिकल कमिशन के फैसले का डॉक्टरों ने किया स्वागत

रायपुर,26अगस्त 2023(ए)। नेशनल मेडिकल कमिशन ने डॉक्टरों को जेनरिक दवाएं अनिवार्य रूप से लिखने के नियम पर रोक लगा दी है. एनएमसी ने डॉक्टरों के फार्मा कंपनियों से गिफ्ट न लेने और फार्मा कंपनियों द्वारा प्रायोजित सम्मेलनों में भाग न लेने के नियम को भी स्थगित कर दिया है। डॉक्टरों फैसले का स्वागत किया है.डॉक्टरों के कड़े विरोध के बाद ये आदेश अगले नोटिफिक्रेशन तक के लिए स्थगित कर दिया गया है. बता दें कि कुछ दिनों पहले डॉक्टरों के लिए एनएमसी ने नए नियम बनाकर कहा था कि डॉक्टरों को जेनरिक दवाएं लिखनी होंगी. ऐसा न करने पर उन्हें सजा दी जाने ती बात कही गई थी थी ।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)